हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

1 मार्च, 1994

खण्ड 1, अंक 2

अधिकृत विवरण

Haryana Vidhan Sabha Sectt. Library ★ Chandigarh

विषय सूची

मंगलवार, 1 मार्च, 1994

	पृष्ठ सं०
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(2) 1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(2) 21
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(2) 22
नियम 121 के अधीन प्रस्ताव— कमेटियों के सदस्यों को नामजद करने के लिए अध्यक्ष महोदय को प्राधिकार देने सम्बन्धी	(2) 60
स्थगन प्रस्ताव	(2) 61
वाक आउट	(2) 65
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव	(2) 66
राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा	(2) 66
वैयक्तिक स्पष्टीकरण— तकनीकी शिक्षा राज्य मन्त्री (प्रो0 छतरपाल सिंह) द्वारा	(2) 89
राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2) 91
बैठक का समय बढ़ाना	(2) 108
राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2) 108

150 50

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 1 मार्च, 1994

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई । अध्यक्ष (चौधरी ईश्वर सिंह) ने अध्यक्षता की ।

तारांकित प्रश्न एव उत्तर

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मम्बर्ज, अब सवाल होंगे ।

Consolidation of Land Holding of Village Thilor

***655. Shri Ram Bhajan Aggarwal :** Will the Minister for Revenue be pleased to state —

(a) whether it is a fact that the consolidation of land holding of village Thilor and other villages of Bhiwani District has been completed, if so, when; and

(b) whether the ownership of the holding has been handed over to land owners ; if not, the reasons therefor ?

राजस्व मन्त्री (श्री निर्मल सिंह) :

(क) गांव थिलोड़ का चकबन्दी कार्य पूरा नहीं हो सका, क्योंकि कब्जाजात स्थानान्तरण के समय भू-स्वामियों द्वारा सहयोग नहीं दिया गया । फिर भी जिला भिवानी के 354 गांवों में चकबन्दी कार्य वर्ष 1960 तथा 1980 में पूर्ण किया जा चुका है ।

(ख) हां जी, वर्ष 1960 तथा 1980 में जिन गांवों में चकबन्दी कार्य पूर्ण हो चुका था, उन भू-स्वामियों को भूमि का कब्जा दिया जा चुका है ।

श्री राम भजन अग्रवाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय के नोटिस में लाना चाहता हूं कि चकबंदी का काम पूरा न होने की वजह से गांवों के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । चकबंदी न होने की वजह से न तो खाले बन पा रहे हैं और न उनको रास्ता मिल पा रहा है जिस वजह से उन्हें बेहद परेशानी है । मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जिन गांवों में चकबंदी का काम पूरा नहीं हुआ है, उनमें कब तक यह काम पूरा हो जाएगा ?

श्री निर्मल सिंह : जिला भिवानी में 47 गांवों में चकबंदी का कार्य बाकी है। इनमें से 15 गांवों में इस समय चकबंदी का कार्य चल रहा है। बाकी गांवों में भी अगर लोग मांग करेंगे तो अगले वर्ष यह काम शुरू किया जा सकता है। मैं आपके माध्यम से इनकी सूचना के लिए बताना चाहता हूं कि चकबंदी सब जगह पूरी हो चुकी थी लेकिन लोगों के आपसी झगड़ों की वजह से, कानूनी दिक्कतों की वजह से या किन्हीं और कारणों से यह काम पूरा नहीं हो पा रहा है। वैसे राजस्व विभाग के पास तो अपना सारा रिकार्ड होता है। मैं इनकी इस बात से सहमत हूं कि जहां पर चकबंदी पूरी नहीं हुई है, वहां पर लोगों को दिक्कत आती है, इसमें कोई दो राय नहीं।

प्रो० राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि सारे हरियाणा में कितने गांवों में चकबंदी का काम बकाया है और कब तक पूरा हो जाएगा ?

श्री निर्मल सिंह : अध्यक्ष महोदय, सारे हरियाणा के 99 गांव हैं जहां पर चकबंदी का काम बकाया है। यह बात भी सही है कि जिन गांवों में यह काम पूरा नहीं हो पाया है वहां खालें आदि बनाने में काफी दिक्कतें आ रही हैं। दूसरे जिलों में जहां काम चल रहा है और कोई कानूनी अड़चन नहीं है वहां हम जल्दी पूरा करने की कोशिश करेंगे।

श्री मनी राम केहरवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी के नोटिस में लाना चाहता हूं कि सिरसा जिले के मिट्ठी-सुरेरा गांव में इस समय चकबंदी का काम चल रहा है। वहां पर हरिजनों की आबादी ज्यादा है। उनके दो अढ़ाई एकड़ के खेत हैं, लेकिन अब उनके खेत में से रास्ते काट-काट कर 4-4 और 5-5 टुकड़े कर दिए हैं। इस बारे में राजस्व मंत्री महोदय को लिख कर भी भेजा था। मैं जानना चाहता हूं कि इस पर सरकारी तरफ से क्या कार्यवाही हुई है ?

श्री निर्मल सिंह : स्पीकर साहब, इन्होंने लिखकर भेजा है तो उस पर विभाग की तरफ से जरूर कार्यवाही हुई होगी। चकबंदी का कार्य बाकायदा पूरे नियमानुसार ही किया जाता है। यदि किसी विधायक को या किसी और को कोई दिक्कत है तो वह नोटिस में लाए, सरकार उस पर अवश्य कार्यवाही करेगी।

प्रो० छत्तर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, थोड़ी देर पहले मंत्री महोदय ने बताया कि यदि गांव वाले चाहेंगे तो चकबंदी का काम पूरा कर दिया जाएगा। मैं जानना चाहता हूं कि क्या चकबंदी का काम पूरा करने की जिम्मेवारी सरकार की नहीं है ? भिवानी जिले में 1960 से 1994 तक 47 गांवों में चकबंदी का कार्य बकाया है। मैं जानना चाहता हूं कि जिन गांवों में कोई कानूनी अड़चन नहीं है, उनमें यह काम कब तक पूरा हो जाएगा ? इसके पूरा न होने की वजह से वहां पर खालें आदि नहीं बन पा रहे हैं जिससे लोगों को बहुत असुविधा हो रही है।

श्री निर्मल सिंह : अध्यक्ष महोदय, जहां अभी तक चकबंदी का काम पूरा नहीं हुआ है, वहां आपसी झगड़ा ही बाधा का कारण बना हुआ है । कुछ लोग कोर्टस में चले गए हैं । इसके अलावा जहां पर कोई झगड़े आदि या कोर्टस की कोई दिक्कत नहीं है, वहां पोलिटिकल वजह से पूरा नहीं हो पा रहा होगा ।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी ने बिल्कुल ठीक जवाब दिया है, मैं इस को थोड़ा सा क्लीयर कर देता हूं । सरकार का कर्त्तव्य बनता है कि जहां जगह का इस्तेमाल नहीं हुआ है, वहां इस्तेमाल होना चाहिए । इस्तेमाल न होने की वजह से एक मालिक के पास छोटे-छोटे जमीन के चार टुकड़े हैं तो वह एक जगह बन जाएगी । इस्तेमाल न होने की वजह से कठिनाई होती है और खाल पक्के बनाने में दिक्कत है । सरकार को पहला कर्त्तव्य बनता है कि सारी स्टेट में चकबन्दी करवाई जाए, सारी स्टेट में और भिवानी जिले में भी चकबंदी के पूरे प्रयास किए गए हैं । सारी स्टेट एक तरफ और आधा भिवानी एक तरफ । भिवानी जिले में चकबंदी के पूरे प्रयास किए गए हैं परन्तु उसकी पूरी चकबन्दी न होने के कुछ कारण हो सकते हैं, मैं उसमें नहीं जाना चाहता । स्पीकर साहब, मैं सदन को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि अगर कोई मामला कोर्ट में नहीं है तो जल्दी से जल्दी उन गांवों में जगह इस्तेमाल करवाएंगे ।

श्री अध्यक्ष : क्या जमीन की री-कन्सोलिडेशन के बारे में सरकार विचार करेगी ? पहले कई किस्म की जमीन थी जिसमें बंजर जमीन, कल्लरी जमीन और जंगलात की जमीन भी होती थी । री-कन्सोलिडेशन से बंजर जमीन, कल्लरी जमीन और जंगलात की जमीन की डिवैल्पमैंट हो सकती है ।

चौधरी भजन लाल : सारे गांवों की जगह पहले चकबन्दी के लिए इस्तेमाल हुई । यह ठीक है कि पहले जंगल थे या बंजर जमीन थी और बाद में उसमें से किसी ने जमीन ले ली, उसको भी दिक्कत हो सकती है लेकिन अगर दोबारा से सारा गांव चाहे तो चकबन्दी दोबारा से भी हो सकती है ।

श्री अमर सिंह : स्पीकर साहब, आपने री-कन्सोलिडेशन के बारे में बहुत ही अच्छा सप्लीमैंटरी किया है । गांवों में जहां स्कैटर्ड जमीन है, वहां कंसोलिडेशन के लिए दोबारा कंसीडर किया जाना चाहिए और जो सरप्लस जमीन है, वह हरिजनों को अलाट हो सकती है । स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इस बात को ध्यान में रखते हुए क्या मुख्य मन्त्री जी इसको टॉप प्रायोरिटी देने की कृपा करेंगे ?

चौधरी भजन लाल : सारी स्टेट में तो होना सम्भव नहीं है । कई जगहों पर सरप्लस जमीन अलॉट भी हुई है और लोगों ने कब्जे भी ले लिए और कुछ लोगों ने जमीन को बेच भी दिया । अगर इसको दोबारा करेंगे तो जहां-जहां दिक्कत है, सारा

[चौधरी भजन लाल]

पिटारा फिर से खोलना पड़ेगा । सारा गांव अगर चाहे कि दोबारा इस्तेमाल हो, तो सारे गांव की रजामन्दी से शर्तें लगा कर कि कहां कहां इस प्रकार की जमीन है, फलां गांव की कंसोलिडेशन की जमीन की क्या वैल्यू होगी, मालिक पर मुजारा जाएगा या मुजारे की जगह मालिक जाएगा, यह सारे गांवों की अलग-अलग स्कीम बनेगी, इसलिए सारी स्टेट में दोबारा से इस्तेमाल खोलना सम्भव नहीं है ।

श्री कृष्ण लाल : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि जहां चकबन्दी का कार्य चल रहा है उनमें मेरे हल्के के कचरौली और महमूदपुर की 42 एकड़ जमीन है । उस 42 एकड़ भूमि की चकबन्दी होनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष : यह सवाल इससे सम्बन्धित नहीं है इसलिए आप इसके लिए सैपरेट नोटिस दीजिए ।

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, क्या माननीय मुख्य मंत्री जी या रैवेन्यू मिनिस्टर महोदय यह बताएंगे कि जहां कंसोलिडेशन हुई है, क्या उन गांवों में तालाबों के लिए जगह है ? कई जगहों पर पहले तालाब बस्ती में आ गए हैं और बस्ती में आने के कारण खराब हो गए हैं, जिस की वजह से पशुओं के लिए पीने का पानी नहीं है । सभी गांवों में तालाब के लिए अलग से जगह होनी चाहिए । क्या मंत्री जी दोबारा कंसीडर करेंगे क्योंकि पशुधन और गांवों के लिए यह बहुत ही जरूरी चीज है ।

श्री निर्मल सिंह : स्पीकर साहब, बाकायदा तालाबों का ध्यान रखा जाता है और कंसोलिडेशन में मालिकान की जगह में से बाकायदा तालाब की जगह छोड़ी हुई है । (विघ्न)

चौधरी भजन लाल : जहां तक तालाब का ताल्लुक है, जोहड़ प्लान के अन्तर्गत हमने तालाब रखा हुआ है और जो जोहड़ इस्तेमाल में नहीं हैं, वे भी गांवों में हैं । मुश्तर्का मालिकान की जमीन इसमें रखते हैं, तालाब को बन्द नहीं कर सकते । जोहड़ प्लान में तालाब रखे गए हैं । अगर कहीं जमीन नहीं होगी, उसके लिए भी सरकार ने फैसला किया है कि जमीन ले कर तालाब बनवाए जाएं । इन तालाबों को पानी से भरने के लिए भी सरकार ने फैसला किया है । जहां से डिमांड आएगी, 24 घण्टे के अन्दर तालाब को भरा जाएगा । बरसात का पानी जोहड़ों में काफी ज्यादा होता है । जोहड़ों को ज्यों का त्यों रखा हुआ है और जोहड़ों को हटाने का कोई सवाल ही नहीं है ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि 1951-52 में इस्तेमाल की शुरूआत हुई और जब शुरूआत हुई तो गांवों

में तोशी आबादी के लिए जमीन नहीं छोड़ी गई । अब बहुत से ऐसे गांव हैं जहां 40-50 साल के बाद आबादी बढ़ गई है और बाहर जाने के लिए प्लाट नहीं हैं । खेती की जमीन भी कम हो गई है । अध्यक्ष महोदय, लोग इतने तंग हैं कि ब्यान नहीं किया जा सकता । ऐसे गांवों के लिए जहां पर तोशी आबादी के लिए जमीन नहीं छोड़ी गई है, क्या सरकार इस पर दोबारा और करेगी और उनकी आबादी के लिए प्लाट दिए जाएंगे ?

श्री निर्मल सिंह : स्पीकर साहब, जहां चकबन्दी हो चुकी है और लोगों ने गांवों में बहुत पुराने कर्जे लिए हुए हैं, वहां उनकी जमीन में से सरकार कैसे प्लॉट दे सकती है ?

श्री सतबीर सिंह काद्यान : मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदेश के कुल कितने ऐसे गांव हैं जहां पर आज तक कंसोलीडेशन नहीं हुआ है ? महमूदपुर और कचरोली गांव जो पानीपत जिले में हैं, उनमें कंसोलीडेशन कब तक पूरा हो जाएगा ?

Mr. Speaker : It does not relate to this question.

श्री निर्मल सिंह : आप जहां पर भी कहेंगे, करवा देंगे ।

श्री हरि सिंह गलवा : अध्यक्ष महोदय मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि दिल्ली से लेकर यमुना नगर तक हरियाणा में हर जिले के अन्दर, हर तहसील के अन्दर यमुना के खादर का बहुत बड़ा हिस्सा लगता है । यमुना के खादर के एरिए में कंसोलीडेशन न होने की वजह से वहां का किसान सारी जमीन का मालिक नहीं है । अगर वह जमीन के अगैन्स्ट बैंक से कर्जा लेना चाहता है तो उसे कर्जा नहीं मिल सकता; अगर वह उसको बेचना चाहे तो रजिस्ट्री भी नहीं करवा सकता, क्योंकि वह रेवेन्यू रिकार्ड के मुताबिक मालिक नहीं है । वहां पर फ्लड आने की वजह से सारी जमीन शामलात दिखाई गई है । अध्यक्ष महोदय, उनकी मलकीयत उनके पास नहीं है, यह बहुत ही गम्भीर मामला है । हरियाणा की पापुलेशन का बहुत बड़ा हिस्सा, इस इलाके के अन्दर आने से लोग इस बात से बहुत दुखी हैं । क्या सरकार इसको एग्जीक्यूटिव आर्डर द्वारा कंसोलीडेशन करा कर इस प्रॉब्लम को हल करेगी ?

श्री निर्मल सिंह : अध्यक्ष महोदय, बात तो चकबन्दी की ही कही गई है । अगर कोई गांव ऐसा है जहां चकबन्दी नहीं हुई है तो वहां के लोग दरख्वास्त दें, चकबन्दी हो जाएगी । अध्यक्ष महोदय, मैं इनकी इन्फर्मेशन के लिए बता दूं कि हरियाणा में सिर्फ 102 गांव ऐसे हैं जो हिली एरियाज है जहां कंसोलीडेशन नहीं हो सकता । वे गांव जिनका इन्होंने जिक्र किया है उनमें चकबन्दी का कोई प्रावधान नहीं है । बाकी यमुना का एरिया जो इन्होंने बताया है, वह मेरे ख्याल से कंसोलीडेट हो सकता है । अगर वह नहीं हुआ है तो करा देंगे ।

*663. **Prof. Chhattar Singh Chauhan :** Will the Minister for Forests be pleased to state the districtwise number of trees planted during the period from July, 1992 todate in the State ?

Mr. Speaker : I have received a request for extension, and it has been granted.

Interim Reply

"D O. No.

INDERJIT SINGH

Forest Wild Life and Environment Minister, Haryana, Chandigarh.

Dated, the 28-2-1994

Subject : *663—Shri Chhattar Singh Chauhan, M.L.A.—regarding plantation of trees, fixed for 1-3-1994.

Dear Ch. Sahib,

Reply to starred question No. 663 is not ready on account of short notice. The same may kindly be deferred to a future date, i.e. 10th March, 94.

With regards,

Yours sincerely,
Sd/-
(Inderjit Singh)

Ch. Ishwer Singh,
Speaker.
Haryana Vidhan Sabha,
Chandigarh."

Polluted Stretches in the State

*676. **Shri Jai Parkash :** Will the Minister for Forests be pleased to state whether the Haryana State Pollution Control Board has identified the pollution stretches in the State; if so, the details thereof; togetherwith the steps taken or proposed to be taken to clear the aforesaid stretches during the financial year ?

पर्यावरण मंत्री (राव इन्द्रजीत सिंह) : राज्य में इस प्रकार का कोई भी चिन्हित प्रदूषित क्षेत्र नहीं है । फिर भी, कुछ प्रदूषित औद्योगिक इकाईयां तथा अन्य प्रकार के प्रदूषण स्त्रोत हैं, जोकि राज्य के विभिन्न भागों में फैले हुए हैं । राज्य सरकार इस समस्या के प्रति पूर्णतया जागरूक है तथा इसका समाधान करने के लिए आवश्यक कार्यवाही कर रही है ।

श्री जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का जवाब नहीं आया है । मेरा प्रश्न यह था कि क्या वर्ष 1994 के दौरान गन्दगी वाले इलाके साफ करने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ? अगर सरकार का जवाब 'हां' में है तो ऐसे कितने इलाके ढूंढे हैं और सरकार इन पर कितना खर्च करेगी ?

राव इन्द्रजीत सिंह : स्पीकर साहब, पोल्यूशन को ठीक करने का काम कोई एक साल में सीमित करने से नहीं हो सकता । यह पहले से शुरू है और आगे तक चलता रहेगा । सरकार यह नहीं कह सकती कि इसको कब तक कंपलीट कर देंगे । इस पर काफी खर्चा आना है । यह एक जगह पर ही नहीं है बल्कि जगह-जगह पर स्कैटर्ड है । कहीं पर पोल्यूटड इंडस्ट्री है, कहीं पर म्यूनिसिपल कमेटी है, इसके अन्दर स्ट्रैचिज तो है नहीं । अलग अलग जगहों पर, जहां पर पोल्यूशन हो रहा है, सरकार को उसकी जानकारी है और वह इसको दूर करने के प्रयत्न कर रही है । जितनी जल्दी हो सकेगा, हम फंड्ज की अवेलेबिलिटी पर लोगों को मोटीवेट करके इसको दूर करने का प्रयत्न प्रोल्यूशन बोर्ड के माध्यम से कर रहे हैं ।

श्री अध्यक्ष : क्या आपने डिटेल सर्वे करवाया है ?

राव इन्द्रजीत सिंह : जी हां, सर्वे करवाया है ।

श्री जय प्रकाश : स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि सारी स्टेट में विभाग ने गंदगी वाले कितने इलाके आईडैन्टीफाई किए हैं ? मैं आपको बताना चाहूंगा कि करनाल का टू थर्ड इलाका गंदगी वाला है । आज तक प्रदूषण विभाग ने उसको कभी आईडेन्टीफाइ नहीं किया है । न म्यूनिसिपल कमेटी और न ही प्रदूषण विभाग उसका कोई समाधान कर पाया है । ऐसे इलाके स्टेट में बहुत से हैं । इसकी वजह से करनाल में आज कई जानलेवा बीमारियां फैली हुई हैं । इसलिए मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जो करनाल का टू थर्ड इलाका गंदगी वाला है, क्या आपने उसके लिए कोई स्कीम बनायी है ?

राव इन्द्रजीत सिंह : स्पीकर साहब, करनाल म्यूनिसिपल कमेटी उन 6 इलाकों में से एक है जहां पर यमुना ऐक्शन प्लान लागू है । करनाल के लिए कुल मिलाकर 18 करोड़ रुपये जापान से भारत सरकार को आए हैं और वह पैसा भारत सरकार ने पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट को दिया है । यह 18 करोड़ रुपये करनाल की गंदगी को ठीक करने के लिए, ऐफ्यूलैंट ट्रीटमैंट प्लांट लगाने के लिए खर्च होने हैं । इस 18 करोड़ रुपये में से पांच करोड़ रिलीज हो चुके हैं । आज तक करनाल के अन्दर चालीस एकड़ जमीन खरीद ली गयी है । हमने यह पांच करोड़ रुपया खर्च करके सबसे पहले करनाल के अन्दर काम करवाया है ।

Mr. Speaker : Now you must be satisfied.

श्री जय प्रकाश : स्पीकर साहब, मंत्री जी ने बताया है कि यमुना ऐक्शन प्लान में 18 करोड़ रुपया आया है और उसमें से पांच करोड़ रुपया रिसीव हो चुका है। मैंने देखा है कि करनाल का जो गंदगी वाला इलाका है, उसमें सिवरेज सिस्टम का कोई प्रावधान नहीं है। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि करनाल का जो टू थर्ड गंदगी वाला इलाका है, उसको क्या वह इस प्लान में शामिल करेंगे ?

राव इन्द्रजीत सिंह : स्पीकर साहब, ऐसा है कि पैसे की कमी है। यह केवल करनाल में ही नहीं बल्कि और जगह भी है। फिर भी हमने करनाल को सबसे पहले लिया है। आगे जैसे जैसे पैसा हमारे पास आता रहेगा और जहां जहां इसकी जरूरत होगी, वहां काम किया जाएगा। करनाल के लिए हमने 18 करोड़ रुपया खर्च करने के लिए सोचा है। इसके अलावा करनाल के अन्दर इस बारे में और पैसा खर्च करने का विचार नहीं है।

साधी लहरी सिंह : स्पीकर साहब, यमुना नगर के अन्दर जितनी भी फैक्टरीज हैं, उनका सारा गंदा पानी रादौर में इकट्ठा हो जाता है। पिछले सैशन में मंत्री जी ने मेरे कालिंग अटेंशन मोशन का जवाब देते हुए यह वायदा किया था कि इसको यमुना ऐक्शन प्लान में लाकर ठीक साफ कर देंगे लेकिन आज तक भी वहां पर जूं नहीं रेंगी। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि यमुना नगर का कब तक इंतजाम कर देंगे ? अब तो काफी पैसा मिल गया है। इसी तरह से मारकंडा में भी है। तो मंत्री जी इसके बारे में बताएं।

राव इन्द्रजीत सिंह : स्पीकर सर, यमुना ऐक्शन प्लान के अंदर यमुनानगर एवं जगाधरी दोनों शहर शामिल हैं। वैसे तो यह कार्यक्रम सन् 1992 में शुरु हो जाना चाहिए था लेकिन पैसा मिलने में कुछ देरी हुई है। आज के दिन कुछ पैसा आना शुरु हुआ है। पांच करोड़ रुपया सरकार को मिल चुका है, इसमें से यमुनानगर के लिए हमने 16.83 करोड़ रुपया सीवरेज के लिए, 1 करोड़ 37 लाख रुपया जमीन के लिए और 37 लाख रुपया एक्वारिंग के लिए, कुल मिलाकर 18.20 करोड़ रुपया अलग रखा है।

साधी लहरी सिंह : स्पीकर सर, मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि यह काम कब तक शुरु हो जाएगा ?

राव इन्द्रजीत सिंह : स्पीकर सर, उम्मीद है कि इस योजना में 1998 तक सारे शहर कवर हो जाएंगे।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : अध्यक्ष महोदय, पिछले सैशन में भी मैंने सवाल रखा था कि सारे हरियाणा में पौल्यूशन कितना और कहां-कहां है। स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि भारत के सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्र फरीदाबाद में प्रतिदिन जिस हिसाब से पौल्यूशन बढ़ता जा रहा है, उसको देखते हुए मंत्री जी

के विभाग हरियाणा पौल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की एक प्रतिशत गतिविधि भी फरीदाबाद में नहीं है । हालत यह है कि हुडा के सैक्टरों में रहने वाले रेजीडैन्ट्स पौल्यूशन की वजह से वहां से शिफ्ट होने शुरु हो गए हैं । मैं मंत्री जी से आश्वासन चाहूंगा कि पौल्यूशन को कंट्रोल करने के लिए वे अपने विभाग की ओर से युद्धस्तर पर कोई गतिविधि चालू करेंगे ?

राव इन्द्रजीत सिंह : स्पीकर सर, यह मैंने कभी नहीं कहा कि पौल्यूशन नहीं है। मैंने यह कहा है कि सरकार जानती है कि पौल्यूशन कहां कहां पर है, फरीदाबाद में भी पौल्यूशन है । यमुना ऐक्शन प्लान के तहत इसके लिए भी 51 करोड़ रुपया अलग से रखा गया है । इंडस्ट्रियल यूनिट्स को भी हमने कह दिया है कि वे अपने ऐफ्लुएंट ट्रीटमैंट प्लांट लगाएं ।

श्री अमीर चन्द सक्कड़ : स्पीकर सर, मंत्री जी का विभाग लोगों की सेहत की दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण है । सीवरेज का सिस्टम ठीक न होने की वजह से शहरों में बहुत पौल्यूशन है । मेरे हल्के हांसी में 3 महीने से सीवरेज बन्द पड़ी है जिसकी वजह से गलियों और घरों में गंदा पानी खड़ा है और काफी लोग पीलिया के शिकार हो गए हैं व यह बीमारी बढ़ती ही जा रही है । मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहूंगा कि मंत्री जी का विभाग इस दिशा में कोई कार्य करेगा ?

राव इन्द्रजीत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य का सवाल समझ नहीं पाया । (विघ्न एवं शोर) ऐसे है स्पीकर साहब कि यह जो म्युनिसिपल कमेटीज हैं, इनकी जो आर्गेनिक वेस्ट है, यह प्रदूषण के लिये 65 प्रतिशत रिस्पौंसिबल है और इंडस्ट्रीज 35 प्रतिशत तक रिस्पौंसिबल हैं । सीवरेज के लिये म्युनिसिपल कमेटीज को ऐफ्लुएंट ट्रीटमैंट प्लांट्स लगाने चाहियें लेकिन म्युनिसिपैलिटीज के पास पैसा न होने के कारण वे ट्रीटमैंट प्लांट नहीं लगा पा रही हैं । हमारे प्रदेश के अन्दर कुल मिलाकर 17 'ए' क्लास म्युनिसिपल कमेटीज हैं । इन 17 में से 7 तो यमुना ऐक्शन प्लान के तहत कवर हो जाती हैं । वहां पर तो यह लगेंगे ही, लेकिन जो बाकी की 10 म्युनिसिपल कमेटीज 'ए' क्लास की रह जाती है, उनके लिये भी हम म्युनिसिपल सीवरेज को ट्रीट करने के लिये प्रयत्न कर रहे हैं । जैसे ही सरकार के पास पैसे होंगे, हम वहां पर सीवरेज ट्रीट करके होने वाले प्रदूषण को दूर करने की कोशिश करेंगे ।

चौधरी बलवन्त सिंह भैना : अभी हमारे दोस्त ने सवाल किया और मंत्री जी ने उसका जवाब भी दिया है । मैं मंत्री जी से यह कहना चाहता हूं कि उनको तो यह पता ही है कि सीवरेज की वजह से बहुत प्रदूषण फैलता है । रोहतक के अन्दर बिजली न होने के कारण पानी पम्प-आउट नहीं हो सका है और चार-चार फुट पानी खड़ा हुआ है । इस वजह से वहां पर प्रदूषण और बीमारियां फैल रही हैं । सरकार इस तरह के प्रदूषण को रोकने के लिये क्या कदम उठा रही है ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, मुश्किल यह है कि सवाल तो यह पौल्यूशन के बारे में है लेकिन माननीय सदस्य इसको सीवरेज साईड पर ले गये हैं । यह बात तो स्वाभाविक है कि सीवरेज से भी पौल्यूशन होता है । कुछ हद तक तो उनकी बात वाजिब है । मैं इस बारे में यह बताना चाहता हूं कि म्युनिसिपल कमेटीज के पास फंड्ज की बहुत कमी है । फंड्ज की कमी होने की वजह से बहुत सी जगहों पर सीवरेज की वर्किंग ठीक नहीं है । हमने फैसला किया है कि सारे हरियाणा के अन्दर म्युनिसिपल कमेटीज की हद्द में पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट से काम करायेंगे । उसके लिये हम उनको फंड्ज देने जा रहे हैं । जैसे अभी बड़े-बड़े शहरों के बारे में पोल्यूशन की बात आयी है, उससे फर्क पड़ेगा । अभी जैसे करनाल के बारे में बात उन्होंने कही और फरीदाबाद के बारे में भी कहा गया, चाहे कोई भी शहर हो, जहां पर पानी खड़ा रहता है, वहां पर स्लम बन जाते हैं और मोहल्लों में गन्दगी से बीमारियां फैलती हैं । आने वाले एक साल में माननीय सदस्य खुद इस बात को महसूस करेंगे कि स्टेट में वाकई इस मामले में कुछ काम हुआ है । हम आप खुद को यह महसूस करायेंगे ।

Nomination for the post of HCS in the State

*689. **Smt. Chandravati** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the names and addresses of the employees nominated in Haryana Civil Services during the year 1991-92 and 1992-93 in the State separately together with the criteria adopted for the said nomination; and

(b) the names of posts and qualifications of the employees as referred to in part (a) above at the time of their nomination in Haryana Civil Services?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : एच0 सी0 एस0 में स्वत: कोई नामजदगी नहीं की गई है ।

ऐसा प्रतीत होता है कि माननीय सदस्या वर्ष 1991-92 तथा 1992-93 के दौरान राज्य सरकार के कर्मचारियों की एच0 सी0 एस0 (कार्यकारी शाखा) में की गई नियुक्ति के संबंध में सूचना प्राप्त करना चाहती हैं ।

माननीय सदस्या ने जो सवाल पूछा है, वह ठीक नहीं है लेकिन माननीय सदस्या की मंशा को जानते हुए कि आपकी मंशा यह है, मैं उसका जवाब दे रहा हूं ।

श्रीमती चन्द्रावती : मेरा सवाल तो ठीक है लेकिन उत्तर गलत दिया गया है ।

चौधरी भजन लाल : सवाल तो बिल्कुल गलत दिया गया है लेकिन मैं इनकी मन्शा को समझते हुए जवाब दे रहा हूं । मैं यह कहकर भी टाल सकता था कि इनका सवाल ठीक नहीं है और मुझे जवाब देने की कोई आवश्यकता नहीं है लेकिन फिर भी हमने इनकी भावना और मन्शा की कद्र करते हुए जवाब दिया है जो इस प्रकार है :—

(क) इन वर्षों में केवल एक व्यक्ति श्री गुरदेव सिंह, जो उस समय संयुक्त निदेशक, पंचायत थे, को एच0 सी0 एस0 (कार्यकारी शाखा) में खंड विकास तथा पंचायत अधिकारियों के संवर्ग में से, चयन की निर्धारित कार्यविधि अनुसार, जिसका संबंधित नियमों में प्रावधान है, नियुक्त किया गया था ।

(ख) उनकी शैक्षणिक योग्यता बी0 ए0 एल0 एल0 बी0 है ।

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, कई बार एच0 सी0 एस0 के लिये गवर्नमैंट की तरफ से नौमीनेशन होती है और कई बार मुख्य मंत्री महोदय खुद भी करते हैं । मैं यह जानना चाहती हूं कि क्या किसी केस में, इसके अलावा क्वालीफिकेशन में और आयु में तरमीम की गयी हैं, अगर की गयी है तो ऐसे कितने केसिज हैं ?

10.00 बजे | **चौधरी भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, इनके सवाल के जवाब में मैं बताना चाहता हूं कि इसमें नौमिनेशन नहीं होती बल्कि सिलैक्शन होता है । ऐक्स ग्रेशिया में नौमिनेशन होता है, जैसे किसी का बाप आई0 ए0 एस0 है या किसी की माँ, यानी कोई देवी आई0 ए0 एस0 है और उनकी मौत हो जाए तो उसके लड़के को एक्स ग्रेशिया के तौर पर सरकार नौमिनेट करती है ।

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, मेरा सवाल यह है, जसे किसी जूनियर औफिसर को एच0 सी0 एस0 बनाया जाता है या कई बार किसी एच0 सी0 एस0 को आई0 ए0 एस0 बनाया जाता है, चाहे उनका सिलेक्शन किया जाता है या नौमिनेशन किया जाता है, क्या उसी तरीके से पिछले सालों में किन्हीं लोगों को हरियाणा सिविल सर्विस में लिया गया है और आने वाले साल में कितने लोगों को करने वाले हैं ? स्पीकर साहब, मेरा सवाल बिल्कुल स्पष्ट है ।

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, अलग-अलग सिस्टम है । हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा 68 परसैन्ट सीधी भर्ती इन पदों के लिए होती है । मेरा ख्याल है कि बहन जो यह जानना चाहती हैं कि कितने लोगों का डिपार्टमैंटवाइज अलग-अलग भर्ती इन दो अढ़ाई सालों में किया गया ।

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, भर्ती नहीं किया, बल्कि मैं तो यह जानना चाहती हूं कि जैसे एच0 सी0 एस0 बनाया जाता है या एच0 सी0 एस0 से आई0 ए0 एस0 बनाया जाता है, इस तरह से कितने लोगों को सरकार ने रिकमैंड किया है ?

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, मैं सारी बात बताता हूं । तीस पोस्ट्स एच0 सी0 एस0 के लिए नोटिफाई की गई थी और इसकी कार्यवाही में कुछ देरी हो गई, वह देरी क्यों हो गई ? इसका कारण यह है कि हमने पहले वाला सिस्टम कुछ बदल दिया है । पहली गवर्नमैंट का रूल था कि पांच साल की रिपोर्ट अच्छी होनी चाहिए, पहले ए0 सी0 आर0 को ज्यादा महत्व नहीं दिया । हमने कहा कि पांच साल की बजाए सात साल की रिपोर्ट "वैरी गुड" होनी चाहिए । जो आदमी एच0 सी0 एस0 में आना चाहिए उसकी सात साल की रिपोर्ट 'वैरी गुड' होनी चाहिए । उसके अगेन्सट एक आदमी हाई कोर्ट में चला गया और वह हाई कोर्ट में हार गया । उसके बाद वह सुप्रीम कोर्ट में चला गया । उन्होंने कहा कि हरियाणा गवर्नमैंट का जो सिस्टम है वह बिल्कुल ठीक है । हमने एक पोस्ट के अगेन्सट दो नाम भेजे हैं । मतलब यह है कि तीस पोस्ट्स के अगेन्सट साठ नाम भेजे लेकिन वह आदमी रूल लेकर आ गया । कोर्ट ने कहा कि इसका नाम भी भेजो, सिलेक्शन के वक्त देखा जाएगा । अगर ठीक होगा तो सिलेक्शन हो जाएगा । इसलिए हमने तीस पोस्ट्स के अगेन्सट इकसठ नाम भेजे हैं । मेरा ख्याल है कि फाइल कल ही जा रही है और तीस के अगेन्सट 61 नाम भेजे हैं ।

प्रो0 राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री महोदय ने बताया है कि तीस एच0 सी0 एस0 की पोस्ट्स हैं । क्या मुख्य मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या इन पोस्ट्स को पब्लिक सर्विस कमिशन के परव्यू से बाहर निकाल लिया है ? सरकार की जो रिकमैन्डेशन है, क्या कमिशन उसको कंसीडर करेगा या कमिशन अपनी डिस्क्रीशन यूज करेगा ?

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, कमिशन के परव्यू से बाहर निकालने की कोई बात नहीं है । अगर निकालना होता तो कमिशन को नाम भेजने की जरूरत ही क्या थी । सरकार कमिशन को एक पोस्ट के अगेन्सट दो नाम भेज रही है । कमिशन जिस किसी का रिकार्ड ठीक समझे, उसको सिलेक्ट कर सकता है ।

Repair of Bridge

*694. **Shri Bharath Singh** : Will the Minister for Irrigation be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the bridge of Ambarsar Minor is in damaged condition ; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to repair/re-construct the said bridge?

सिंचाई मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा) :

(क) हां, ग्राम अम्बरसर को जाने वाली सड़क जो बेलरखा माइनर को पार करती है, का पुल क्षतिग्रस्त है,

(ख) कथित पुल का पुनः निर्माण धनराशि उपलब्ध होने पर बनाए जाने का प्रस्ताव है ।

श्री भरत सिंह : स्पीकर साहब, वह पुल टूटा पड़ा है और लोगों को काफी दिक्कत है । क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि वह पुल कब तक बन जाएगा ?

चौधरी जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, मैंने कहा है कि अवेलेबिलिटी आफ फण्डज, पर निर्भर करता है ।

Construction of a Bridge on Ghaggar River

*688. **Shri Amar Singh Dhanday :** Will the Minister for P.W.D. (B & R) be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct a bridge on the Ghaggar River at village Malikpur and Dhandota of Guhla Constituency in Distt. Kaithal ; and

(b) if so, the time by which the aforesaid bridge is likely to be constructed ?

लोक निर्माण भवन एवं सड़कें मन्त्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी) :

(क) गांव मलिकपुर में पुल वास्तव में पटियाला नदी पर है न कि घग्गर नदी पर । यह कार्य पूरा हो चुका है तथा पहुंच मार्ग का कार्य प्रगति पर है और अगले वित्त वर्ष में पूरा हो जायेगा ।

(ख) वित्तीय संकट के कारण ग्राम ढढोता में घग्गर नदी पर पुल निर्माण कार्य के लिये कोई समय निर्धारित नहीं किया जा सकता ।

श्री अमर सिंह ढांडे : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा यह पूछना चाहता हूं कि सरकार जो * * * * आश्वासन देती है, उनको पूरा भी किया जाएगा या नहीं ? जुलाई 1991 में मुख्यमंत्री महोदय ने यह आश्वासन दिया था कि घग्गर नदी के ऊपर जिला कैथल के गांव मलिकपुर तथा ढढोता के पास एक पुल का निर्माण किया जाएगा लेकिन वह पुल आज तक नहीं बना है । क्या सरकार इस बारे में अपनी स्थिति स्पष्ट करेगी ?

श्री अध्यक्ष : यह शब्द कार्यवाही में न लाया जाए ।

चौधरी आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, जिस पुल का माननीय सदस्य जिकर

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

[चौधरी आनन्द सिंह डांगी]

कर रहे हैं, उसके बनाने के लिये सरकार द्वारा ऐप्रूवल दी जा चुकी है और उस पर सवा दो करोड़ रुपया खर्च आने की संभावना है लेकिन पैसे की कमी के कारण यह नहीं कहा जा सकता कि यह काम कब शुरु होगा और कब तक पूरा हो जाएगा।

प्रो० छत्तर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, मेरे भाई श्री कर्ण सिंह दलाल किसी कारणवश आज नहीं आ पाए हैं और वे मुझे प्रश्न नं० 668 को पूछने के लिए कह गए हैं, अगर आपकी आज्ञा हो तो मैं इस बारे में पूछ लूं ?

श्री अध्यक्ष : ठीक है।

Government Polytechnic Institute

*668. @**Shri Karan Singh Dalal :** Will the Minister of State for Technical Education be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Polytechnic Institute for Women in Distt. Faridabad ; and

(b) if so, the time by which the aforesaid Polytechnic is likely to be opened ?

तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री (प्रो० छत्तर पाल सिंह) :

(ए) जी हां।

(बी) भवन का निर्माण कार्य वर्ष 1994-95 में आरम्भ होने की सम्भावना है और कक्षायें शैक्षिक सत्र 1996-97 से आरम्भ किये जाने की सम्भावना है।

प्रो० छत्तर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि वर्ष 1993-94 व 1994-95 में, राज्य में कितने महिला बहुतकनीकी खोले जाने का इरादा है ? जैसाकि हमें पता चला है, अब तक एक ही बहुतकनीकी कालेज का कंस्ट्रक्शन वर्क चल रहा है। क्या मन्त्री महोदय जिलावाईज बताने का कष्ट करेंगे कि आने वाले समय में कहां कहां बहुतकनीकी कालेज सरकार द्वारा खोले जा रहे हैं ?

प्रो० छत्तरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं इनकी जानकारी के लिये बताना चाहूंगा कि हमारे पास 7 ऐसे जिले हैं जिनके अन्दर कोई भी पौलीटैक्निक कालेज नहीं है और यहां पर कालेज खोले जाने के लिये सरकार ने सैद्धांतिक रूप से मान

@Put by Prof. Chhattar Singh Chauhan.

भी लिया है कि एक जिले के अन्दर कम से कम एक पोलीटैक्निक कालेज अवश्य खोला जाए। जैसे जैसे फण्डज अवेलेबल होते जाएगें, हम हर जिले में एक एक पोलीटैकनिक कालेज खोल देंगे।

प्रो० छत्तर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, मैंने मन्त्री महोदय से यह जानना चाहा था कि 1993-94 और 1995-96 में राज्य में कितने महिला बहुतकनीकी कालेज खोलने का सरकार का इरादा है और जहां बिल्कुल नहीं है उनमें से ऐसे कौन-कौन से जिले सरकार ने सिलैक्ट किये हैं, जहां पर इस साल बहुतकनीकी महिला कालेज सरकार खोल देगी ?

प्रो० छत्तर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने अपने उत्तर में बताया है कि फरीदाबाद के अन्दर वीमैन पोलिटैकनिक कालेज का निर्माण कार्य वर्ष 1994-95 में आरम्भ होने की सम्भावना है और कक्षायें सत्र 1996-97 से आरम्भ किये जाने की संभावना है। तीन जगहों उटावड़ में गवर्नमैंट इंस्टीचयूशन आफ इंजीनियरिंग एण्ड टकनोलीजी, दूसरा हिसार में तीसरे नारनौल में बिलडिंग्ज का कंस्ट्रक्शन वर्कस काफी हो चुका है। एडमिशन भी कर चुके हैं क्लासिज भी चल रही हैं और कंस्ट्रक्शन वर्क भी साथ साथ हो रहा है।

चौधरी ओम प्रकाश बेरी : अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि गवर्नमैंट पोलटैक्निक खोलने का क्या क्राइटेरिया है ? 21-6-1993 को मुख्य मन्त्री जी बेरी में गए थे और उन्होंने वहां महिलाओं का गवर्नमैंट पालेटैक्निक खोलने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि यहां पर लड़कियों का पालेटैक्निक बना देंगे। तो क्या वह प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है, अगर हां, तो उस पर कब तक काम शुरू हो जाएगा ?

प्रो० छत्तर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, अभी हमारे यहां सात जिले बाकी हैं जिनके अन्दर कोई पालेटैक्निक कालेज नहीं है। हमारी सरकार ने सैद्धांतिक तौर पर माना है कि सब से पहले कम से कम हर जिले में एक पालेटैक्निक दिया जाए। बेरी कांस्टीच्यूएंसी रोहतक जिले में पड़ती है और रोहतक में पहले ही ऐसी दो संस्थाएं चल रही हैं। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हमारे मुख्य मन्त्री जी ने जहां जहां के लिये भी घोषणा की हैं वहां पर भी नम्बर के हिसाब से निश्चित तौर पर खोल कर देंगे।

श्री अध्यक्ष : जिन जिलों में ये पालेटैक्निकस नहीं हैं उनके नाम तो बता दें।

प्रो० छत्तर पाल सिंह : सर, वे जिले हैं —कुरुक्षेत्र, कैथल, पानीपत, जीन्द, रिवाड़ी और गुड़गांव।

Electricity Connections for Tubewells

***724 Prof. Sampat Singh** : Will the Minister for Power be pleased to state—

(a) the total number of applications of electricity connections for tubewells, if any, lying pending with H.S.E.B. till todate.

(b) the total number of electricity connections for tubewells released during the year 1992-93 and 1993-94 separately, and

(c) whether any target has been fixed for releasing the tubewells connections in the State during the current year ?

Power Minister (Sh. A.C. Chaudhary) :

(a) As on 31-12-1993, 69463 applications for tubewells connections were pending with the Board;

(b) 14376 and 3533 new tubewell connections were released during 1992-93 and 1993-94 (upto 12/93) respectively; and

(c) a target to release 6000 new tubewell connections has been fixed for the current year.

Hon. member may please make the addition in Part (c) of the reply to the effect that the Planning Commission has revised the targets of giving tubewell connections by Haryana State Electricity Board from 12500 to 6000. This is also for the information of this House.

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, एडीशन को करैक्ट करने की जरुरत नहीं है क्योंकि मैंने 1991–92 के बारे में नहीं पूछा था। वर्ष 1991–92 का जो बजट था, वह हमारी सरकार ने पास किया था और हमने उस बजट में प्रोवीजन रखा था उसमें इनका कोई एहसान नहीं है। स्पीकर साहब, बात है 1992–93 की और इसी तरह से 1993–94 की बात है। इन दो सालों में इन्होंने एक साल में तो 14 हजार के लगभग ट्यूबवैल्ज को कनैक्शन दिए और दूसरे साल में साढ़े तीन हजार के करीब कनैक्शन दिए। इससे अन्दाजा लगता है कि कितनी एलार्मिंग सिचुएशन है। इनके पास सत्तर हजार के करीब एप्लीकेशंज पैंडिंग पड़ी है। मैं पूछना चाहता हूं कि सत्तर हजार ट्यूबवैल्ज को कनैक्शन देने के लिये क्या ये कोई और प्रावधान बजट में करेंगे। दूसरा सवाल मैं यह पूछना चाहता हूं कि पहले जैसे एक इंसैंटिव स्कीम थी, जिसके बार में बार-बार घोषणायें की गई कि उसको खत्म कर दिया है या क्या उसको कई गुणा महंगा करके दोबारा लागू नहीं कर दिया है ?

श्री ए० सी० चौधरी : स्पीकर साहब, बिजली की जरुरत एक सामाजिक इश्यू

है। इसकी पोलिटिकलाइज करके पता नहीं ये कौन सी माइलेज लेना चाहते हैं। इनके वक्त में 60521 कुल कनैक्शंज के लिये एप्लीकेशन्ज पैंडिंग थीं, उसके अगेंस्ट इस मौजूदा सरकार ने सिर्फ सिलवर जुबली ईयर में 40528 कनैक्शन दिए। मैं एक बात की ओर इनका ध्यान दिलाऊंगा। आप भी इस विभाग के मन्त्री रहे हैं। आपके वक्त में बिजली के कनैक्शन लेने के लिये लोगों को मोटिवेट करने के लिए डी० सीज० की मदद ली जाती थी कि गांवों में बिजली लगवाएं। आज हालत यह है कि हरियाणा प्रदेश में 29,47,723 बिजली के कनैक्शन हैं। मैं तो यह कह सकता हूं कि बिजली की लाईनें पुरानी होने के कारण उनकी कैरिंग कैपेसिटी नहीं है। कैरिंग कैपेसिटी न होने की वजह से प्लानिंग कमीशन ने भी रिवाईज करके 12500 की बजाय 6000 कनैक्शन देने के लिये स्टेट गवर्नमैंट को मजबूर किया है। स्टेट के इंट्रैस्ट को देखते हुए हमारी हमेशा यह कोशिश रहती है कि हम किसानों को ज्यादा से ज्यादा बिजली के कनैक्शन दें ताकि किसानों को ज्यादा से ज्यादा सुख सुविधा मिल सके। हमें केन्द्रीय सरकार से भी ग्रांट मिलती है जिससे हम किसानों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं देते हैं, इसलिये यह कहना कि सरकार किसानों की तरफ ध्यान नहीं दे रही है, यह कोई वाजिब बात नहीं है। मैं समझता हूं कि आज तक का यह रिकार्ड रहा है कि हमारी सरकार ने 40528 बिजली के कनैक्शन एग्रीकल्चर सैक्टर में दिए हैं। (शोर)

प्रो० सम्पत सिंह : सैल्फ फाइनैंस पर प्रायरिटी देने की जो स्कीम थी, उसके बारे में आप क्या कर रहे हैं ? इसके साथ साथ आप यह भी बता दें कि हमने हमारे चार साल के समय में किसानों को कितने बिजली के कनैक्शन दिए थे।

श्री ए० सी० चौधरी : स्पीकर साहब, मैं माननीय सदस्य की एक बात कहूंगा कि मैं शब्दों को इधर-उधर करके बात नहीं कहना चाहता। इस बात को सभी जानते हैं कि हरियाणा प्रदेश में बिजली का संकट है और उस संकट के जन्मदाता मेरे सामने बैठे भाई हैं जो पहले इस विभाग के मन्त्री रहे हैं। स्पीकर साहब, जुलाई, अगस्त के महीनों में बिजली के लिये हाहाकार थी लेकिन फिर भी इस साल हरियाणा प्रदेश में पैडी एरिया में जितनी पैडी हुई है, वह रिकार्ड तोड़ है। पैडी की पैदावार रिकार्ड तोड़ इसलिये है क्योंकि इस सरकार ने किसानों को बिजली दी है। यह बात भी सर्वविदित है कि किसानों को एग्रीकल्चर सैक्टर में सबसिडाइज्ड रेट पर बिजली देने के कारण सीधा बिजली बोर्ड को 400 करोड़ रुपए का घाटा है। स्पीकर साहब, पावर जनरेशन पर 1.25 रुपए और 1.50 रुपये के बीच पर यूनिट खर्चा आता है और यह खर्चा 3 रुपए पर यूनिट तक भी आ जाता है। इस खर्चे के अगेंस्ट सरकार किसानों को 50 पैसे पर यूनिट के हिसाब से सबसिडाइज्ड रेट पर बिजली देती है। स्पीकर साहब, 382804

[श्री ए० सी० चौधरी]

ट्यूबवैल कनैक्शन दिए हुए हैं, जिनमें से 2 लाख 13 हजार अन मीटर्ड हैं। सरकार को केवल 22 पैसे पर यूनिट के हिसाब से रिटर्न आ रही है जबकि खर्चा 1.25 रुपये से 3 रुपये पर यूनिट के हिसाब से होता है। मैं यह बात भी कहना चाहूंगा कि हम किसानों को बिजली दे कर कोई एहसान नहीं कर रहे। अगर किसान अनाज पैदा नहीं करेंगे तो देश के लोग अपने पेट की आग कैसे बुझाएंगे ? लेकिन लाईनें पुरानी होने के कारण उनकी कैरिंग कैपेसिटी नहीं है। स्पीकर साहब, मैं साउथ हरियाणा का रहने वाला हूं और मेरे जितने साथी साउथ हरियाणा से चुन कर आए हैं, उनको पता है कि इस बार भगवान की कृपा से सरसों की रिकार्ड तोड़ पैदावार होगी। (शोर) आप शोर ज्यादा कर रहे हैं। मेरी बात तो सुनिए। (शोर) जब तक बारिश का पानी नहीं मिलता तो फसल भी अच्छी नहीं होती। (शोर)

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नहीं आया।

श्री अध्यक्ष : इन्होंने यह सवाल पूछा था कि इनके टाईम में कितने कुनैक्शन दिए गए थे वह फिगर्ज आप बता दें।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, मैं आपकी इजाजत से यह भी कहना चाहता हूं कि जो मेरा ओरीजनल सवाल था, उसमें भी इनकी तरफ से जवाब आना रह गया है। मैंने पूछा था कि क्या सैल्फ फाइनांस स्कीम की भी कोई प्रायरिटी बनाई है ? ये जवाब देने की बजाये ड्रामेबाजी ज्यादा कर रहे हैं।

श्री ए० सी० चौधरी : स्पीकर साहब, हमने महसूस किया है कि पैसे की कमी की वजह से लोगों को बिजली के कुनैक्शन समय पर नहीं मिल पा रहे। इसी दिक्कत को ध्यान में रखते हुए हमने सैल्फ फाइनैंसिंग स्कीम बनाई है। मैं हाउस की जानकारी के लिये बताना चाहता हूं कि अगर आज हम एक ट्यूबवैल को कुनैक्शन दें तो उस पर यदि सारा खर्चा लगाया जाये तो वह 75 हजार से एक लाख के बीच आता है। हम बैंक से कर्जा लेकर यह काम करते हैं तो हमें 1500 से 2000 के बीच इसका ब्याज भी बैंक को देना पड़ता है। हमने स्कीम बनाई है कि जो व्यक्ति इस स्कीम को अपनाना चाहेगा, उससे हम 200 रु० पर हार्स पावर के हिसाब से पैसे चार्ज करेंगे। (विघ्न) ट्यूबवैल के लिए कम से कम 5 हार्स पावर की मोटर की आवश्यकता होती है। उस हिसाब से एक हजार रुपये तो यह हो जाएगा। लाईनिंग के लिए 50 रुपये पर मीटर के हिसाब से लेंगे। ट्रांसफार्मर के लिये 1000 रुपये पर हार्स पावर के हिसाब से पैसे लेकर उसको प्राथमिकता दी जाएगी। इसके साथ ही साथ मैं यह भी सदन को बताना चाहता हूं कि जो पैसा हम किसानों से इस स्कीम के लिये लेंगे, उसमें से कुछ पैसा हम उनके बिल के अगैन्स्ट उन के लिये अलग से रखेंगे।

(शोर) यह पैसा हम 5–6 साल बाद उनके बिल के अगेन्स्ट एडजस्ट कर देंगे। विघ्न) हम एक टारगेट रख कर ही अपनी स्कीम चला रहे हैं। यदि टारगेट एचीव नहीं होगा तो फिर काम कैसे चलेगा? सब को इस बात का पता है कि आबादी बढ़ने की वजह से जमीन कम होती जा रही है। यदि फसल नहीं बढ़ेगी तो काम कैसे चलेगा हमें इस बात की चिन्ता है। आपको इन चीजों की चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है।

श्री अध्यक्ष : इनका एक सवाल यह था कि इनके समय में कितने कुनक्शन दिए गए थे?

श्री ए0 सी0 चौधरी : यह सूचना इस समय मेरे पास नहीं है। वर्ष 1990–91 की रफ फिगर्ज मेरे पास हैं। उस साल इन्होंने 20,000 कुनैक्शन देने थे जबकि दिए 16000। हमने 1–7–91 से 31–12–92 तक 20,000 कुनैक्शन देने का वायदा किया था जबकि हमने 40,528 कुनेक्शन दिए।

प्री0 सम्पत सिंह : इनके पास पिछले 4 साल की फिगर्ज तो हैं लेकिन ये बताना नहीं चाहते। अगर ये बता देंगे तो पब्लिक की तरफ से इनको एडवर्स रिमार्कस मिलेंगे। स्पीकर सर, सैल्फ फाइनैंसिंग कुनैक्शन की जो बात मन्त्री जी कर रहे हैं, वह कम से कम 37 हजार रुपये में मिलेगा। इसका मतलब यह है कि आम आदमी कुनैक्शन नहीं ले पाएगा, बड़ा जमींदार ही कुनैक्शन ले सकेगा। पिछले सैशन में मुख्यमन्त्री जी और फोरमर आई0पी0एम0 साहब ने कहा था कि हमारी सरकार के वक्त में 5 हजार या 7 हजार रुपये की इन्सैंटिव स्कीम थी, उस स्कीम को बन्द कर लेते हैं। यह सरकार बड़े जमींदारों को फायदा पहुंचाना चाहती है, क्या कुनक्शन के लिये 37 हजार रुपये का निर्णय सरकार ने छोटे जमींदारों के हित में किया है? स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या वे इसको वापस लेंगे और क्या फ्री ट्यूबवैल कुनैक्शन लोगों को देंगे?

श्री ए0 सी0 चौधरी : स्पीकर साहब, पहले तो मैं 37 हजार रुपये की फिगर के बारे में क्लीयर करना चाहूंगा। दो सौ रुपये पर ए0 पी0 के हिसाब से मिनिमम एक हजार रुपया हमने रखा है अगर 10 एच0 पी0 का हो जाए तो दो हजार रुपया हुआ, दस हजार रुपया नहीं बनता, दो हजार रुपया बनता है। उसके बाद उसकी लाईन के लिये 50 रुपये पर मीटर के हिसाब से जितना पैसा वे देते हैं और हम ले रहे हैं उस हिसाब से एक कुनैक्शन के लिये उन्हें मुश्किल से 10 हजार रुपया मैक्सिमम देना पड़ता है और मेरे भाई 37 हजार रुपये कह रहे हैं। दूसरी बात, मेरे भाई फिगर के बारे में कह रहे थे तो फिगर्ज मेरे पास अब आई हैं। 3–4 साल में हमारी सरकार और पिछली सरकार के समय के मिलाकर 32,200 कुनैक्शन दिए गए हैं और हमारी सरकार ने एक साल की अवधि में 40,528 कुनैक्शन दिए हैं (विघ्न) मैं रिकार्ड पर ला रहा हूं।

[श्री ए0सी0 चौधरी]

(विघ्न) स्पीकर साहब, मैं अर्ज कर रहा था कि कनैक्शन के लिए, लाईन-ले करने के लिए, 75 हजार से ले कर एक लाख रुपये तक का खर्च हमें करना पड़ता है। एक ट्रांसफारमर अगर हम 25 हार्स पावर का भी लगाएं तो उसकी कीमत 40,000 रुपये है। एक पावर ट्रांसफारमर तकरीबन एक करोड़ रुपये से लेकर 3 करोड़ रुपये तक का आता है। उसकी वैल्यू को स्पलिट अप करने के लिए मैं अपने माननीय साथी को आह्वान करूंगा कि वे स्वयं इन चीजों को देख लें। अगर वाकई वे किसानों के हितैषी हैं तो वे मेरी बात की ताईद करेंगे। स्पीकर साहब, हम सरकारी खजाने का अधिक से अधिक पैसा गरीबों को राहत देने के लिए खर्च करते हैं। मेरे भाई इस बात को खुद ही एग्जामिन कर लें। अनमीटर्ड सप्लाई स्कीम से भी उन को फायदा हो रहा है। अन मीटर्ड का फायदा हर किस्म का आदमी उठा रहा है और छोटे किसानों को उसका भरपूर लाभ मिल रहा है। हमारे साथियों को तो गरीब जमींदारों का रोना ही मिला हुआ है। (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, फलैट रेट्स बढ़ाए गए हैं (विघ्न) मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि अन-मीटर्ड के एनुअल चार्जिज इन्होंने बढ़ाए हैं या नहीं ?

श्री ए0 सी0 चौधरी : स्पीकर साहब, 382804 एग्रीकल्चरल कनैक्शंज दिए हुए हैं, जिनमें से 245613 अन-मीटर्ड हैं। आप अन्दाजा लगाएं कि अन-मीटर्ड जो गेजिज यूज कर रहे हैं उसकी कोई रिकार्डिंग नहीं होती। मान लिजिए किसी व्यक्ति ने 2 किलोवाट का लोड सैंक्शन करवाया है उसकी मिनिमम कंजम्पशन कितनी होगी इसका कोई हिसाब तो रखना होगा और हम मिनिमम कंजम्पशन की गारन्टी मांगते हैं। (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंह : मिनिमम चार्जिज का मतलब तो यह हुआ कि साल भर में ट्यूबवैल चाहे चले चाहे न चले, परन्तु एक मुश्त रकम किसान को देनी पड़ेगी।

श्री ए0 सी0 चौधरी : स्पीकर साहब, जहां हम फलैट रेट चार्ज करते हैं वहां 50 रुपये पर हॉर्सपावर के हिसाब से लेते हैं। मैं अपने फाजिल दोस्त को बताना चाहता कि जितनी स्कीमें ये बता रहे हैं, वे आलरेडी पंजाब में चल रही हैं। सैल्फ फाईनैंस स्कीम भी बाकायदा पंजाब में चल रही हैं। (विघ्न) 5 एच0पी0 की मोटर से हम स्टार्ट करते हैं क्योंकि मिनिमम 5 एच0 पी0 है (विघ्न) 10 हॉर्स पावर की मोटर अगर कोई लगाता है तो 50 रुपये पर एच0पी0 के हिसाब से 500 रुपये बनते हैं। इसका मतलब यह है कि एक हजार यूनिट का यह पैसा आता है। एक हजार यूनिट डिवाईडिड बाई 30 के हिसाब से 33 यूनिट पर-डे है।

दस हार्सपावर की मोटर 2.1 घंटे में 33 यूनिट कंज्यूम करती है। अध्यक्ष महोदय, आज जितनी अच्छी बिजली की पोजीशन है, वह पहले नहीं थी।

Mr. Speaker : Hon'ble members, Question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Installation of 16 MVA Transformer

*709. **Shri Krishan Lal :** Will the Minister for Power be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to instal another transformer of 16 MVA in 132 K. V. Power House at Assandh (Karnal); if so, the time by which the said transformer is likely to be installed ?

बिजली मन्त्री (श्री ए0 सी0 चौधरी) : श्रीमान् जी, वर्ष 1994–95 के दौरान।

Construction of a Building for Industrial Training and Vocational Education

*691. **Shri Satbir Singh Kadian :** Will the Minister for Industrial Training and Vocational Education be pleased to state—

a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct a building of Industrial Training and Vocational Education Institute in village Seenkh Distt. Panipat; and

b) if so, the time by which the aforesaid building is likely to be constructed ?

औद्योगिक प्रशिक्षण एवं व्यवसायिक शिक्षा राज्य मंत्री (श्री तेजेन्द्रपाल मान) :

(क) जी हां। सींख में व्यावसायिक शिक्षा संस्थान के भवन निर्माण का प्रस्ताव है।

(ख) यदि समुचित फण्ड्ज उपलब्ध हो जाते हैं, तो भवन के 3 वर्ष में पूर्ण होने की संभावना है।

Construction of a Culvert

*686. **Shri Ram Kumar Katwal** : Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt., to construct a culvert near Harijan Basti of village Kithana on the Kithana to Kalayat road; and

(b) if so, the time by which it is likely to be constructed ?

लोक निर्माण भवन एवं सड़कें मन्त्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी) :

(क) और (ख) एक पुली, इस जगह के नजदीक, सड़क को ऊपर उठाकर तथा कच्चा ड्रेन निर्माण के बाद, बनाने का प्रस्ताव है। कार्य अगले वित्त वर्ष में किया जायेगा।

Purchase of Seeds

*702. **Shri Kitab Singh** :Will the Minister for Agriculture be pleased to the state the criteria, if any, laid down by the Haryana Seeds Develcpment Corporation for purchasing of the certified seed from the seed growers ?

कृषि मन्त्री (श्री हरपाल सिंह) : हरियाणा बीज विकास निगम लिमिटेड उन उत्पादकों से प्रमाणित बीज खरीदती है जो निगम से आधार बीज लेते तथा जिनके उत्पाद को प्रति एकड़ उत्पादन एवं गुणवत्ता मानकों के सम्बन्ध में हरियाणा राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था द्वारा प्रमाणित किया जाता है।

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Sales Deeds

140. Shri Karan Singh Dalal : Will the Minister for Revenue be pleased to state the tehsil-wise revenue receipt of district Faridabad on account of Registered Sales Deeds during the year 1992-93 ?

राजस्व मन्त्री (श्री निर्मल सिंह) : तहसीलवार राजस्व प्राप्तियों का ब्यौरा निम्नप्रकार है :—

	रुपये
तहसील, फरीदाबाद	6,47,84,127.00
तहसील, बल्लबगढ़	1,23,04,949.00
तहसील, पलवल	1,48,35,334.00
तहसील, हथीन	36,13,231.00
उप तहसील, होडल	50,11,975.00
जोड़	10,05,49,616.00

Eradication of Malaria

141. Shri Karan Singh Dalal : Will the Minister for Health be pleased to state the total expenditure incurred on eradication of Malaria in district Faridabad during the year 1992-93 ?

स्वास्थ्य एवं आयुर्वेदा मन्त्री (श्रीमती शान्ति देवी राठी) : 110.28 लाख रुपये ।

Sale of Stamp Papers

142. Shri Karan Singh Dalal : Will the Minister for Finance be pleased to state–

(a) the total sale of Stamp Paper's in terms of money in the Tehsil/Treasury, Palwal during the year 1991-92 and 1992-93 to date; and

(b) whether any stamp paper's have been received for refund of money in Tehsil Palwal District Faridabad during the said period if so, the number thereof ?

वित्त मंत्री (श्री भागे राम गुप्ता) :

(क)

स्टाम्प पेपर का नाम		स्टाम्प पेपर की संख्या	राशि (रुपयों में)
वर्ष 1991–92			
	(i) नान-जुडिशियल	4039	1,28,14,975
	(ii) जुडिशियल (कोर्ट फीस)	473	12,11,560
वर्ष 1992–93			
	(i) नान-जुडिशियल	6705	1,68,97,015
	(ii) जुडिशियल (कोर्ट फीस)	1039	15,14,428
1–4–93 से 30–11–93	(i) नान-जुडिशियल	1680	1,17,91,110
	(ii) जुडिशियल (कोर्ट फीस)	370	15,50,730

(ख) जी हां, विवरण निम्न प्रकार से है :—

वर्ष 1991–92			
	(i) नान-जुडिशियल	21	72,140
	(ii) जुडिशियल (कोर्ट फीस)	2	2,985

[श्री मांगे राम गुप्ता]

वर्ष 1992–93			
	(i) नान-जुडिशियल	35	3,69,225
	(ii) जुडिशियल (कोर्ट फीस)	3	5,005
1–4–93 से 30–11–93			
	(i) नान-जुडिशियल	3	23,205
	(ii) जुडिशियल (कोर्ट फीस)	शून्य	—

Amount spent on the repair of I.T.I. Building

143. Shri Karan Singh Dalal : Will the Minister of State for Industrial Training be pleased to state whether any amount has been spent for the repair of the building of the Industrial Training Institute, Palwal during the period from 1991 to 1993; if so, the details thereof ?

औद्योगिक प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक शिक्षा राज्य मंत्री (श्री तेजेन्द्रपाल मान) : औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, पलवल के भवन पर वर्ष 1991–92, 1992–93 तथा 1993–94 (1/94)) तक के खर्च का ब्यौरा निम्न प्रकार से है:—

भवन का नाम	वार्षिक रख–रखाव का एस्टीमेट (लाख रुपये)	वर्ष अनुसार किए गए खर्च का विवरण (लाख रुपये)		
		1991–92	1992–93	1993–94 (1/94 तक)
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पलवल के भवन की वार्षिक मरम्मत	0.31	0.32	0.13	0.32

उपरोक्त के अतिरिक्त 1,07,754.69 रुपये की राशि होस्टल की मरम्मत पर वर्ष 1991–92 में विभागीय शीर्ष "मेन्टेनेन्स वर्कस" के तहत खर्च की गई है।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के भवनों की मरम्मत लोक निर्माण विभाग द्वारा की जाती है और इस आशय के लिये राशि वित्त विभाग द्वारा सीधे ही लोक निर्माण विभाग को उपलब्ध करवाई जाती है।

Water works at Banawali and Kirmara

148. Prof. Sampat Singh : Will the Minister for Public Health be pleased to state–

(a) the dates on which the sanction to construct the water works for villages Banawali and Kirmara in District Hisar were accorded; and

(b) the steps taken or proposed to be taken in regard to the construction of the aforesaid water works ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री राम पाल सिंह कंवर) :

(क) बनावाली की मंजूरी की तिथि 14-3-1991 तथा किरमारा की 26-12-91 है।

(ख) जिन गांवों में पीने के पानी की मात्रा का स्तर कम है उनको प्राथमिकता दी जा रही है, इसलिये इन गांवों के बारे में कोई कार्यवाही नहीं की गई। बनावाली तथा किरमारा का वर्तमान पेयजल स्तर क्रमशः 60 तथा 75 एल0पी0 सी0 डी0 (प्रति व्यक्ति प्रतिदिन) है।

Ranger in Forests Department

149. Shri Pir Chand : Will the Minister for Forests be pleased to state–

(a) the total number of Rangers in the Forests Department together with the number of persons belonging to Scheduled Castes amongst them;

(b) the criteria, if any, fixed in regard to the appointment/promotion for the post of Rangers; if so, the detail thereof; and

(c) whether there is any short fall in the reservation; if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to make a special recruitment to fill up the said short fall ?

वन मन्त्री (राव इन्द्रजीत सिंह) :

(क) 133 वन राजिक विभाग में कार्यरत हैं जिनमें 15 वन राजिक अनुसूचित जातियों से सम्बन्ध रखते हैं।

(ख) वन राजिकों के पदों की भर्ती के बारे में मापदण्ड पंजाब वन अधीनस्थ सेवा (कार्यकारी अनुभाग) नियमावली, 1944 के नियम 7 में अंकित

[राव इन्द्रजीत सिंह]

है, जिसके अनुसार 80 प्रतिशत पद सीधी भर्ती द्वारा तथा शेष 20 प्रतिशत पद उपयुक्त उप वन राजिकों में से पदोन्नति द्वारा भरे जाने का प्रावधान है। इनमें से 20 प्रतिशत पद अनुसूचित जाति से सम्बन्ध रखने वाले उम्मीदवारों से भरे जाते हैं।

(ग) कुछ कमी हैं और इसे पूरा करने के लिये प्रयत्न किए जा रहे हैं।

Bus Stand at Assandh

150. Shri Krishan Lal : Will the Minister of State for Transport be pleased to state—

(a) whether the construction work of Bus stand building at Assandh, district Karnal has been completed; and

(b) if not, the reasons therefor togetherwith the time by which the aforesaid bus stand is likely to be completed ?

परिवहन राज्य मन्त्री (श्री बलबीर पाल शाह) :

(क) जी नहीं।

(ख) विभाग के पास धन राशि उपलब्ध न होने के कारण निर्माण कार्य रुका हुआ है। ज्यों ही धन राशि उपलब्ध होंगी, बस अड्डे का निर्माण आरम्भ कर दिया जाएगा।

Repair of Road

151. Shri Krishan Lal : Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the road from village Bhalsi to Luhari in district Panipat during the year 1993-94 ?

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मन्त्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी) : हां श्री मान जी, सड़क की मरम्मत कर दी गई है।

Construction of Bridge

152. Shri Krishan Lal : Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a bridge on drain near the village Dhyana in district Karnal during the year 1993-94 ?

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मन्त्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी) : नहीं श्री मान जी। सभी ऋतुओं के लिये एक काम चलाऊ रास्ता ड्रेन पर ह्यूम पाइप डाल कर बनाया गया है ।

Construction of Road

153. **Shri Krishan Lal** : Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new road from village Padha to village Kudlan district Karnal during the year 1993-94 ; if so, the time by which it is likely to be constructed ?

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मन्त्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी) : हां श्री मान जी, धन की कमी के कारण, सड़क के पूरा होने का समय नहीं बताया जा सकता ।

Kapil Muni Ashram

156. **Shri Bharath Singh** : Will the Minister for Public Health be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the contaminated water of the City falls in the tank of Kapilmuni Ashram, Kalayat in District Kaithal ; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to check the falling of the contaminated water into the aforesaid tank ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री राम पाल सिंह कंवर) :

(क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

Construction of Police Line at Panipat

155. **Shri Satbir Singh Kadian** : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a building of police line in district, Panipat; if so, the time by which it is likely to be constructed ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : जी हां । प्रस्ताव विचाराधीन है। भूमि का अर्जन किया जा रहा है, तथा सभी औपचारिकतायें वर्ष 1994-95 में पूरी कर ली जायेंगी। ज्योंही धन की व्यवस्था होगी त्योंही निर्माण कार्य शुरु कर दिया जायेगा।

Evasion of Sales Tax

149. Shri Chattar Singh Chauhan : Will the Minister for Excise & Taxation be pleased to state whether any cases of evasion of Sales Tax were detected at Karnal and Faridabad during the year 1993-94; if so, the details thereof, togetherwith the action so far taken in this regard ?

आबकारी तथा कराधान मन्त्री (बहिन करतार देवी) : जी हां । वर्ष 1993-94 के दौरान दिनांक 31-1-1994 तक जिला करनाल तथा फरीदाबाद में 2935 मामले पकड़े गये । इनमें से 2870 का निपटान कर दिया है और 1,40,26,217 रुपये कर तथा जुर्माने के रूप में वसूल किये गये हैं ।

Shortage of Drinking Water in Kalayat

157. Shri Bharath Singh : Will the Minister for Public Health be pleased to state—

(a) whether the Govt. is aware of the fact that there is a shortage of drinking water in Ward No. 11, Balmiki Basti of Kalayat ; and

(b) if so, the steps so far taken to meet the above said shortage of drinking water in aforesaid area ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री राम पाल सिंह कंवर) :

(क) वार्ड नं0 11 में बाल्मीकि बस्ती कलायत में पीने के पानी की कोई कमी नहीं है ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

Shortage of Instructors in I.T.I. Kalayat.

158. Shri Bharath Singh : Will the Minister of State for Industrial Training and Vocational Education be pleased to state—

(a) whether it is a fact that there is a shortage of Instructors (Teachers) in I.T.I. Kalayat at present; and

(b) if so, the time by which the said shortage of Instructors will be removed ?

औद्योगिक प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक शिक्षा राज्य मंत्री (श्री तेजेन्द्रपाल मान) :

(क) कलायत में कोई औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नहीं है और अनुदेशकों की कमी का प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता ।

(ख) प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता ।

Providing the Canal Water

160. Shri Bharath Singh : Will the Minister for Irrigation be pleased to state whether there is any scheme under consideration of the Govt. to provide canal water to irrigate the barren land of village Kheri Sherkhan of District Kaithal; if so, the time by which the said scheme is likely to be materialized ?

सिंचाई मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा) : नहीं ।

Amount Spent on the Desilting of the Canals

169. Shri Dhirpal Singh : Will the Minister for Irrigation be pleased to state the names of Canals of Badli division; if any, desilted during the period from March, 1993 to December, 1993, together with the total expenditure incurred thereon ?

सिंचाई मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा) : सिंचाई विभाग, हरियाणा में कोई बादली मण्डल नहीं है । फिर भी बादली निर्वाचन क्षेत्र के उन चैनलों के नाम, जिनकी गाद मार्च, 1993 से दिसम्बर, 1993 तक की अवधि में निकाली गई, कुल खर्च सहित निम्न प्रकार से है :—

क्रम सं0	चैनलों के नाम	अनुमानित खर्चा
1.	रिवाड़ी खेड़ा माईनर बुर्जी 16500 से 29500 तक	रुपये 20,000
2.	जहांगीरपुर माईनर शुरू से अन्तिम छोर तक	कार्य विभागीय कर्मचारियों द्वारा किया गया
3.	1—आर जहांगीरपुर माईनर	—यथोपरि—
4.	1—एल जहांगीरपुर माईनर	—यथोपरि—
5.	भूपनिया माईनर	श्रमदान/जमींदारों द्वारा
6.	नई भूपनिया माईनर	—यथोपरि—
7.	छुड़ानी माईनर	—यथोपरि—

Construction of a Distributory

170. Shri Dhirpal Singh : Will the Minister for Irrigation be pleased to state—

(a) whehter there is any proposal under under consideration of the Government to construct a distributory from Dulhera minor nearby Garhi Sampla to Jhangirpur via Villages Kharhar, Matan, Rewarikhera, Bhadeni and Kablana; and

(b) if so, the time by which the construction work of the aforesaid distributory is likely to be started/completed ?

सिंचाई मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा) :

(क) हाँ।

(ख) यह योजना तकनीकी निरीक्षण के लिये विचाराधीन है तथा इसका शुरू होना/पूर्ण होना निम्न बातों पर निर्भर करता है :—

(1) तकनीकी/वित्तीय दृष्टिकोण से उपयोगिता।

(2) धन की उपलब्धता।

Grain Market, Babain

168. Sathi Lehri Singh : Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) whether there is any scheme under consideration of the Government to drain out the rain water from Babain Grain Market which ccommulates there during rainy season; if so, the time by which the said scheme is likely to be implemented;

(b) whether the possession of the booths auctioned by the Babain Grain Market has been released; if not, the reasons therefor; and

(c) the total expenditure incurred on the repair of inside roads of Grain Market, Babain since its formation ?

कृषि मंत्री (श्री हरपाल सिंह) :

(क) हां, यह योजना ड्रेनेज विभाग द्वारा कार्यान्वित की जानी है। फण्डज उपलब्ध होने पर यह कार्य एक वर्ष में पूर्ण हो जायेगा।

(ख) 17-7-89 को 15 बूथों की नीलामी की गई। पंजाब कृषि उत्पाद मार्किट अधिनियम 1961 की धारा 18 के अन्तर्गत इन बूथों की बिक्री की स्वीकृति

दिनांक 30-8-89 को दी गई। 22 बूथों की नीलामी 7-2-94 को की गई जिसकी स्वीकृति जारी कर दी गई है। बूथों के निर्माण के लिये निशानदेही मार्किट कमेटी द्वारा खरीददारों के सम्पर्क करने पर दी जाएगी।

(ग) अनाज मण्डी बबैन के अस्तित्व में आने के पश्चात इसकी अन्दरुनी सड़कों की मुरम्मत पर कुल 36,145 रुपये खर्च किया गया है।

Appointment made in Hafed

171. Chaudhri Azmat Khan : Will the Minister for Cooperation be pleased to state the categorywise names and addresses of the persons employed in 'Hafed' during the period from 1982 todate ?

सहकारिता मंत्री (श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया) : सूचना अनुबन्ध "क" पर रखी है।

ANNEXURE—I

S. No.	Name of the Person employed alongwith the address	Category	
1	2		3
	S/Shri—		
1.	Ranbir Singh S/o Gaja Singh Kalayan Agriculture Farm, Madhuban, Karnal (Haryana)	Gen.	Class-II
2.	R.K. Goel S/o Bagirath Mal, Shop No. 24, Adampur Mandi, Hisar	Do	Do
3.	Subhash Chander Garg S/o S.N. Garg, Teh. Safidon, District Jind	Do	Do
4.	G.D. Sharma S/o Sita Ram Railway Road, Rohtak	Do	Do
5.	Arvind Pal Singh Bakshi S/o Inder Pal, H. No. 423, Sector-20-A, Chandigarh	Do	Do
6.	Jatinder Parkash Gaur S/o R.D. Gaur V.P.O. Gohana, District Sonepat	Do	Do
7.	Karan Kumar Jain S/o Sh. O.P. Jain, 57, Hasinpura, Amritsar	Do	Do
8.	Lajpat Rai Jindal S/o B.N. Jindal Jakhal Mandi District Hisar (Haryana)	Do	Do
1.	Jag Mohan S/o Sobha Ram, 738 Civil lines, G.T. Road, Faridabad	Gen.	Class-III
2.	Ramesh Kumar S/o Karam Chand, H. No. 2090, Sector-22, Chandigarh	Do	Do
3.	Ishwar Singh S/o Munshi Ram, V.P.O. Hassangarh District Hisar	Do	Do
4.	Hoshiar Singh S/o Jai Karan Dass, V.P.O. Gianpur P.O. Kharak, Teh. & Distt. Hisar	Do	Do

1	2	3	
S/Shri Smt.			
5.	Tejvir Singh S/o Hoshiar Singh, H. No. 1558, Thandi Sarak, Hisar	Gen.	Class-III
6.	Dharamvir Singh S/o Chattar Singh, V. Kaith P.O. Shahpur, Teh. & Distt. Panipat	Do	Do
7.	Randhir Singh S/o Sher Singh, V. Kapro Teh. & Distt. Hisar	Do	Do
8.	Satpal Singh S/o Mangat Singh, V.P.O. Dumerkhan Kalan Teh. Narwana (Jind)	Do	Do
9.	Ishwar Singh S/o Rattan Singh, V.P.O. Sindhvi Khera Teh. & Distt. Jind	Do	Do
10.	Prem Singh S/o Badlu Ram, V.P.O. Khanpur, Teh. Narwana (Jind)	Do	Do
11.	Ved Singh S/o Manphool Singh, 125, Nain Bhawan, Jawahar Nagar, Hisar	Do	Do
12.	Sohan Lal S/o Rera Ram, V.P.O. Dholu, Teh. Fatehabad (Hisar)	B.C.	Do
13.	Devender Singh S/o Randhir Singh, 201, Defence Colony, Hisar	Gen.	Do
14.	Uma Kant S/o S.N. Sharma, V. Chhadia P.O. Chulkana, Teh. Samalkha (Panipat)	E.S.M.	Do
15.	Rajender Singh S/o Hari Singh, V.P.O. Bhagot Distt. Mohindergarh	Gen.	Do
16.	Mahavir Singh S/o Jagdish Ram, V.P.O. Bharauri District Jind	S.C.	Do
17.	Dharampal S/o Telu Ram, H. No. 2679, Ward No. 2, Meham (Rohtak)	Do	Do
18.	Madan Lal S/o Sohrata Ram, V.P.O. Kailash Tikri Distt. Karnal	General	Do
19.	Inderjit Khurana S/o O.P. Khurana, Lohia Basti Street B. No. 5, Hisar	Do	Do
20.	Ramesh Kumar S/o Shanti Sarup, V.P.O. Raipur Rani Distt. Ambala	Do	Do
21.	Ashok Kumar Tayal S/o Raghbir Singh, Commission Agent, Jind	Do	Do
22.	Pardeep Dhir S/o M.L. Dhir, Lal Bazar, Hisar	Do	Do
23.	Anita Rani D/o Sant Bhushan, Cloth Merchant, Kaithal	Do	Do
24.	Narinder Kumar S/o Ramesh Chand, H. No. 968, V.P.O. Ajnala, Amritsar	Do	Do
25.	R.K. Goel S/o S.C. Goel, Lohar Bazar, Bhiwani	Do	Do

1	2	3	4
	S/Shri/Smt.		
26.	Suresh Kumar S/o Mukand Lal, V. Kheri, Teh. Ratia Distt. Hisar	Gen.	Class-III
27.	Mohan Lal S/o Muni Lal, V. Raipur Rani, Distt. Ambala	B.C.	Do
28.	Rishi Raj S/o Sardari Lal, Ambala Cantt. No. 1, Hill Road	E.S.M.	Do
29.	Verender Chug S/o Manohar Lal, V.P.O. Gohana, Distt. Sonepat	General	Do
30.	Rameshwar Das S/o Harphool, V.P.O. Bhattu Kalan, Distt. Hisar	Do	Do
31.	Akhlesh Bansal S/o S.C. Bansal, 25, Jawahar Nagar, Karnal	Do	Do
32.	Veena D/o Brij Bhushan, Chandigarh	Do	Do
33.	Subhash Chander S/o J.R. Sharma, H. No. 3239, Sector-35, Chandigarh	Do	Do
34.	Bhim Sen S/o Nand Lal, Hansi, Distt. Hisar	Do	Do
35.	Kulbhushan Sharma S/o Ram Kumar, V.P.O. Ramba, Distt. Karnal	Do	Do
36.	Kapil Bhardwaj S/o Prem Narain, Rai Street, Charkhi Dadri	Do	Do
37.	Satvir Singh S/o Hari Ram, V.P.O. Bohar, Distt. Rohtak	Do	Do
38.	Joginder Pal Singh S/o Jagmal Singh, 3174, Khardina Street, Chhachrauli	Do	Do
39.	Mohanjit Singh S/o Kulwant Singh, 71/3, Ram Nagar, Karnal	B.C.	Do
40.	Shian Chand S/o Tara Chand, Rana Colony Safidon, Distt. Jind	General	Do
41.	Krishan Kumar S/o Moti Ram, Moh. Delhi Gate, Hansi Distt. Hisar	Do	Do
42.	Sagar Lal S/o Ramji Lal, Kumaran Moh., Mohindergarh	B.C.	Do
43.	Jagdish Rai S/o Chandu Singh, V. Thaka, P.O. Mohra, Gohana	General	Do
44.	Pawan Kumar Sharma S/o Ravi Datt, H. No. 167/10, Kaithal	Do	Do
45.	Raj Kumar Sharma S/o Krishan Sharma, H. No. 20, Randhir Colony, Karnal	Do	Do
46.	Ashok Kumar Uppal S/o Rattan Lal, H. No. 147, Sector-13, Urban Estate, Karnal	Do	Do
47.	Ramesh Chander S/o Krishan Chander, V.P.O. Baldh, Teh. & Distt. Kurukshetra	B.C.	Do

1	2	3	4
	S/Shri/Smt.		
48.	Munish Mittal S/o Prem Chand, S.D. High School, Jind	General	Class-III
49.	Ved Parkash Punia S/o Badlu Ram, V.P.O. Baya Khera, Teh. & Distt. Hisar	Do	Do
50.	Dilawar Singh S/o Jiya Lal, V.P.O. Budha P.O. Ladwa , Distt. Kurukshetra	Do	Do
51.	Roshan Lal S/o Ramdhari Mal, Opp. Raj Traders Agency, Jind	Do	Do
52.	Mohd. Iqbal S/o Basir Ahemed , V.P.O. Garhi Kotaha, Teh. N/Garh, Ambala	B.C.	Do
53.	Ved Parkash Chawla S/o Gurditta Mal Chawla Chawla Bhawan, Adampur (Hisar)	General	Do
54.	Kamal Kumar S/o Kanti Nandan, H. No. 396/1, Panipat	Do	Do
55.	Sanjiv Chopra S/o Kulbhushan, H. No. 6274/10/1, Ambala City	Do	Do
56.	Tulsi Dass S/o Bhotha Ram, V.P.O. Mirchpur Teh. Hansi, Distt. Hisar	Do	Do
57.	Ashok Sharma S/o Ram Kishan, V. Bhudh Khala P.O. P.S. Rai, Sonipat	Do	Do
58.	Hukam Chand S/o Mohar Ram, V.P.O. Sudlana, Teh. Hansi, Distt. Hisar	Do	Do
59.	Shiv Kumar S/o Karam Chand, Hisar Road, Fatehabad	Do	Do
60.	Salin Kumar S/o Chhotu Ram, V.P.O. Dadanpur Teh. Fatehabad (Hisar)	Do	Do
61.	Darshan Kumar S/o Ram Niwas, H. No. 331, Gali No. 2, Lohia Basti, Sirsa	Do	Do
62.	Varun Kumar S/o Ram Chander, H. No. 292, Model Town, Rewari	Do	Do
63.	Sangeeta Mohan D/o P.P. Mohan, H. No. 2411/2, Patel Nagar, Ambala City	Do	Do
64.	Sham Lal S/o Amar Nath, V. Sherpur P.O. Chhachhrouli, Teh. Jagadhari	S.C.	Do
65.	Ravinder Kumar S/o Om Dutt, H. No. 40, Moti Tiba, Narnaul (M/Garh)	B.C.	Do
66.	Harjinder Singh S/o Roshan Singh, V. Nanapur, P.O. Rainwali, Tohana	B.C.	Do
67.	Jagdish Chander S/o Buta Ram, H. No. 412, Defence Colony, Hisar	Do	Do
68.	Darshan Pal S/o Sant Lal, H. No. 46, Shiv Chowk, Sirsa	General	Do

1	2	3	4
	S/Shri/Smt.		
69.	Ram Kishan S/o Chet Ram, V.P.O. Mahavati, Teh. Panipat	General	Class-III
70.	Ram Niwas S/o Ganga Vishan, V.P.O. Mirchpur, Teh. Hansi (Hisar)	Do	Do
71.	Balwant Singh S/o Mani Ram, V. Cindran Teh. Dabawali, Distt. Sirsa	B.C.	Do
72.	Kamal Kant S/o Banwari Lal, C/o M/s Ram Kumar Parmod Kumar Mandi Adampur, Distt. Hisar	General	Do
73.	Jai Parkash S/o Balram, V. Dhukurau P.O. Jamal, Teh. & Distt. Hisar	B.C.	Do
74.	Shiv Parkash S/o Prem Chand, V. Mori Kapal Mochan, Teh. Jagadhari	Do	Do
75.	Suresh Kumar S/o Krishan Kumar, 181/1 Moh. Ramniwa, Fatehabad (Hisar)	General	Do
76.	Rajbir Singh S/o Balwan Singh, V. Habatpur P.O. Nirjan (Jind)	B.C.	Do
77.	Raj Karni D/o Gian Chand, H. No. 504, Sector 20-A, Chandigarh	General	Do
78.	Sukhbir Singh S/o Sher Singh, H. No. 422/5, Hanuman Colony (Hisar)	S.C.	Do
79.	Joginder Singh S/o Amar Singh, V.P.O. Dhani Bhagat Teh. C. Dadri (Bhiwani)	E.S.M.	Do
80.	Suresh Kumar S/o Jiwan Dass, H. No. 9/85, Sabzi Mandi, Barwala (Hisar)	General	Do
81.	Om Parkash S/o Sohan Lal, V.P.O. Raipura Bisnoiya (Sirsa)	Do	Do
82.	Abeh Kumar S/o Shiv Kumar, Moti Bapur Singh P.O. Jaspur, Nainital (U..P.)	Do	Do
83.	Vikram Dutt Sharma S/o Tek Chand, H. No. 934/18, Moti Sainya (Hisar)	Do	Do
84.	Baldev Luthra S/o Gopal Dass, H. No. 1097, Chandna Gate, Kaithal	Do	Do
85.	Ram Niwas S/o Braham Swaroop, Teh. Tohana, Distt. Hisar	B.C.	Do
86.	Randhir Singh S/o Karta Ram, H. No. A-41, New Press Colony, M.I.T.C., Faridabad	S.C.	Do
87.	Mahabir Parshad S/o Lajja Ram, V.P.O. Dhani Sahna, Teh. Hansi (Hisar)	S.C.	Do
88.	Surinder Kumar S/o Nand Kishore, Chawla Colony, H. No. ICA-601, Baliabgarh	S.C.	Do
89.	Karam Singh S/o Ranpat, V.P.O. Nirjan, Distt. Jind	General	Do
90.	Balraj Singh Nain S/o Nasib Singh, V.P.O. Hassangarh, Distt. Hisar	Do	Do

1	2	3	4
	S/Shri/Smt.		
91.	Bharat Bhushan S/o Ramji Lal, H. No. 965/17, Gandhi Nagar, Hansi (Hisar)	General	Class-III
92.	Dharamvir S/o Nihal Singh, V.P.O. Kakrod, Distt. Jind	Do	Do
93.	Budh Ram S/o Ganesh Mehta, V.P.O. Purab Kalwan, Distt. Siwan (Bihar)	Do	Do
94.	Vinay Bhutani S/o Har Bhagwan, H. No. 2788, Sector 22-C, Chandigarh	Do	Do
95.	Prem Chand S/o Lakhi Ram, V.P.O. Padhana, Distt. Karnal	Do	Do
96.	Jai Singh Rathour S/o Kumar Singh, V.P.O. Nagla Balu, Distt. Ettah (U.P.)	Do	Do
97.	Dalip Singh S/o Shish Pal, V.P.O. Girawar, Distt. Rohtak	Do	Do
98.	Gulzar Singh S/o Lachman Singh, V.P.O. Bhatt Majra, Distt. Kurukshetra	Do	Do
99.	Kulwant Singh S/o Makhan Singh, V.P.O. Niwandli, Distt. Kurukshetra	Do	Do
100.	Om Parkash S/o Maha Singh, V.P.O. Hatt, Distt. Jind	Do	Do
101.	Ram Chander S/o Tara Chand, H. No. 845/5, Shiv Colony, Kurukshetra	Do	Do
102.	Sahib Singh S/o Tej Singh, V.P.O. Gilour Kalan, Distt. Sonepat	Do	Do
103.	Vijay Pal Singh S/o Niranjan Singh, H. No. 274, Ward No. 16, Distt. Rohtak	Do	Do
104.	Ramesh Chander S/o Bharat Singh, V.P.O. Chulkana, Distt. Sonipat	Do	Do
105.	Padamjit Singh S/o Puran Chand, H. No. 66, Sector 33-A, Chandigarh	Do	Do
106.	Kuldeep Rai Sharma S/o Jagdish Singh, 141, Tej Colony, Panipat	Do	Do
107.	Mitar Pal Singh S/o Mehar Singh, V.P.O. Shahzadpur, Distt. Ambala	Do	Do
108.	Om Parkash S/o Siri Narain, V. Jeetgarh P.O. Roopgarh, Distt. Jind	Do	Do
109.	S.N. Sharma S/o Bhag Chand, V.P.O. Uchana, Distt. Jind	Do	Do
110.	Sarda Nand S/o Dharam Chand, V.P.O. Bass, Distt. Hisar	Do	Do
111.	Prem Singh S/o Mahabir Singh, V.P.O. Garanwati, Distt. Rohtak	Do	Do
112.	Raj Kumar S/o Dev Parkash, V.P.O. Magoha, Amritsar (Punjab)	Do	Do
113.	Prithvi Singh S/o Sadhu Ram, Munarhari, Distt. Kurukshetra	Do	Do

1	2	3	4
	S/Shri/Smt.		
114.	Om Parkash S/o Munshi Ram, V.P.O. Nirjan, Distt. Jind	General	Class-III
115.	Hewa Singh S/o Nathu Ram, V.P.O. Takahana, Distt. Karnal	Do	Do
116.	Ganga Singh S/o Babu Ram, V.P.O. Nagla Jhabwa P.O. Kharipatti, Distt. Etah (U.P.)	Do	Do
117.	Bal Kishan S/o Ved Parkash, V.P.O. Ladwa, Distt. Kurukshetra	Do	Do
118.	R.K. Sachdeva S/o M.P. Sachdeva	Do	Do
119.	Surinder Kumar S/o Satya Narain Moh. Guru Nankpura, Narnaul, Distt. Mohindergarh	Do	Do
120.	Dharam Singh S/o Fateh Singh, V. & P.O. Burlana, Jind	Do	Do
121.	Subhash Chander S/o Manphool Singh, Shanti Bhawan, Near G.H.S., Rohtak	Do	Do
122.	Inder Singh S/o Siri Chand, V. & P.O. Kulassi, Rohtak	E.S.M.	Do
123.	Suresh Jawa S/o Prem Chand, V. & P.O. Barwala, Distt. Hisar	General	Do
124.	Rajinder Singh S/o Khem Chand, V. & P.O. Nahra, Sonipat	Do	Do
125.	Surjeet Singh S/o Polu Ram, V. & P.O. Dhabi Kalan, Hisar	Do	Do
126.	Rajbir Singh S/o Amar Singh, D-10, Prem Nagar, Model Town, Sonepat	Do	Do
127.	Dhoop Singh S/o Lakhi Ram, V. & P.O. Ram Bas, Bhiwani	E.S.M.	Do
128.	Raj Singh S/o Bhim Singh, V. &P.O. Assan, Rohtak	S.C.	Do
129.	Suresh Kumar S/o Hoshiar Singh, H. No. 273/19, Prem Nagar, Rohtak	General	Do
130.	Rajnish Sharma S/o Shadi Ram, H. No. E-60, Adarsh Nagar, B/Garh (Faridabad)	E.S.M.	Do
131.	D.K. Vashista S/o B.D. Sharma, H. No. 452, Lorance Road, Timarpur, Delhi	General	Do
132.	Rambir Singh S/o Chet Ram, V. & P.O. Selan Pur, Distt. Buland Shahar (U.P.)	General	Do
133.	Chander Sain S/o Krishan Gopal, V. & P.O. Kharkhoda, Distt. Sonepat	B.C.	Do
134.	Dharamvir Singh S/o Prithvi Singh, H. No. 468, Janta Colony, Rohtak	General	Do

[श्रीमती शकुन्तला भगवाडिया]

1	2	3	4
	S/Shri/Smt.		
135.	Paras Ram S/o Manohar Lal, V. Chandpur P.O. Dalanpur, Distt. Rohtak	E.S.M.	Class-III
136.	Harphool Singh S/o Jai Ram Singh, V. & P.O. Jhook, Distt. M/Garh	General	Do
137.	Bal Krishan S/o Ami Chand, V. & P.O. Shamgarh, Distt. Karnal	Do	Do
138.	Kashmiri Lal S/o Mulkh Raj, H. No. 82/16, Ram Nagar, Karnal	B.C.	Do
139.	Prithvi Raj S/o Tara Chand, H. No. 2274/1, Sector-37, Chandigarh	B.C.	Do
140.	Hira Singh S/o Mangal Singh, V. & P.O. Shamgarh, Distt. Karnal	General	Do
141.	Bhopal Singh S/o Khem Singh, V. & P.O. Jondal Kurjan, Distt. Chamoli (U.P.)	S.C.	Do
142.	Bhir Bhan S/o Chandgi Ram, V. & P.O. Uchana Kalan, Distt. Jind	B.C.	Do
143.	Raghbir Singh S/o Badlu Ram, Village Bhani, Mehrajpur P.O. Meham, Rohtak	E.S.M.	Do
144.	Puran Chand Vill. Kheri Bura, Bhiwani	E.S.M.	Do
145.	Hans Raj Malik S/o Mange Ram Malik, V. & P.O. Jasrana, Distt. Sonipat	Do	Do
146.	Ishwar Chand S/o Nihla Ram, V. & P.O. Khokrood, Distt. Jind	General	Do
147.	Ram Kishan S/o Ram Saroop, Vill. Khodpura, Karnal	Do	Do
148.	Malkit Singh S/o Surinder Singh, V. Des Raj Dhani, P.O. Ratia (Hisar)	Do	Do
149.	Rameshwar S/o Antu Ram, Nehru Garden Colony, Near Jat School, Kaithal	B.C.	Do
150.	Om Parkash S/o Har Chand, V. Rohar, Teh. Matenhel, Rohtak	S.C.	Do
151.	Ramesh Kumar S/o Amar Lal, X-164, Basno Gate, Karnal	Do	Do
152.	Mewa Ram S/o Narjan Lal, V. & P.O. Dadhu Pur, Teh. Jagadhari, Ambala	Do	Do
153.	Shiv Ram S/o Nanu Ram, Vill. Kullarpur, Teh. Naraingarh, Ambala	Do	Do
154.	Ram Lal S/o Bhartu Ram, V. Rajpura, P.O. Khera, Distt. Karnal	Do	Do
155.	Surinder Singh S/o Siri Chand, V. &P.O. Chara, Distt. Rohtak	S.C./ E.S.M.	Do

1	2	3	4
	S/Shri/Smt.		
156.	Kalash Chander S/o Raghbir Singh, V. & P.O. Rajpura, Distt. Karnal	B.C.	Class-III
157.	Amarjit Singh S/o Charat Ram, V. Bassi Shekha, P.O. Karala, Distt. Patiala	General	Do
158.	Satbir Singh S/o Jagda Ram, V. & P.O. Kakrood, Teh. Narwana (Jind)	Do	Do
159.	Mahabir Singh S/o Gulab Singh, V. & P.O. Manawali, Teh. Fatehabad (Hisar)	Do	Do
160.	Baljit Singh S/o Daya Chand, V. & P.O. Kavi, Teh. & Distt. Panipat	Do	Do
161.	Darshan Lal S/o Amir Chand, V. Naza Dela Kalan, Distt. Sirsa	B.C.	Do
162.	Jai Dayal S/o Ram Kumar, V. Kunjpura, Distt. Karnal	E.S.M.	Do
163.	Laxmi Chand S/o Budh Ram, Vill. Barara (Ambala)	General	Do
164.	Ram Karan S/o Nirjan Lal, Vill. Dadupura, Teh. Jagadhari (Ambala)	S.C.	Do
165.	Ram Parkash S/o Jai Kishan, Vill. Nunna Majra, Distt. Rohtak	Do	Do
166.	Lakhmi Chand S/o Chander Singh, V. P.O. Panchi Jattan, Teh. Ganaur (Sonepat)	General	Do
167.	Jaipal S/o Chatter Singh, Vill. Balmba, Teh. & Distt. Rohtak	Do	Do
168.	Ram Singh S/o Bachan Singh, Vill. Sayal Kotia (Pehowa) Distt. Kurukshetra	Do	Do
169.	Jasmer Singh S/o Ram Chander, Vill. Mundari, Distt. Kaithal	Do	Do
170.	Chandi Ram S/o Hari Lash, V. & P.O. Kamalpur, Teh. Kalayat (Jind)	Do	Do
171.	Bhagwant Singh S/o Kirpal Singh, V. & P.O. Taraori, Distt. Karnal	Do	Do
172.	Roshan Lal Dogra S/o Bali Ram, H. No. 1151/1, Sec. 40, Chandigarh	Do	Do
173.	Mahabir Singh S/o Chand Ram, V. & P.O. Kunda, Distt. Sonepat	Do	Do
174.	Sajjan Singh S/o Chandan Singh, V. & P.O. Dobh, Distt. Rohtak	E.S.M.	Do
175.	Chander Parkash S/o Brij Mohan, H. No. 231/34, Sugar Mill Colony, Y/Nagar	General	Do
176.	Mulakh Raj S/o Gurbax Dass, H. No. 151, B. Block, Sirsa	Do	Do

[श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया]

1	2	3	4
	S/Shri/Smt.		
177.	Vipin Kumar Mahajan S/o S. N. Mahajan, 1674, Phase-IV, S.A.S. Nagar, Ropar	General	Class-III
178.	Sajid Ali S/o Zahid Ali 19, Ghoshi Colony, Jamalpur Aligarh	Do	Do
189.	Jaipal Singh S/o Ram Bhagat, V.P.O. Siwana Mal, Teh. Gohana (Sonipat)	Do	Do
180.	Sunder Lal S/o Deegh Ram, Vill. Mohalhwas P.O. Sangwari (M. Garh)	Do	Do
181.	Anil Kumar Jain S/o Prem Sagar, H. No. 3534, Timber Market Ambala Cantt.	Do	Do
182.	Mahesh Kumar Bhatia S/o Jai Dayal Bhatia, V.P.O. Parbhuwala Distt. Hisar	Do	Do
183.	Prem Singh S/o Mange Ram, V.P.O. Malikpur, Teh. Sonipat	Do	Do
184.	Sushil Kumar S/o Gobind Chauhan, V.P.O. Jakholi, Distt. Sonipat	Do	Do
185.	Ram Pal S/o Mam Raj, V. Sandhir, Teh. & Distt. Karnal	Do	Do
186.	Satpal S/o Bhagat Ram, G-12, Poultry Area, Nilokheri	Do	Do
187.	Rajinder Arora S/o R. P. Arora, Chandigarh	Do	Do
188.	Sushil Kumar S/o Late Sh. Yashpal, C/o Ram Rattan Cycle Works, Barara	B.C.	Do
189.	Inder Pal Singh S/o Rawal Singh, 346, Sec.-20A, Chandigarh	Gen.	Do
190.	Har Mahal Singh S/o Fauja Ram, H. No. 590, R-Model Town, Panipat	Do	Do
191.	Krishan Kumar S/o Ram Singh, Vill. Babrouri, Teh. Kosli, Distt. Rewari	Do	Do
192.	Ajmer Singh S/o Dilla Ram, V.P.O. Khera Man Singh, Karnal	Do	Do
193.	Om Parkash S/o Mandhu Ram, V.P.O. Pardana, Distt. Karnal	S.C.	Do
194.	Laxmi Chand S/o Nathi Ram, V. & P.O. Khera Man Singh, Karnal	Gen.	Do
195.	Sat Pal S/o Gobinda Ram, Vill. & P.O., Padhana, Distt. Karnal	Do	Do
196.	Om Parkash S/o Devi Chand, Village & Post Office, Padhana, Distt. Karnal	Do	Do

1	2	3	4
	S/Shri/Smt.		
197.	Jagdish Mittal S/o Manohar Lal, Village & Post Office Padhana, Distt. Karnāl	S.C.	Class-III
198.	Shanti Devi W/o Punna Ram, Village & Post Office Sidhpur, Distt. Karnal		
199.	Vinod Kumar S/o Hazari Lal, Vijay Nagar, Conswas Road, Rewari	General	Do
200.	Ram Kumar S/o Attar Singh, Village & Post Office Malikpur, Distt. Sonipat	Do	Do
201.	Vijay Kumar S/o Ved Parkash, House No. 2193, Sector 19, Chandigarh	Do	Do
202.	Ram Niwas S/o Narain Singh, Village & Post Office Bajan Kalan, Teh. Ganaur, Distt. Sonipat	Do	Do
203.	Vinod Kumar S/o Dev Raj, House No. 773, Punjabi Mohalla, Ambala Cantt.	Do	Do
204.	Pawan Kumar S/o Phool Chand, Village Khurdi, Post Office Nagal, Khajuri, Distt. Yamuna Nagar	Do	Do
205.	Dilbag Singh S/o Bhim Singh, House No. 236/29, Kamal Nagar, Near Mal Ka Mandir, Rohtak	Do	Do
206.	Smt. Prem Kumari D/o Late Sh. Vijay Kumar, H. No. 52-E, School Area, Nilokheri, Distt. Karnal	Do	Do
207.	Dharamvir S/o Sh. Siri Niwas, Village & Post Office Ram Rai, Distt. Jind	Do	Do
208.	Ram Phal S/o Mange Ram, Village & Post Office Kalawas, Teh. & Distt. Bhiwani	Do	Do
209.	Satbir Saini S/o Partap Singh, H. No. 676, Ward No. 199, Sainipura, Distt. Rohtak	Do	Do
210.	R. P. S. Kajla S/o Rai Singh, Village & Post Office Hathuwala, Distt. Jind	Do	Do
211.	Bal Kishan S/o Chhattar Singh, Village Maruthi P.O. Baniyani Distt. Rohtak	Do	Do
212.	Bhim Singh S/o Ram Singh, Village Rasina, Teh. Kaithal, Distt. Kaithal	Do	Do

1	2	3	4
	S/Shri/Smt.		
213.	Ishwar Singh S/o Tek Ram, Village & Post Office Gangoli, Distt. Jind	General	Class-III
214.	Des Taj S/o Kishori Lal, Village & Post Office Jonawas, Distt. Mohindergarh	Do	Do
215.	Santosh Kumari D/o Atam Parkash, H. No. 513, Ward No. 4, Gurgaon	Do	Do
216.	Ashok Kumar S/o Baru Ram, Distt. Hissar	Do	Do
217.	Amarjit Singh S/o Bahadur Chand, Village Fatehabad, Distt. Hissar.	S.C.	Do
218.	Bina Thakur D/o Vikram Jit, H. No. 933, Phase-III, Mohali	General	Do
219.	V. K. Gupta S/o Ved Parkash, H. No. C/155, Moh. Lohian, Hissar	Do	Do
220.	Satvir Gautam S/o Bal Kishan, Village & Post Office Jasawar Kheri, Distt. Rohtak	Do	Do
221.	Smt. Sunita Sharma D/o S. N. Mehta, H. No. 2052, Sector 21-C, Chandigarh	Do	Do
222.	Ram Avadh S/o Ram Asra, H. No. 238, Sector 29-A, Chandigarh	Do	Do
223.	B. N. Bajwa S/o Baiju Ram C/o Central State Farm, Hissar	Do	Do
224.	Rashmi Arora D/o Chander Arora, H. No. 318 Sector 22, Chandigarh	Do	Do
225.	Sube Singh S/o Hardial Singh, Village & Post Office Kumarodha, Distt. Mohindergarh	Do	Do
226.	Rajinder Gupta S/o Laxman Dass, Village & Post Office Siswana, Distt. Kurukshetra	Do	Do
227.	M. S. Chauhan S/o Mehar Dass Chauhan, Village & Post Office Kalanaur, Distt. Rohtak	Do	Do
228.	Smt. Raj Bala W/o Faquir Chand, Village Assandh, Post Office Sampla, Distt. Rohtak	S.C.	Do
229.	Ram Kumar S/o Gulab Singh V.P.O. Mandauth, Teh. Bahadurgarh, Distt. Rohtak	General	Do
230.	Amarjit Singh S/o Bal Mukhand, Moh. Dakaut, Near Court, Narnaul, Distt. Mohindergarh	Do	Do

1	2	3	4
	S/Shri/Smt.		
231.	Karan Singh S/o Inder Singh, V.P.O. Dhakla, Teh. Jhajjar, Distt. Rohtak	General	Class-III
232.	Dilbag Singh S/o Diwan Singh, 7/260, Moh. Jatwara, Distt. Karnal	Do	Do
233.	Tirlok Chand S/o Ram Sarup, V.P.O. Markanda, Teh. Hansi, Distt. Hissar	Do	Do
234.	Anil Bhagat S/o Bal Mukhand, Bhagat Niwas, Mategali, Kaithal	Do	Do
235.	Raj Singh S/o Baru Ram, V.P.O. Kheri Jatal, Teh. Hansi, Hissar	Do	Do
236.	Jagdish Kumar S/o Chunni Lal, V.P.O. Odhan, Teh. & Distt. Sirsa	Do	Do
237.	Anil Walia S/o Om Parkash V.P.O. Ratehpur, Distt. Kurukshetra	Do	Do
238.	Sat Narain S/o Ram Chander, V. Bheri Akbarpur, Teh. and Distt. Hissar	Do	Do
239.	Ramesh Chander S/o Bhagwan Dass, V.P.O. Bhutan Kalan, Teh. Fatehabad, Distt. Hissar	Do	Do
240.	Suresh Kumar S/o Devi Dayal, Prachin Shiv Mandir, Lakhuwala Talab, Ambala City	Do	Do
241.	Hardial Singh S/o Risal Singh, V. Todarpur, P.O. Sadhaura, Distt. Yamuna Nagar	Do	Do
242.	Smt. Sheela Dhiman W/o Jai Dev, V.P.O. Kalayat, Teh. Narwana, Distt. Jind	B.C.	Do
243.	Narinder Kumar S/o Paras Ram, Moh. Moti Gate, Kaithal	Gen.	Do
244.	Pawan Kumar S/o Mukhand Lal, H. No. 258, Sector 7-A, Chandigarh	Do	Do
245.	Daljit Singh S/o Hardwari Lal, V. Dumarkalan, Teh. Narwana, Distt. Jind.	Do	Do
246.	Kanwar Pal S/o Kanwal Singh, V.P.O. Charadpur, Teh. Ballabgarh, Distt. F/Bad	Do	Do
247.	Maha Singh S/o Chander Singh, V.P.O. Dighal Distt. Rohtak	Do	Do
248.	Santosh Kumari D/o Hari Chand, V.P.O. Chaknaur, Distt. Rohtak	Do	Do

1	2	3	4
	S/Shri/Smt.		
249.	Siri Krishan S/o Moji Ram, V.P.O. Rihana, Teh. Gohana, Sonipat	General	Class-III
250.	Ram Kumar S/o Zile Singh, Village Nidana, Teh. & Distt. Rohtak	Do	Do
251.	Pritpal S/o Didar Singh, Village Dumarkha, Teh. Narwana, Distt. Jind	Do	Do
252.	Balbir Singh S/o Pritam Singh, V.P.O. Hajrawan Kalan, Distt. Karnal	B.C.	Do
253.	Jangir Singh S/o Hari Singh, V.P.O. Mohamal, Distt. Karnal	Gen.	Do
254.	Kanshi Ram S/o Dhuni Ram, V.P.O. Sultanpuria, Distt. Sirsa	S.C.	Do
255.	Telu Ram S/o Munsi Ram, V.P.O. Mirajpur, Distt. Kurukshetra	Gen.	Do
256.	J. D. Kaushik S/o Mann Singh, V.P.O. Mirachpur, Teh. Narnaud, Distt. Hissar	Do	Do
257.	Rajinder Kumar S/o Har Narain, V.P.O. Nara, Teh. Hansi, Distt. Hissar	Do	Do
258.	Jagmal Singh S/o Ajmet Singh, V. Golpura, P.O. Mauli, Teh. Naraingarh, Ambala	Do	Do
259.	R. K. Bhardwaj S/o Ram Chander, V.P.O. Beri Akbarpur, Teh. Uklana, Hissar	Do	Do
260.	Satyavan S/o Nafe Singh, V.P.O. Dumarkha, Teh. Narwana, Distt. Jind	Do	Do
261.	Vikram Singh S/o Phelail Singh, V.P.O. Muwana, Distt. Jind	Do	Do
262.	Jagdish Chander S/o Badan Singh, V. Balarkahn, Teh. Narwana, Distt. Jind	Do	Do
263.	Sanjiv Kumar S/o Ram Kumar, H. No. 734/11-D, Chandigarh	Do	Do
264.	Ishwar Dayal S/o Birbal Ram, V.P.O. Dhanouda, Distt. Mohindergarh.	Do	Do
265.	C. S. Nain S/o Jeet Singh, 359/16-A, Faridabad	Do	Do
266.	Smt. Saroj Rana Widow of Late Satvir Singh, H. No. 235/8, Rajinder Nagar, Kurukshetra	Do	Do

1	2	3	4
	S/Shri/Smt.		
267.	Smt. Jaiwanti Devi W/o Late Sh. Ram Phal, V.P.O. Hathwala, Distt. Jind	Genl.	Class-III
268.	Vijay Singh S/o Baldev Singh, V. Sisaya Bhola, Teh. Hansi, Distt. Hissar	Do	Do
269.	Parveen Kumar S/o Nathi Ram, B-130, Jyoti Colony, Gali No. 2, Shahdra, Delhi	E.S.M.	Do
270.	Atma Ram S/o Dhanna Ram, V.P.O. Madanpur, P.O. Daklana, Distt. Hissar	Gen.	Do
271.	Smt. Bimla Devi W/o Jai Narain, V.P.O. Nehra , Distt. Sonepat	Do	Do
272.	Sareef Hussian S/o Barkat, V.P.O. Julana, Distt. Jind	B.C.	Do
273.	Sushil Kumar S/o Gian Chand, V. Ladwa, Teh. Thaneshar, Kurukshetra	Gen.	Do
274.	Anchla Rani D/o Surinder Kumar Main Bazar, Taraori, Distt. Karnal	P.H.	Do
275.	Dalip Kumar S/o Ram Sarup, V.P.O. Adampur, Distt. Hisar	Gen.	Do
276.	S. K. Kohli S/o T.R. Kohli, 1240/21-B, Chandigarh	Do	Do
277.	Krishana Devi W/o Ram Avtar, V.P.O. Kharak Kalan, Distt. Rohtak	Do	Do
278.	Miss. Preeti D/o Jagdish Chander, C/o M/s. Hindustan Teli House, Bhagat Singh Chowk, Hissar	P.H.	Do
279.	Kamla Rani W/o Sh. Rameshwar, H. No. 1442, Sector, 6, Karnal	S.C.	Do
280.	Jai Dutt Sharma S/o Dharampal, V. Boriya Kamalpur, Teh. Rewari, Mohindergarh	Gen.	Do
281.	Rakesh Kumar S/o Ram Chander, V.P.O. Kailram, Distt. Kaithal	S.C.	Do
282.	Balraj Singh S/o Chhatar Singh, V. Habatpur, P.O. Nirjan, Teh. Jind, Distt. Jind	Do	Do
283.	Krishana Devi D/o Ram Sarup, H. No. 897, Sector 13, New Housing Board Colony, Karnal.	Do	Do
285.	Baldev Ram S/o Charan Dass, H. No. 79/16, Roop Nagar Colony, Hansi, Distt. Hissar	Gen.	Do
286.	Surinder Kaur D/o Sant Singh, H. No. 51/804, Baldev Nagar, Ambala City	Do	Do

[श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया]

1	2	3	4
	S/Shri/Smt.		
287.	Harbans Lal S/o Bhushan Dass, H. No. 708, Sector-22A, Chandigarh	General	Class-III
288.	Rajinder Kumar S/o Mohan Lal, H. No. 83, Ward No. 9, Near 7th Patshahi,) Gurudwara, Kurukshetra	Do	Do
289.	Saroj Rani D/o Roshan Lal, H. No. 16/667, Geeta Colony, Rohtak	Do	Do
290.	Amita Sagar D/o K. R. Awasthy, H. No. 1364, Sector 34-C, Chandigarh	Do	Do
291.	Rakesh Kumar S/o Satpal, H. No. 481, Moh. Dhobian, V.P.O. Naraingarh, Distt. Ambala	Do	Do
292.	Suraj Bhan S/o Man Singh, V. Hussaini, P.O. Naraingarh, Distt. Ambala	Do	Do
293.	L. K. Nagpal S/o Diwan Chand, H. No. 21-A, Behind Libas Tailor, Sonipat	Do	Do
294.	Ashok Kumar S/o Nebh Ram, Near Amar Lal Mandir, Bali Nagar, Palwal	Do	Do
295.	Subhash Chand S/o Kamla Nand, H. No. 5327, Moh. Rajputana, Sirsa	Do	Do
296.	Ujjal Singh S/o Chandgi Ram, Vill. Barauli, Distt. Karnal	Do	Do
297.	Maman Ram S/o Amar Singh, Village Rampura, Teh. Hansi, Distt. Hissar	Do	Do
298.	Kusum Katyal D/o Gian Chand, Raipur Rani, Teh. Naraingarh, Distt. Ambala	Do	Do
299.	Vijay Laxmi D/o Gokal Chand, H. No. 739, Sector 22-A, Chandigarh	Do	Do
300.	Mohan Lal S/o Ram Chander, H. No. 748, Ward No. 21, Colony, Rohtak	Do	Do
301.	Asha Rani D/o Prema Nand, H. No. 1475, Sector 22-B, Chandigarh	Do	Do
302.	Ramesh Bansal S/o Sham Lal, Delhi Gate, Omet Wali Gali, Hansi, Distt. Hissar	Do	Do
303.	Poonam Sharma D/o Rishi Ram Vats, H. No. 1255, Sector 4, Panchkula	Do	Do
304.	Indu Bala D/o Hukam Singh, 2017/8 Sector 32-D, Chandigarh	Do	Do

1	2	3	4
	S/Shri/Smt.		
305.	Anita Gupta D/o S. P. Gupta, H. No. 1146, Sector 23-B, Chandigarh	General	Class-III
306.	Joginder Kumar S/o Lachman Dass, H. No. 592/19, Durga Colony, Hansi, Hissar	Do	Do
307.	Ved Parkash S/o Kanhiya Lal, H. No. 726, Bhumi Nagar, Gurgaon	Do	Do
308.	Usha Rani D/o Nand Lal, H. No. 921, Patel Nagar Camp Gandhi Nagar, Hissar	B.C.	Do
309.	Ram Kiran S/o Rati Ram, V.P.O. Lown, Teh. Narwana, Distt. Jind	Do	Do
310.	Ramesh Chander Narwal S/o Hukam Singh, Vill. Bhagwanpur, Distt. Karnal	Do	Do
311.	Attar Singh S/o Hukam Singh, V.P.O. Harsana Kalan, Distt. Sonepat	P.H.	Do
312.	Santosh Kumari D/o Balak Ram, H. No. 3513, Sector 46-C, Chandigarh	S.C.	Do
313.	Sukhbir Singh S/o Darshan Singh, H. No. 3049/1, Sector 44-D, Chandigarh	ESM	Do
314.	Reeta Rani D/o Chunni Lal, H. No. 708, Sector 2, Panchkula	ESM	Do
315.	Kamal Lal S/o Hari Ram Village Dadu Majra, P.O. Maloya, U.T., Chandigarh	S.C.	Do
316.	Harmesh Lal S/o Amar Singh, V.P.O. Saudar, Teh. Balachaur Distt. Hoshiarpur	S.C.	Do
317.	Kiran Bala D/o Tirath Ram, V. Bargaon, Teh. Naraingarh Distt. Ambala	ESM	Do
318.	Balwinder Kaur D/o Dian Singh, Near Railway Station, Hansi (Hissar)	B.C.	Do
319.	Miss. Bindu D/o Shyam Sunder, H. No. 114, Krishan Nagar, Tehsil Panipat	ESM	Do
320.	Akbar Kathak S/o Jhunga Ram, Village Jhuk Bariandi Via Masuda, Distt. Ajmer (Rajasthan)	Do	Do
321.	Joginder Pal S/o Deputy Lal, V.P.O. Panjlara, Teh. Naraingarh, Distt. Ambala	Do	Do
322.	Miss. Rajwinder Kaur D/o Suraj Singh, Village Basantpura, P.O. Barara, Distt. Ambala	Do	Do

1	2	3	4
	S/Shri/Smt.		
323.	Mahipal Singh S/o Sandu Ram, V.P.O. Sagga, Distt. Karnal	ESM	Class-III
324.	Krishan Kumar S/o Jagir Singh, Village Rajouli, P.O. Badhouli, Teh. Naraingarh, Distt. Ambala	Do	Do
325.	Mange Ram S/o Manohar Lal, H. No. 328/3, Sector 44-D, Chandigarh	S.C.	Do
326.	Balwan Singh S/o Chandgi Ram, V.P.O. Nara, Teh. and Distt. Hissar	Gen.	Do
327.	Ashok Kumar Saini S/o Chattar Saini, Anandpura Near C.B. College, Rohtak	Do	Do
328.	Ishwar Dass Sayal S/o Dev Ram, Vill. Jhatour, P.O. Bir Neghara Via, Sujanpura	Do	Do
329.	Partap Singh S/o Dharam Dev., V.P.O. Kheri, Distt. Sirsa	Do	Do
330.	Naresh Kumar S/o Kundan Lal, V.P.O. Ding Distt. Sirsa	Do	Do
331.	M. L. Verma S/o Ram Kishan Verma, V.P.O. Ding, Mandi Teh. and Distt. Sirsa	BC	Do
332.	Kartar Singh S/o Richpal Singh, Vill. Randrop, P.O. Chanderi Teh. Dadri	General	Do
333.	Roshan Lal S/o Suraj Bhan, Vill. Mamria, Thakkar, P.O. Kheri, Teh. Rewari, Distt. M/garh (Hr.)	Do	Do
334.	Yashpal S/o O. P. Sharma, 1515, Babu Purbam Kidwai Nagar, Kanpur (UP)	Do	Do
335.	Prabhu Dayal S/o Bishan Dass, H. No. 590/16, Nai Basti, Gurgaon	Do	Do
336.	Subhash Chand Goel S/o Rameshwar Dass, V.P.O. Kot, Teh. Kalka	Do	Do
337.	Satya Pal S/o Inder Singh, V & P.O. Kapro, Teh. and Distt. Hissar	Do	Do
338.	Narinder Kumar Sidhana S/o Tek Chand, H. No. 5677, Punjabi Wala Mohalla, Bhatinda	Do	Do
339.	Dilbag Singh S/o Banwari, Vill. Rakhi Khas, P.O. Rakhi Shahpur, Teh. Hansi, Distt. Hissar	S.C.	Do
340.	Ved Singh S/o Bhola Ram, H. No. 182, Friends Colony, Jawahar Nagar, Hissar	Gen.	Do

1	2	3	4
	S/Shri/Smt.		
341.	Om Parkash S/o Sheo Chand, Vill. Sarsana, Hissar	General	Class-III
342.	Surjit Singh S/o Ram Kishan, V.P.O. Hanzira Distt. Sirsa	Do	Do
343.	Ram Kishan S/o Sheo Chand, V.P.O. Sarhera Via Barwala, Distt. Hissar	Do	Do
344.	Bharat Singh Lamba S/o Arjun Singh, V.P.O. Khariri, Via. Pabra, Distt. Hissar	Do	Do
345.	Rajinder Singh S/o Ramji Lal, V.P.O. Bangaan, Teh. Fatehabad(Hissar)	Do	Do
346.	Dinesh Kumar S/o Virender Singh, V.P.O. Brahmanwala, Teh. Nagaina, Distt. Bijnore	Do	Do
347.	Mohan Singh S/o Johar Singh, Vill. & P. O. Besrari, P.O. Baracote, (Lohaghat)	Do	Do
348.	Ram Kumar Ahlawat S/o Hari Ram, V.P.O. Dhilowal, Distt. Jind	Do	Do
349.	Shankar Lal S/o Mani Ram, V.P.O. Tudesar, Distt. Sirsa	Do	Do
350.	Dharamvir Singh S/o Ram Sarup, V.P.O. Mehanda, Teh. and Distt. Hissar	Do	Do
351.	Balwan Singh S/o Ran Singh, Vill. Gianpura, P.O. Kharakpunia, Teh. Hansi, Distt. Hissar	Do	Do
352.	Ram Kumar Sihag S/o Dal Singh, V.P.O. Siwani Bolan, Teh. and Distt. Hissar	Do	Do
353.	Harbans Lal S/o Suraj Bhan, Hanakpur Road, Gidarbaha, Distt. Faridkot	Do	Do
354.	Suresh Kumar S/o Kishan Lal, V.P.O. Petwar, Distt. Hissar	Do	Do
355.	Puniab Singh S/o Ran Singh, Vill. Gianpura, P.O. Kharakpura (Hissar)	Do	Do
356.	Mahabir Singh S/o Ram Kishan, V.P.O. Hassangarh, Teh. Hissar	Do	Do
357.	Sukhbir Singh S/o Khem Chand, Kirshan Garh Meham, Rohtak	Do	Do
358.	Atama Ram S/o Prthivi Singh, V.P.O. Sukhpura, Gohana Road, Rohtak	Do	Do
359.	Kitab Singh S/o Rangi Ram, V.P.O. Girwar, Distt. Rohtak	Do	Do
360.	Raj Singh S/o Kour Singh, V.P.O. Nangal, Teh. Ratia (Hissar)	Do	Do
361.	Randhir Singh S/o Nana Singh, Distt. Ambala	Do	Do

[श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया]

1	2	3	4
	S/Shri/Smt.		
362.	Ved Parkash S/o Om Parkash Sharma, Street No. 7, Nai Abadi, Abohar (Pb)	General	Class-II
363.	Jai Parkash S/o Piara Lal, V.P.O. Gandhara, Teh. Rohtak, Distt. Rohtak	Do	Do
364.	Sidaramappa Uppin S/o Basappa Uppin, Vill. Hanumanhal, Kustagi Raichar (Raithaur)	Do	Do
365.	Om Parkash S/o Kali Ram, Kharak Punia, Hissar	Do	Do
366.	Dalel Singh S/o Dalip Singh, Vill. Dehman, Teh. Fatehabad (Hissar)	Do	Do
367.	Sohan Singh S/o Chamail Singh, V.P.O. Shamgarh, Distt. Karnal	Do	Do
368.	Satish Kumar S/o Bharam Singh, V.P.O. Seenak, Distt. Panipat	Do	Do
369.	Ashwani Kumar S/o Jai Kishan, Koth No. 663, Sector 4, Panchkula	Do	Do
370.	Paras Lal Singh S/o Kamla Prashad Singh, V. Bhabhangawa P.O. Marat Paras, D. Chappra(Bihar)	Do	Do
371.	Lakhan Dev Parshad S/o Durga Parshad, P.O. Birla Colony, Bijwani	Do	Do
372.	Chet Ram S/o Shadi Ram, V.P.O. Dhingsara, Teh. Fatehabad, Distt. Hisar	Do	Do
373.	Bhagwan Dass S/o Nathu Lal, Line No. 8, Q. No. 11, Birla Nagar, Gwalior	Do	Do
374.	R. Cheelam S/o M. Ramabungem, Poottattery P.O. Via Karintal, Vilavari Code, Taluk Kanyakumari	Do	Do
375.	Bhagwan Dass Malhotra S/o Chiman Lal, H.No. 2459, Sector 19-C, Chandigarh	Do	Do
376.	Karamvir Singh S/o Randhir Singh, V.P.O. Mokhra, Distt. Rohtak	Do	Do
377.	Satyavir Singh S/o Attar Singh, V.P.O. Kungar, Teh. Bawani, Khera (Bhiwani)	Do	Do
378.	Satya Pal S/o Hamir Singh, V.P.O. Kapro, Distt. Hisar	Do	Do
379.	Raghbir Singh Chahal S/o Baljeet Singh, Vill. Sotha, P.O. Kapro, Teh. Hansi (Hisar)	Do	Do
380.	Birbhan Sharma S/o Shiv Lal Sharma, V.P.O. Dobuwa, Distt. Hisar	Do	Do
382.	Narinder Kumar S/o Sukh Lal, V.P.O. Ding, Distt. and Teh. Sirsa	Do	Do

1	2	3	4
	S/Shri/Smt.		
383.	Pala Ram Sachdeva S/o Milkhi Ram, V.P.O. Bajekan, Distt. & Teh. Sirsa	General	Class-III
384.	Mahavir Singh S/o Satyavarat Singh, Vill. Paintawas Khurd, P.O. Kitlana, Teh. Charkhi Dadri, Distt. Bhiwani	Do	Do
385.	Ram Partap S/o Neki Ram, Dhingsara, Distt. Hisar	Do	Do
386.	M.L. Channana S/o Mool Chand Chanana, S.P.M. Model Township, Sirsa	Do	Do
387.	Satvir Singh S/o Ram Singh Chopra, Mohalla Chopra Patti Ward No. 5, H. No. 38, Narwana, Distt. Jind	E.S.M.	Do
388.	Sehdev Singh S/o Badlu Ram, V.P.O. Siwani Bolian, Distt. Hisar	General	Do
389.	Lakshmi Chand S/o Ratti Ram, Village Randoli, Distt. Karnal	Do	Do
390.	Jai Bhagwan S/o Atma Ram, Behind Durga Rice Mill, New Basti, Kaithal	Do	Do
391.	Yad Ram S/o Harbans Lal, Village Seembla, Distt. Ambala	Do	Do
392.	Pyare Lal S/o Harphool Singh, Vill. Sandlana, Distt. Hisar	Do	Do
393.	Rajpal Singh S/o Tek Chand, Vill. Lithani, Distt. Hisar	Do	Do
394.	Rajpal Singh S/o Tek Chand, Vill. Litani, Distt. Hisar	Do	Do
395.	Kuldip Singh S/o Ram Sarup, Vill. Tandwal, Distt. Ambala	Do	Do
396.	Kumund Kishore S/o Devki Nandan, V.P.O. Pali, Distt. Hardoi (U.P.)	Do	Do
397.	Munish Chander Tyagi S/o Ramesh Chander, Shop No. 105, Anaj Mandi, Sirsa	Do	Do
398.	Prithvi S/o Ram Kishan, V.P.O. Madlauda, Distt. Hisar	Do	Do
399.	Krishan Chander S/o Punjab Singh, Vill. & P.O. Mirchpur, Distt. Hisar	Do	Do
400.	Gulshan Kumar S/o Dharam Chand, H. No. 285/1 , Jiwan Gate, Kaithal	Do	Do
401.	Ram Phool Singh S/o Tek Chand, H. No. 836/2, Dairy Mohalla, Rohtak	S.C.	Do
402.	Dhan Singh S/o Munshi Ram, Distt. Bhiwani	General	Do
403.	Sukhbir Singh S/o Harphool Singh, V.P.O. Bandhari, Teh. Hansi, Distt. Hisar	Do	Do

1	2	3	4
	S/Shri/Smt.		
404.	Dilbag Singh S/o Badan Singh, Lajanwala, Distt, Jind	General	Class-III
405.	Dalbir Singh S/o Chandan Singh, V.P.O. Bhatout, Distt. Rohtak	Do	Do
406.	Raja Ram S/o Zile Singh, V.P.O. Karsola, Distt. Jind	Do	Do
407.	Darshan Singh S/o Ran Singh, Vill. & P.O. Kohla, Distt. Sonepat	Do	Do
1.	Dhir Singh S/o Sh. Prem Singh, Hodel Distt. Faridabad	General	Class-IV
2.	Subhash Kumar S/o Sh. Ratti Ram Vill. Padkana Distt. Karnal	S.C.	Do
3.	Ram Rattan S/o Sh. Hazari Lal, V. Balwana Teh. Palwal, Distt. Faridabad	General	Do
4.	Satish Kumar S/o Sh. Hari Singh, V. Virbadalwa, Distt. Karnal	Do	Do
5.	Jaipal Singh S/o Ram Chander, V. Baproda Distt. Rohtak	S.C.	Do
6.	Nandan Singh S/o Bache Singh V. Bhanar P.O. Shama Teh. Bageshwar Distt. Almora (U.P.)	General	Do
7.	Ram Kumar S/o Sher Singh, H. No. 135, Sector 10. Chandigarh	Do	Do
8.	Madan Singh S/o Munshi Ram, V. Shyamtoo P.O. Ratteswali Distt. Ambala	Do	Do
9.	Kirpal Singh S/o Budhi Singh V. Mattiyal P.O. Balli Distt. Garhwal	Do	Do
10.	Jogi Ram S/o Ram Diya V. Dumarkhan Kalan, Teh. Narwana(Jind)	Do	Do
11.	Daya Ram S/o Puran Chand V. Virbadalwa, Distt. Karnal	Do	Do
12.	Ram Kumar S/o Budh Ram Vill. Kheriman Singh, Distt. Karnal	B.C.	Do
13.	Raj Singh S/o Sh. Mangal Singh, V. Bhaini Amirpur Teh. Hansi Distt. Hisar	Do	Do
14.	Sukhdev Singh S/o Sh. Ram Kishan, H.No. 2040/2, Ka—Jiwala Mohalla Ambala	Do	Do
15.	Pala Ram S/o Ram Diya Vill. Haat Teh. Safidon, Distt. Jind	Do	Do
16.	Maha Singh S/o Lilu Ram, Vill. Kapro, Teh. Narnaund, Distt. Hisar	Do	Do
17.	Mohan Lal S/o Ram Lal, Maru Colony, Near Tohana Road, Ward No. 8, Ratia	S.C.	Do

1	2	3	4
	Sarvshri/Smt.		
18.	Vijay Bahadur S/o Ram Payara, Distt. Faizabad	General	Class-IV
19.	Prem Narayan S/o Ram Payara, V.P.O. Ding, Distt. Sirsa	Do	Do
20.	Krishana W/o Balbir Singh, H.No. 778, Sector 7-B, Chandigarh	S.C.	Do
21.	Nanu Ram S/o Sh. Bhagwan Dass, H. No. 147, Chargan Street, Jain Chowk, Bhiwani	B.C.	Do
22.	Sube Singh S/o Hukam Singh, V. Bhatrath, Distt. Jind	General	Do
23.	Ramphal S/o Banwari Lal, V. Dumerkhan Kalan, Distt. Jind	Do	Do
24.	Jiwan Ram S/o Sadu Ram, Ding Mandi Distt. Sirsa	Do	Do
25.	Prem Chand S/o Duli Chand Gharaunda Distt. Karnal	Do	Do
26.	Dalip Singh S/o Chander Singh, Tohana District Hisar	Do	Do
27.	Jagan Nath S/o Badlu Ram, Teh. Hansi Distt. Hisar	Do	Do
28.	Smt. Birmati W/o Late Sh. Lal Ram, V. Kelsara Teh. Palwal, Distt. Faridabad	Do	Do
29.	Maha Singh S/o Lachhi Ram, V. Dhanana Teh. Hansi Distt. Hisar	Do	Do
30.	Subhash Chander S/o Ram Kishan V. Rindan, Distt. Sonipat	Do	Do
31.	Beer Bahadur S/o Bal Bahadur, Q. No. 10, I.T.I., Sirsa	Do	Do
32.	Rajinder Parkash S/o Mangat Ram, V.P.O. Jaffarpur Barara Distt. Ambala	Do	Do
33.	Surjit Singh S/o Balbir Singh, V. Hamjapur Teh. Ratia, Distt. Hisar	S.C.	Do
34.	Gandhi Ram S/o Khushial V. Kakrod Teh. Hansi Distt. Hisar	B.C.	Do
35.	Bal Krishan S/o Ganpat, V. Badshahpur Distt. Hisar	General	Do
36.	Mani Ram S/o Biru Ram, V. Ugala Teh. & Distt. Ambala	E.S.M.	Do
37.	Wazir Chand S/o Lal Chand Ward No. 5, Samalkha Distt. Panipat	General	Do
38.	Om Parkash S/o Banarsi Dass, V.P.O. Sakra, Teh. Pundri Distt. Kaithal	S.C.	Do

1	2	3	4
	Sarvshri/Smt.		
39.	Suresh Kumar S/o Puran Chand, V. Ishwarpur Kheri Teh. Gohana, Sonipat	General	Class-IV
40.	Faquir Chand S/o Mangal Singh, V. Baini Amirpur, Teh. Hansi, Hisar	B.C.	Do
41.	Lalan Parshad S/o Ram Naresh V. Lad Pandey Kapura, (Faizabad) U.P.	General	Do
42.	Satbir Singh S/o Karam Singh, V. Shaman Distt. Rohtak	Do	Do
43.	Prem Singh S/o Sh. Hari Ram, V.P.O. Ladhot, Distt. Rohtak	Do	Do
44.	Raghbir Singh S/o Biska Ram, V.P.O. Nangal Teh. & Distt. Rohtak	B.C.	Do
45.	Satbir Singh S/o Chandu Ram, V. Kakrod Teh. Narwana Distt. Jind	S.C.	Do
46.	Prem Singh S/o Bahadur Singh, V. Khairi Masania Distt. Jind	General	Do
47.	Balwan Singh S/o Surta Ram, V& P.O. Bhattukalan, Hisar	Do	Do
48.	Hari Ram S/o Gayadin, V. Gusaria, Distt. Sultanpur	Do	Do
49.	Ram Kumar S/o Manphool Singh, V. Kapura Teh. Hansi Distt. Hisar	Do	Do
50.	Om Parkash S/o Diwan Chand V. Saadlana Teh. Hansi Distt. Hisar	Do	Do
51.	Krishan Kumar S/o Rishal Singh, V. Sisni Teh. & Distt. Hisar	B.C.	Do
52.	Gian Chand S/o Ishwar Singh, V. Bochti Teh. Jhajjar (Rohtak)	General	Do
53.	Dharam Pal S/o Siri Chand. V. Panhara Khurd Teh. Ballabgarh Distt. Faridabad	Do	Do
54.	Balwan Singh S/o Dhoop Singh, V. Rajli Distt. Hisar	Do	Do
55.	Hardev Singh S/o Jeet Ram, V. Dablan Teh. Narwana (Jind)	Do	Do
56.	Tika Ram S/o Mangal Ram V.P.O. Dhand Distt. Kaithal	Do	Do
57.	Jarnail Singh S/o Birkha Ram. V. Bakhtuha P.O. Kurali Teh. Naraingarh, Distt. Ambala	S.C.	Do
58.	Banarsi Dass S/o Parshad Ram, V. Salarkheri Khundan kalan (Ambala)	Do	Do

1	2	3	4
	Sarvshri/Smt.		
59.	Kamal Lal S/o Lal Chand, V. Kalaipur P.O. Tauru, Teh. Nuh (Gurgaon)	B.C.	Class-IV
60.	Jasmer Singh S/o Ram Chander V.P.O. Ratgal, Distt. Kurukshetra	General	Do
61.	Rohtash Kumar S/o Tulsi Ram, V. Jagan Teh. Adampur, Hisar	Do	Do
62.	Krishan Kumar S/o Maru Ram, V. Jagan Teh. Adampur, Hisar	Do	Do
63.	Subh Ram S/o Jage Ram, V. Banjara Khurd (Mohindergarh)	Do	Do
64.	Ram Avtar S/o Balbir Singh, V. Kalwan (Mohindergarh)	Do	Do
65.	Roshan Lal S/o Gappat Ram V. Janjariwas (Mohindergarh)	Do	Do
66.	Sajjan Singh S/o Bhagwana Ram, V. Daryawala, Distt. Jind	Do	Do
67.	Ganga Parshad S/o Partap Singh, V. Likhi Teh. Palwal, Distt. Faridabad	Do	Do
68.	Krishan Lal S/o Dayal Chand, Ram Darbar Colony. Chandigarh	S.C.	Do
69.	Prem Singh S/o Ram Singh, V. Bhatoi, Teh. Hansi (Hisar)	Gen.	Do
70.	Kapoor Singh S/o Jogi Ram, V. Singhpura Khurd(Rohtak)	Do	Do
71.	Harbir Singh S/o Inder Singh, Hansi, Distt. Hisar	Do	Do
72.	Rajinder Singh S/o Chandgi Ram, V. Bahbra Distt., Rohtak	Do	Do
73.	Randhir Singh S/o Bal Kishan Singh, V. Balwana Teh. Palwal (Faridabad)	Do	Do
74.	Raj Kishore S/o Budh Ram, V. Bhambhori Teh. Sardana Distt., Meerut U.P.	Do	Do
75.	Ram Avadh S/o Bhandari, Vill. Didal, Teh. Vansi (U.P.)	Do	Do
76.	Parshotam Ram S/o Hari Ram, V. Bhustala,Teh. Thanesar(Kurukshetra)	Do	Do
77.	Telu Ram S/o Sajjan Ram, V.P.O. Jakhal, Distt. Hisar	Do	Do
78.	Sinderpal Singh S/o Jhota Ram, V. Kotli, Distt. Sirsa	B.C.	Do
79.	Jhanda Ram S/o Sona Ram, V. Gidrabad P.O. Majdin(Sirsa)	Do	Do

1	2	3	4
	S/Shri—		
80.	Rattan Kumar S/o Partap Singh, V. Kheri Locheb, Distt. Hisar	General	Class-IV
81.	Brij Lal S/o Ulphat, V. Sahar, Teh. Karai (Manipur U.P.)	P.H.	Do
82.	Paramjit Singh S/o Jhetha Ram, V. Kotli Distt. Sirsa	B.C.	Do
83.	Ramphal S/o Sh. Sita Ram, Vill. Joshi (Panipat)	General	Do
84.	Gian Singh S/o Kali Ram, V. Mudri, Distt. Kaithal	Do	Do
85.	Rajinder Kumar S/o Ram Kumar, V. Sisaibolan, Teh. Hansi (Hisar)	General	Do
86.	Inder Singh S/o Amar Singh, V. Mangalpur, Teh. Narwana (Jind)	Do	Do
87.	Tara Chand S/o Krishan Chand, V. Mujjfabad (Yamuna Nagar)	Do	Do
88.	Tilak Parkash S/o Karori Mal, V.P.O. Seoh, Teh. Sarkaghat(Mandi)	Do	Do
89.	Lachhman Dass S/o Sh. Bachna Ram, V. Mujjfabad, Teh. Jagadhri Yamuna Nagar	S.C.	Do
90.	Dharampal S/o Surja Ram, H. No. 6/329 Ashok Nagar, Fatehabad	General	Do
91.	Inder Singh S/o Tokh Ram, V. Dhani Bhojraj, Teh. Tohana (Hisar)	Do	Do
92.	Vashudev S/o Tamyash, V. Ismailpur Big. Teh. Amethi (Sultanpur) U.P.	Do	Do
93.	Prem Chand S/o Mukenda Lal, V. Dessora, Teh. Chhachhroli, Yamuna Nagar	Do	Do
94.	Varinder Singh S/o Hukam Singh, V. Jattola, Distt. Sonipat	Do	Do
95.	Ramesh Chand S/o Matu Ram, V.P.O. Dhor, Distt. Rohtak	S.C.	Do
96.	Nirmal Singh S/o Jheta Singh V. Kotli Distt. Sirsa	B.C.	Do
97.	Gurmukh Singh S/o Bir Singh, V. Kheri Man Singh (Karnal)	S.C.	Do
98.	Krishan Kumar S/o Ram Chander, V. Dhani Khurd, Teh. Hansi (Hisar)	General	Do
99.	Ramesh Singh S/o Hari Krishan, V. Shamgarh Distt. Karnal	Do	Do
100.	Prem Singh S/o Ram Singh, Mandi Adampur, Distt. Hisar	Do	Do

1	2	3	4
	Sarvshri-		
101.	Multan Singh S/o Ran Singh, V. Gangatheri Teh. Saffidon (Jind)	General	Class-IV
102.	Davinder Singh S/o Umed Singh, Garhi Balab, Teh. & Distt. Rohtak	Do	Do
103.	Nandan Singh S/o Bache Singh, V. Kunhil, Teh. Ranikhet, Almora (U.P.)	Do	Do
104.	Bhajan Singh S/o Hans Raj, V.P.O. Binewal, Teh. Garshankar, Distt. Hoshiarpur	P.H.	Do
105.	Bal Kishan S/o Chandi Ram, V.P.O. Sainipura, Rohtak	General	Do
106.	Mange Ram S/o Munsi Ram, V.P.O. Musudpur, Teh. Hansi, Distt. Hisar	B.C.	Do
107.	Din Dayal S/o Telu Ram, V.P.O. Shamgarh, Distt. Karnal	General	Do
108.	Ram Dhan S/o Rishal Singh, V. Shamgarh, Distt. Karnal	Do	Do
109.	Ramesh Kumar S/o Rai Singh, V.P.O. Badala, Teh. Hansi, Distt. Hisar	Do	Do
110.	Romesh S/o Sehaj Ram, V. Matouli, Distt. Rohtak	Do	Do
111.	Swami Sewak S/o Late Sh. Ram Asra, V. Sonarikalan Teh. Amethi Distt. Sultanpur (U.P.)	Do	Do
112.	Shakuntla W/o Late Sh. Dharampal, Teh. & Distt. Rohtak	Do	Do
113.	Ramesh Kumar S/o Late Sh. Hukam Chand, V. Sukhpura Teh. & Distt. Rohtak	Do	Do
114.	Sukhbir S/o Late Sh. Jogi Ram, V. Dhamaka Teh. Palwal (Faridabad)	Do	Do
115.	Kamla Devi W/o Late Sh. Ram Kumar, H. No. 747/15, Street No. 6, Amargarh, Kaithal	Do	Do
116.	Kesri Devi W/o Late Sh. Ram Sarup, V. Chandrawal, P.O. Jadoli, Hisar	Do	Do
117.	Ram Sarup S/o Late Jee Raj, V. Budh Khera, Teh. Uklana (Hisar)	Do	Do
118.	Satyawati W/o Late Sh. Raj Pal Kundu, V.P.O. Titoli, Teh. & Distt. Rohtak	Do	Do
119.	Betal Singh S/o Mutar Singh, H. No. 271/6 Panchkula	Do	Do
120.	Narain Singh S/o Nafe Singh, V. Lath, Teh. Gohana (Rohtak)	Do	Do
121.	Rai Rani W/o Late Sh. Sumer Chand, V.P.O. Kurali, Teh. Naraingarh, Ambala	Do	Do

1	2	3	4
	Sarvshri—		
122.	Gurdeep Singh S/o Late Sh. Sarda Ram, H. No. 8511/5, Ravidas Basti Ambala	General	Class-IV
123.	Ishwar Chander S/o Late Sh. Bhagwana Ram, Ward No. 8 Narwana Distt. Jind	Do	Do
124.	Krishana Kanta W/o Late Sh. Kundan Lal, H. No. 16, Ashok Nagar, (Panipat)	Do	Do
125.	Phool Devi W/o Late Sh. O.P. Sangwan, V. Jhora Khurd, Teh. Ch. Dadri (Bhiwani)	Do	Do
126.	Krishna Devi W/o Late Sh. Balwan Singh, V.P.O. Dhanana, Teh. Gohana (Sonipat)	Do	Do
127.	Shamsher Singh S/o Late Sh. Sunder Singh, V. Dhalwas, Teh. Ch. Dadri (Bhiwani)	Do	Do
128.	Vinod Kumar S/o Late Sh. Raj Kumar, V.P.O. Thana Chappar (Yamuna Nagar)	Do	Do
129.	Surinder Kumar S/o Late Sh. Ram Sarup, V. Matta Garh, P.O. Chilkana, Bus Adda, Distt. Saharanpur (U.P.)	Do	Do
130.	Rajesh Kumar S/o Late Sh. Manohar Lal, 41/3, Molhergang, Indore (U.P.)	Do	Do
131.	Barjesh Kumar S/o Late Sh. Babu Ram, V. Kehna Teh. Dadalpur (U.P.)	Do	Do
132.	Rajesh Kumar S/o Late Sh. Shiv Kumar, V. Tandwal Distt. Ambala	Do	Do
133.	Smt. Kirpa Devi W/o Late Sh. Ramesh Chand, V. Ghilawas P.O. Kahalilpur, Teh. Palwal, Gurgaon	Do	Do
134.	Partap Chand S/o Lohari Ram, V. Ghorab P.O. Nagrota Distt. Kangra	Do	Do
135.	Brij Kishore S/o Banwari Lal, Vill. Rundhi Teh. Palwal (Faridabad)	Do	Do
136.	Chander Singh S/o Khem Singh, Vill. Chamkola Distt. Almora	Do	Do
137.	Heera Lal S/o Baru Ram, V.P.O. Tikarpur Masani, Teh. Rewari Distt. Mohindergarh	S.C.	Do
138.	Ramdhari S/o Chandan, V. & P.O. Bithmara, Teh. Tohana Distt. Hisar	General	Do
139.	Darya Singh S/o Giani Ram, V.P.O. Asalwas, Distt. Bhiwani	E.S.M.	Do
140.	Jagmal Singh S/o Sher Singh, Kheliyas Teh. Pataudi Gurgaon	Do	Do
141.	Mahabir S/o Asha Ram, V.P.O. Nanchera Teh. Panipat	Do	Do

1	2	3	4
	Sarvshri—		
142.	Banwari Lal S/o Kurda Ram. Jhuma Kalan Teh. Siwani (Bhiwani)	ESM	Class-IV
143.	Kanta Devi W/o Late Jagdish Singh, V.P.O. Larsoli Distt. Sonipat	General	Do
144.	Guman Singh S/o Kidar Singh, Vill. Deolao P.O. Jaspur Patti, Dhandiyalsyon, Distt. Pouri (Garhwal)	Do	Do
145.	Jagat Singh S/o Madan Singh, H. No. 15, Sector 7-A, Chandigarh	Do	Do
146.	Nanda Ballab S/o Amar Singh, V.P.O. Morni Hill, Teh. Kalka (Ambala)	Do	Do
147.	Jamer Singh S/o Gurbachan Singh Sanyal Bhawan, Kalyat (Jind)	Do	Do
148.	Ramesh Chand S/o Banarsi Dass V. Lage Raipur P.O. Badi, Yamunanagar	Do	Do
149.	Sakal Singh S/o Fatch Singh, 1925/22-B, Chandigarh	Do	Do
150.	Mohd. Idirish S/o Yasuf, V. Akera Teh. Nuh (Gurgaon)	Do	Do
151.	Ghanshayam S/o Kanshi Ram, VPO Gulabad (Faridabad)	Gen.	Do
152.	Bala Parshad S/o Budha Yadav, Shahabad Markanda Distt. Kurukshetra	Do	Do
153.	Amar Singh S/o Mange Ram, VPO Kohanar Teh. Gohana Distt. Sonipat	ESM	Do
154.	Khem Chand S/o Diwan VPO Karan Distt. Kurukshetra	Do	Do
155.	Surta Singh S/o Bhai Ram, V. Avali Teh. Gohana (Sonipat)	General	Do
156.	Chokaha Ram S/o Mukh Ram VPO Ludsar Distt. Sirsa	Do	Do
157.	Ranbir Singh S/o Mukhtiar Singh, V. Saffipur, Teh. Jhajjar (Rohtak)	Do	Do

Appointment made in Haryana State Agricultural Marketing Board.

172. **Chaudhri Azmat Khan** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state —

(a) whether any recruitment has been made by Haryana State Agricultural Marketing Board during the period from 1982 to date;

(b) if so, the number thereof together with names and addresses of the persons so recruited ?

कृषि मन्त्री (श्री हरपाल सिंह) :

(क) हां।

(ख) इस प्रश्न का उत्तर देने में लगने वाला समय व श्रम उत्तर से मिलने वाले लाभ की तुलना में उतना उपयोगी सिद्ध नहीं होगा।

Payment of the Labourers

161. Shri Ram Bhajan Aggarwal : Will the Minister for Irrigation be pleased to state —

(a) whether it is fact that the labourers have not been paid the wages for desilting the Sanjarwas Minor, Baund Distributory Sunder distributory and Kharak Kalan minor in Distt. Bhiwani during the year 1989-90; and

(b) if so the reasons therefor and the time by which the wages to the labourers as referred to in part (a) above are likely to be paid ?

सिंचाई मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा) :

(क) हां जी, यह तथ्य है कि वर्ष 1989-90 के दौरान जिला भिवानी में सांजरवास माईनर, बींद रजबाहा, सुन्दर रजबाहा तथा खरक कलां माईनर से गाद निकालने के लिए श्रमिकों को मजदूरी नहीं दी गई।

(ख) इन कार्यों पर विवाद है तथा राशि की अदायगी विवाद के निपटान के उपरान्त की जायेगी, जिस पर कार्यवाही की जा रही है।

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव

कमेटियों के सदस्यों को नामजद करने के लिए अध्यक्ष महोदय को प्राधिकार देने सम्बन्धी

Mr. Speaker : Now the Parliamentary Affairs Minister (Irrigation Minister) may move the Motion under Rule 121, regarding nominations of various Committees.

Irrigation Minister (Chaudhari Jagdish Nehra) : Sir, I beg to move—

That the provisions of Rules 228, 230, 230B and 260-A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, in so-far as they relate to the constitution of the—

(i) Committee on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates

(iii) Committee on Public Undertakings; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes,

for the year 1994-95 be suspended.

Sir, I also move—

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1994-95, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the provisions of Rules 228, 230, 230-B and 260-A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the—

(i) Committee on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) Committee on Public Undertakings; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes.

for the year 1994-95 be suspended.

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1994-95, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

Mr. Speaker : Question is—

That the provisions of Rules 228, 230, 230-B and 260-A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the—

(i) Committee on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) Committee on Public Undertakings; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes.

for the year 1994-95 be suspended.

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1994-95, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

The motion was carried.

स्थगन प्रस्ताव

प्रो0 सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी के सभी तेरह एम0एल0एज0 ने और मैंने एक एडजर्नमैंट मोशन दी है जो इस संबंध में है कि हरियाणा का बजट 7 तारीख को पेश होना है लेकिन वह उससे पहले ही लीक-आउट हो गया है।

[प्रो0 सम्पत सिंह]

अध्यक्ष महोदय, पहले जो चीफ सैक्रेटरी थे और आजकल बिजली बोर्ड के चेयरमैन हैं, ने प्रैस को स्टेटमैंट दी है कि बिजली बोर्ड के जो बिल कारपोरेशन/डिपार्टमैंट की तरफ बकाया है, उनकी रिकवरी के लिए बजट में 425 करोड़ रुपए के प्रावधान के लिए सरकार को कहा था और सरकार ने उनकी बात मान ली है और उसको बजट में रख लिया है। अध्यक्ष महोदय, चाहे खर्च हो या कुछ और हो, अगर वह बजट पेश होने से पहले ही लीक हो जाता है तो वह बजट मीनिंग-लैस हो जाता है। मैं तो यह कहता हूं कि इस बजट को पास करवाने की क्या जरुरत है जो पहले ही लीक हो जाए ? अध्यक्ष महोदय, इस बात को मद्दे नजर रखते हुए बाकी सब काम छोड़ कर इस पर डिस्कशन होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इससे सारे लोगों में यह बात चली जाएगी कि गवर्नमैंट हर बात को लीक कर रही है। उनके बयान देने का मतलब तो यह है कि बजट की जो और भी बातें हैं, वे दूसरे लोगों को, जो इनके थिक एंड थिन हैं, को जा चुकी होंगी। स्पीकर सर, इससे सीरियस और क्या बात हो सकती है ? हरियाणा प्रदेश के लोगों के साथ मांगे राम गुप्ता जी के साथ और सभी लोगों के साथ यह कितनी गलत बात होगी। इसलिए मेरा यह कहना है कि आज हाऊस की सारी कार्यवाही को रोककर इस पर डिसकशन करायी जाए। सरकार बताएं कि बात क्या है ? अदरवाईज लोग अपने पदों का अनुचित फायदा उठाते रहेंगे। स्पीकर सर, जो कुछ हुआ है यह अनट्रैडीशनल है और अन-ऐथीकल है यह बहुत सीरियस बात है। इसलिए मैं कहता हूं कि सरकार को इस पर डिसकशन करवानी चाहिए।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बहुत काबिल समझता था। मैं समझता था कि यह समझदारी की बात करेंगे। इसको आप बजट की लीक कहते हैं तो फिर आपको प्रोफसर कौन कहेगा ? अध्यक्ष महोदय, वार्षिक योजना बनती है। वार्षिक योजना में हर डिपार्टमैंट को पता होता है कि हमारा बजट कितना है। अगर बिजली बोर्ड यह कह दे कि उसका इस साल का बजट इतना है तो क्या यह बजट लीकेज की बात होगी ? अध्यक्ष महोदय, बजट लीकेज तो उसको कहते हैं कि कोई टैक्स लगाने की बात हो, कोई राहत देने की बात हो जिससे किसी इंडीविजुअल आदमी को फायदा होता हो। अगर ऐसा कुछ लीकेज होता, तब तो यह प्रिविलेज मोशन ला सकते थे। इसमें क्या लीकेज है, इससे किसी को क्या लाभ मिलने वाला है ? अध्यक्ष महोदय, बात कुछ भी नहीं है। इन्होंने तो बेमतलब में हाऊस का टाईम खराब करने के लिए यह स्थगन मोशन आपको लिखकर दिया है। इसमें कुछ नहीं है इसलिए आप इसको रिजैक्ट कर दें।

प्रो0 सम्पत सिंह : स्पीकर सर, केवल टैक्स की ही बात नहीं है। बजट में केवल टैक्सिज के ही पेजिज नहीं होते। बजट तो कई पेजिज का होगा। जब मांगे राम गुप्ता जी बजट पेश करेंगे तब आप देखना कि बजट काफी पेजिज का होगा। अगर

उसका एक सैंटैन्स भी लीक होता है तो यह बहुत सीरियस बात होती है। स्पीकर सर, हर महकमे का अपना बजट होता है। कैटेगरीकली उन्होंने यह कहा है– "मैंने सरकार को कहा कि आप बजट में इतना प्रावधान करें और उन्होंने बजट में प्रावधान कर दिया", तो स्पीकर सर, फिर बजट क्या होगा ? केवल टैक्स की बात नहीं है। चाहे कोई भी चीज हो। स्पीकर सर, केवल टैक्स का पैरा ही क्या बजट में होता है और बाकी पैरे वैसे ही बजट में होते हैं। इसलिए जो मुख्यमन्त्री जी ने कहा है कि आपको प्रोफेसर कौन कहेगा तो मैं इनसे कहना चाहता हूं मैंने इनसे डिग्री नहीं ली है। आपकी डिग्रियां मेरी डिग्री से ऊंची होंगी। मेरी कोई लम्बी-चौड़ी डिग्री नहीं है। मैं छोटा सा वर्कर हूं। लेकिन यह बात सही है कि जो बजट वाले लीकेज की बात उन्होंने कही है, वह अवश्य बजट लीकेज है। आप इस पर डिसकशन करा दें। सब लोग अपने अपने व्यूज इस पर देंगे कि यह लीकेज है या नहीं। स्पीकर सर, अखबारों में छपा है तो क्या यह गलत छपा है ? अगर यह गलत छपा है तो ये अखबार वालों के खिलाफ प्रिविलेज मोशन लेकर आएं। स्पीकर सर, या तो आपको इस पर डिसकशन करानी चाहिए या फिर इनको अखबार वालों के खिलाफ प्रिविलेज मोशन लेकर आना चाहिए। सर, यह तो लीकेज है इसलिए हाऊस को इस पर डिसकशन करनी चाहिए।

वित्त मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता) : स्पीकर साहब, आपकी इजाजत से मैं इस बात को क्लीयर कर देता हूं। प्रो0 सम्पत सिंह ने आब्जैक्शन कर दिया कि बजट लीकेज हो गया। मैं आदरणीय विधायक को यह बताना चाहता हूं कि लीकेज बजट तब होता है यदि बजट सील कर दिया जाए। अभी तो हमने बजट को फाईनल टच भी नहीं किया है। अध्यक्ष महोदय, जो हमारा प्लानिंग बजट है, जितने रिसोर्सिज हमारे पास हैं, उनको हर डिपार्टमैंट से डिसकस करते हैं, डिस्ट्रीब्यूशन के लिए डिसकस करते हैं। हर डिपार्टमैंट से डिसकस किया है कि आपकी जरुरत के मुताबिक कितना पैसा दे सकते हैं। अभी बजट को हमने फाईनल टच नहीं दिया है। डिसकस हो गया है, उस बिहाफ पर मैंनशन कर दिया है।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर सर, सवाल इस बात का है कि हरियाणा सरकार का एक उच्च पद पर आसीन अधिकारी, जो चीफ सैक्रेटरी के पद पर रहा हो और दुर्भाग्य से आज जो इलैक्ट्रीसिटी बोर्ड का चेयरमैन है, उसने अपने अधिकार की या यूं मानकर चलिए कि अनाधिकार की चेष्टा की है और इस बात को लेकर के अपने उस मौजूदा विभाग के अधिकारियों को आश्वासन देकर बिजली के इस संकट को दूर करने के लिए कोई और योजना बनाने की बजाए झांसा देने का प्रयास किया है। क्या यह सरकारी काम का, जो सरकार तक सीमित रहना चाहिए, जो सरकारी पर्दों से बाहर न जाना चाहिए.....(विघ्न) अध्यक्ष महोदय, क्या हम आपसे यह उम्मीद करेंगे कि हरियाणा सरकार के अधिकारी इस प्रकार की सरकारी लीकेज लोगों तक पहुंचाएं ?.....

प्रो० राम विलास शर्मा : स्पीकर सर, मैंने आपकी सेवा में एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिया है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, आप बैठिए ।

सिंचाई मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा) : स्पीकर सर, यह जो इन्होंने एडजर्नमैंट मोशन दिया है और कहा है कि सारी कार्यवाही रोककर, क्योंकि यह पब्लिक इम्पोर्टेंस की बात है, इस पर डिसकस की जाए । स्पीकर सर, अखबारों के माध्यम से यह बात कही गई है जिसका बजट से कोई संबंध नहीं है । स्पीकर सर, इस ढंग से न्यूज पेपर की खबर की अथोरटीकेशन नहीं हो सकती । इस बारे में 'प्रैक्टिस एण्ड प्रोसीजर आफ दि पार्लियामैंट' में क्लीयर हैल्ड किया हुआ है कि न्यूज पेपर की बिना पर एडजर्नमैंट मोशन नहीं हो सकती । मैं आपको पढ़कर सुना देता हूं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : नेहरा साहब, आप बैठ जाइए ।

प्रो० सम्पत सिंह : स्टेटमैंट की कापी दे दूं I have documentary proof (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, आप बैठ जाइए । नेहरा साहब, आप भी बैठिए ।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर सर, इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड की ओर से प्रैस नोट जारी किया गया है, यह केवल अखबार पर आधारित खबर नहीं है, महकमे की तरफ से प्रैस नोट इश्यू हुआ है ।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received an adjournment motion from Sarvshri Om Parkash Chautala, Sampat Singh, Dhir Pal Singh, Satbir Singh Kadian, Bharath Singh, Krishan Lal, Mohan Lal Pippal, Mani Ram Rupawas, Ramesh Kumar, Jaswinder Singh, Balwant Singh, Daryao Singh, Zile Singh and Amar Singh Dhanday, M.L.As regarding the leakage of Budget Estimates for the year 1994-95.

Hon'ble Members, I disallow the above adjournment motion on the following grounds :—

(i) The press report unless admitted by the Government, cannot be accepted as authoritative for the purpose of an adjournment motion. The Government in this respect has clarified the factual position.

(ii) It has been held that an adjournment motion on a matter which can be raised during the debate on the motion of thanks on the Governor's Address, Budget Discussion etc. etc. to be held in the same Session is not in order.

वाक आउट

प्रो० सम्पत सिंह : सर हम आपसे रिक्वैस्ट करते हैं कि आप अपने फैसले को रिव्यू कर लें ।

चौधरी भजन लाल : आपने तो वाक-आउट करना है । (व्यवधान)

प्रो० सम्पत सिंह : वह तो हमारा डैमोक्रेटिक राईट है, हम आपसे पूछ कर नहीं करेंगे । इस बारे में अखबारों में स्टेटमैंट आयी है और उन्होंने नाम लिया है ।

चौधरी भजन लाल : जब स्पीकर साहब की रूलिंग आ गयी, उसके बाद तो आप इस पर न बोलें ।

प्रो० सम्पत सिंह : हम तो स्पीकर साहब से रिक्वैस्ट कर रहे हैं कि उन्होंने जो फैसला किया है, उसको रिव्यू कर लें ।

चौधरी जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, रिव्यू करने का तो कोई सिस्टम ही नहीं है ।

श्री धीरपाल सिंह : नेहरा जी, आप किस अधिकार से बोल रहे हैं ? (व्यवधान)

श्री सतबीर सिंह काद्यान : स्पीकर साहब, आप इस फैसले को रिव्यू कर लीजिये ।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, क्या आप इस फैसले को रिव्यू कर रहे हो ?

चौधरी जगदीश नेहरा : रिव्यू का क्या मतलब है । (विघ्न व शोर)...

श्री वीर पाल सिंह : स्पीकर साहब, यह तो चेयर को भी चैलेंज कर रहे हैं ।

श्री अध्यक्ष : नेहरा जी, हमने कौन सा इनकी बात को मान लिया है ।

Prof. Sampat Singh : Sir, he is n body to dictate you.

Mr. Speaker : Neither he nor you.

Prof. Sampat Singh : Sir, We are making a humble submission to you to review your decision. (Noise & Interruptions)

Mr. Speaker : I am not going to oblige you.

Prof. Sampat Singh : Sir, as a protest, we walk out.

(At this stage all the Janata Party members present in the House staged a walk out).

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव

प्रो० राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैंने एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव आपकी सेवा में दिया है । पिछले 6 महीने से हरियाणा में बिजली की हालत काफी खराब रही है । किसानों के दो-दो सौ रुपये का बढ़ा कर बिल आ गया है । यह चौथी बार बिजली के दाम बढ़ाये गये हैं । मैंने आपको नोटिस दिया है ताकि इस बारे में सरकार जवाब दे ।

श्री अध्यक्ष : आपका नोटिस आज 10 बजकर 27 मिनट पर आया है । यह अभी अंडर कंसीडेशन है ।

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, मेरे दो ध्यानाकर्षण प्रस्ताव हैं । मेरे पास अभी तक उनकी कापी नहीं आयी है जो आनी चाहिये थी । एक प्रस्ताव तो नैशनल हाई-वे के ऊपर था और दूसरा जोहड़ों के बारे में था ।

श्री अध्यक्ष : आपके नोटिस 8.55 पर आज आये हैं । ये अभी अंडर कंसीडेशन हैं ।

डा० राम प्रकाश : स्पीकर सर, मैंने भी, एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिया है । शिडयूल्ड कास्ट्स, शिडयूल्ड ट्राईब्ज और बैकवर्ड क्लासिज के लोगों को नौकरियों में, नियुक्तियों में और सीनयौरिटी के लिये एक रोस्टर बना हुआ है । रोस्टर प्वायंट पर वरीयता देने के मामले में हाई-कोर्ट ने एक आर्डर दिया है.....

श्री अध्यक्ष : यह अंडर कंसीडेशन है ।

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now discussion on Governor's Address will take place. Shri Hari Singh Nalwa, M.L.A. may move his motion.

Shri Hari Singh Nalwa (Sambhalkha) : Sir, I beg to move—

That an Address be preseated to the Governor in the following terms :—

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 28th February, 1994".

अध्यक्ष महोदय, आदरणीय राज्यपाल महोदय ने जो कल हाउस में अपना अभिभाषण देकर सरकार की नीति, जो इस प्रान्त के लोगों की बहबूदी के लिए,

विकास के प्रति और हर शोबे में और हर सैक्टर में, का वर्णन किया है उसके लिए मैं गवर्नर साहब का स्वागत करता हूं और सरकार की पुरजोर शब्दों में प्रशंसा करता हूं। स्पीकर साहब, मैंने पहली बार देखा है कि हरियाणा प्रान्त की सरकार की नीयत और नीति, दोनों को इतने सुन्दर शब्दों में ऐड्रैस में दर्शाया गया है और मुझे पूरी आशा है कि इस साल के दौरान सरकार इस नीति को इस प्रान्त के विकास से संबंधित कार्यों के लिए पूरी तरह से लागू करेगी और जब ये सारी नीतियां पूरी हो जाएंगी तो हरियाणा प्रान्त के अन्दर एक खुशहाली आ जाएगी। चाहे वह ऐग्रीकलचर सैक्टर हो, चाहे वह इंडस्ट्रियल सैक्टर हो, चाहे वह बेरोजगारी की समस्या हो, और इसको खत्म करने का मसला हो और चाहे वह बैकवर्ड क्लासिज और हरिजन भाइयों को गरीबी की रेखा से ऊपर उठाने का सवाल हो, ये सब समस्याएं हल हो जाएंगी। हरियाणा सरकार की नीतियों से जब ये मसले हल हो जाएंगे तो हरियाणा की इज्जत को चार चांद लग जाएंगे और हरियाणा की जनता बड़ी खुशहाल हो जाएगी। सरकार की सारी नीति गवर्नर ऐड्रेस में दर्शाई गई है। स्पीकर साहब, सरकार की जो नीतियां इस गवर्नर ऐड्रेस में दर्शाई गई हैं उनमें से मैं सबसे पहले पैरा बीस को लेता हूं। इस पर एक ऐसी स्कीम का जिक्र किया गया है जिससे कि हरियाणा का बहुमुखी विकास होगा। वह स्कीम है यमुनानगर और दिल्ली के बीच एक नया "एक्सप्रेस हाईवे"। यह एक्सप्रेस हाईवे दिल्ली से लेकर यमुनानगर तक बनेगा और इस पर तीन अरब और तीस करोड़ रुपया लागत आएगी। स्पीकर साहब, इस स्कीम के पूरा होने से, इस विकास के कार्य के पूरा होने से हरियाणा प्रान्त की जनता ही नहीं, बल्कि सारे देश की जनता इस स्कीम को ऐप्रीशिएट करेगी। इस स्कीम से केवल हरियाणा की जनता प्रसन्न नहीं होगी बल्कि दिल्ली से यमुनानगर तक की इस स्कीम से जिसका नाम ऐक्सप्रेस नेशनल हाई वे है, सारे देश की जनता प्रसन्न होगी। स्पीकर साहब, शेर शाह रोड से लेकर ऐक्सप्रेस नेशनल हाईवे का जो यह टोटा है यह हिन्दुस्तान का मानचेस्टर के नाम से जाना जाएगा। स्पीकर साहब, हिन्दुस्तान में हरियाणा ही एक ऐसी स्टेट है जहां पर ला एंड आर्डर सब से अच्छा है। अगर हम हिन्दुस्तान की सारी स्टेट्स पर नजर दौड़ाएं तो पता लगता है कि हरियाणा के लोगों में सब से ज्यादा शांति और सन्तुष्टि है। यहां एक ऐसी स्टेट है जहां सब से ज्यादा अमन है। जहां पर अमन होता है वहां पर उन्नति अपने आप होती है। क्योंकि जिस स्टेट में अमन नहीं होगा वहां की सरकार उस प्रदेश में अमन और शान्ति कायम करने में ही लगी रहेगी और दूसरी चीजों की तरफ उसका ध्यान नहीं जाएगा और उस प्रदेश की जनता अपनी जान और माल को बचाने में लगी रहेगी। स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार इस प्रदेश में अमन कायम करने में कामयाब रही है और यही कारण है कि सरकार अपनी प्रगतिशील नीतियों पर अमल करने में सफल रही है। स्पीकर साहब, इस जी.टी.0 रोड पर जान और माल का बहुत ही नुकसान होता रहा है। यहां पर बहुत अधिक ऐक्सीडैंट्स होते रहे हैं। इस नैशनल हाई-वे के बनने से लोगों की जान और माल की सेफ्टी होगी।

[श्री हरि सिंह नलवा,]

ऐक्सीडेन्ट कम होंगे और लोगों को पहले इस नैशनल हाई वे पर भीड़ होने के आने जाने में जो समय लगता था, उसमें काफी बचत होगी । आज साइंटीफिक जमाना है, दुनिया बड़ी तेजी से आगे बढ़ रही है, तरक्की कर रही है । इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने अपने कर्त्तव्य को निभाते हुए यह जो कदम उठाया है, वह बड़ा ही प्रशंसनीय है । इसके लिये मैं अपनी सरकार को बधाई देता हूं । इसके साथ-साथ मैं यह भी कहना चाहता हूं कि सरकार ने और बहुत से जो विकास के कार्य किये हैं और आगे करने जा रही है, उससे किसानों को काफी राहत मिली है । पहले जब किसान अपनी फसलें बोता था तो पलड आने के कारण उनकी फसलें नष्ट हो जाती थीं लेकिन अपनी इस सरकार की सही नीतियों के कारण, सरकार की बढ़िया नीतियां बनने के कारण, किसान आज अपनी उपज बड़ी खुशी से, बिना किसी डर भय के पैदा कर रहा है और उसी कारण से पूरी तरह से खुशहाल है । पहले पलड आने के कारण जो किसानों की हजारों एकड़ भूमि नष्ट हो जाती थी, उससे किसानों को आज राहत मिल रही है । सरकार की ऐसी नीतियों के कारण आज किसान को अपनी मेहनत का पूरा पैसा मिल रहा है । मेहनतकश इंसान जो भूमि पर काम करता है, उसको अपने पूरे वेजिज मिल रहे हैं, वह बहुत खुश है । सरकार ने गरीबी की रेखा के नीचे रहने वाले हर मजदूर को, किसान को पूरी सहूलियतें प्रदान की हैं । सरकार की इन नीतियों के कारण आज बैकवर्ड क्लास के लोगों को, गरीब लोगों को काम भी मिलेगा । इससे हरियाणा प्रान्त की आमदनी में इजाफा होगा ।

अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा की तरक्की की तरफ सारी दुनिया की आंखें लगी हुई हैं । दूसरे प्रान्त भी हरियाणा की ओर देख रहे हैं कि हरियाणा हर क्षेत्र में कैसे तरक्की कर रहा है ? सरकार ही की इन सफल नीतियों के कारण आज हरियाणा चहुंमुखी तरक्की कर रहा है ।

अध्यक्ष महोदय, सारी दुनिया के लोग आज भारत के अन्दर अपनी इंडस्ट्रीज लगाने के इच्छुक हैं जिसमें हमारा हरियाणा प्रान्त भी है । हमारी हरियाणा सरकार ने बाहर के लोगों को अपने प्रान्त में इंडस्ट्रीज स्थापित करने के लिये बहुत सारी सहूलियतें देने के लिए प्रावधान किया है और लोग फटाफट इंडस्ट्रीज लगा भी रहे हैं । इससे हमारे हरियाणा प्रदेश में बेरोजगारी समाप्त होगी, लोग खुशहाल होंगे । इसके लिये तो मैं अपनी सरकार का धन्यवाद करता हूं । खास तौर से अपने मुख्य मन्त्री महोदय का धन्यवाद करता हूं और उनके दिमाग को दाद देता हूं कि इन्होंने अपने दिमाग से इस तरह की बहुत सारी स्कीमें बनाई हैं जिसके कारण आज सारे हरियाणा प्रदेश का विकास हो रहा है । यह सब कुछ अच्छे नेता की नीयत पर निर्भर करता है । नेता की नीयत को और नीति को ही लेकर चहुंमुखी विकास होता है जिसका प्रमाण आज हमारे हरियाणा के अन्दर है । यह सब कुछ आज लोगों द्वारा हरियाणा

के अन्दर एक टिकाऊ कांग्रेस सरकार बनाने का ही फल है। गवर्नर एड्रैस में देखने को केवल एक दो शब्द ही इस बारे में कहे गये हैं लेकिन उन एक दो शब्दों का बहुत महत्व है। अगर उन शब्दों के महत्व को समझा जाए तो पता चलेगा जिसका अनुसरण आज हमारी सरकार ने किया है जिसके कारण से हरियाणा में चहुंमुखी तरक्की हो रही है। खेतीहर को खेती करने के लिए जमीन पैदा 11.00 बजे करेंगे। इस प्रकार से कितनी चहुंमुखी चीजें उपलब्ध होंगी, एक ही प्रोग्राम करने से। इसके लिए मैं सरकार की पूरी प्रशंसा करता हूं खास तौर पर चौधरी भजन लाल जी की, जिनके दिमाग ने यह स्कीम बनाई। मैं तो यह भी सुझाव दूंगा कि जैसे हमारे नेशनल हाई वे नं0 1 का नाम शेर शाह सूरी मार्ग है, उसी तरह से इसका नाम भजन लाल हाई वे रखा जाए क्योंकि हरियाणा की प्रगति के ये प्रतीक हैं। (विघ्न) स्पीकर साहब, मैं इनसे जानना चाहता हूं कि इनके राज में क्या काम हुए। अभी सवालों के समय में प्रोफैसर साहब पूछ रहे थे कि ट्यूबवैल के कितने कनैक्शन दिए गए। इस गवर्नर एड्रैस के अन्दर किसानों को बिजली और पानी देने के लिए सरकार की नीति के बारे में बताया गया है और मैं उसकी प्रशंसा किए बगैर नहीं रह सकता। इनके राज में चार सालों में बिजली जनरेट करने का कोई प्रोग्राम नहीं हुआ। इन्होंने कोई भी पावर हाउस नहीं लगाया लेकिन इस सरकार ने इस एड्रैस के जरिए बताया है कि कितने सब स्टेशन बना दिए हैं और कितने सरकार बिजली पैदा करने के लिए और बनाने जा रही है। हरियाणा की इकोनोमी को बूस्ट करने के लिए और बेरोजगारी को खत्म करने के लिए बिजली पैदा करना अति आवश्यक है। हमारी सरकार और हमारे नेता इस विषय में बहुत जागरूक हैं।

श्री० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आर्डर है कि सब स्टेशन बिजली जनरेट नहीं करते बल्कि बिजली को डिस्ट्रीब्यूट करते हैं। (विघ्न)

श्री हरि सिंह नलवा : स्पीकर साहब, इतना तो मैं भी समझता हूं कि सब स्टेशन बिजली डिस्ट्रीब्यूट करने के लिए होते हैं। अभी जैसे मन्त्री जी बता रहे थे कि लाइने पुरानी हो गई और उनको रिन्यू करना पड़ेगा तो इसलिए सब स्टेशन बनाना भी बहुत जरूरी है। अगर सब स्टेशन बनेंगे तभी किसानों को बिजली बंटेगी। अगर सब स्टेशन नहीं होंगे तो बिजली कहां से जाएगी। मैं पहली बार देख रहा हूं कि चार पावर हाउस बिजली पैदा करने के लिए बनाने का प्रावधान है। इनमें से किसी पर काम चल रहा है और किसी पर काम शुरू होने वाला है। (विघ्न) आप जानते हैं कि हिसार के अन्दर एक हजार मैगावाट का जनरेटिंग प्लांट लगने जा रहा है। इसी प्रकार से फरीदाबाद के अन्दर चार सौ मैगावाट का जनरेटिंग प्लांट लगने जा रहा है। पानीपत के अन्दर 210 मैगावाट के छठे यूनिट का निर्माण चल रहा है। इसी प्रकार से यमुना नगर के अन्दर 840 मैगावाट का पावर हाउस बनने जा रहा है। इसलिए यह सरकार हर प्रकार से प्रशंसा की हकदार है।

[श्री हरि सिंह नलवा]

हमने इस एड्रैस में पहली बार देखा है कि बिजली की डिमांड को ध्यान में रखते हुए और किसानों की डिमांड को ध्यान में रखते हुए चार पावर हाउस बनने जा रहे हैं। (विघ्न) जब ये चालू हो जाएंगे तो हरियाणा के अन्दर इधर से एप्लीकेशन आएगी और उधर से कनैक्शन मिल जाएगा। जब बिजली की जनरेशन ही नहीं होगी तो कनैक्शन कैसे मिलेगा।

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी अभी आप पावर हाउस की बात कह रहे थे, वह शब्द भी ठीक है इसमें क्या गल्ती है ?

श्री हरि सिंह नलवा : स्पीकर साहब, मैं अपने भाई सम्पत सिंह जी और धीरपाल जी से जानना चाहता हूं कि क्या पावर हाउस में कबड्डी खेली जाती है ? पावर हाउस में तो बिजली ही होगी। आपने तो किसानों को बिजली ही नहीं दी। आप सभी जानते हैं कि आज की सरकार हरियाणा प्रान्त की जनता को रोजगार देने के लिए और उनकी तकलीफों को दूर करने के लिए कितनी लगनशील है। स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मेरे सामने बैठे विरोधी पक्ष के भाईयों से जानना चाहता हूं कि आपने अपने चार साल के समय में क्या कहीं पर कोई टैक्नीकल कालेज बनाया, क्या कहीं पर कोई पोलिटैक्नीक कालेज खोला और क्या कहीं पर कोई मैडीकल कालेज खोला ? अगर आप लोगों ने हरियाणा प्रान्त में कोई विकास का कार्य किया हो तो मुझे बताएं। आपने अपने समय में यह काम जरूर किया था कि जो बसें चल रही थीं, उनको जला दिया और इसके अलावा मण्डल-कण्डल को ले करके सारे देश को आग के खड्डे में झोंक दिया। स्पीकर साहब, आज सभी लोग देख रहे हैं, कि आज की सरकार ने बैकवर्ड क्लास के लिए नौकरियों में लोगों को 27 परसैंट रिजर्वेशन लागू कर दी है। इसके अलावा ऊंची जातियों में जो लोग गरीब हैं जो गरीबी रेखा के नीचे रहते हैं उनको नौकरियों में 10 परसैंट रिजर्वेशन देने का प्रावधान है। वह भी सरकार जल्दी ही करने जा रही है। स्पीकर साहब, अच्छी पार्टी के अच्छे नेता जिनकी देश के प्रति अच्छी सद्भावना होती है, ऐसे विकास के कार्य करना उनका काम है। मैं मेरे विरोधी पक्ष के भाईयों से कहना चाहूंगा कि आप तो एक प्रान्तीय पार्टी ले कर सारे देश को कंट्रोल करना चाहते हैं लेकिन ऐसा करना आपके लिए सम्भव नहीं हो सकता इसलिए आपको सोच समझ कर चलना चाहिए। आप पढ़े लिखे लोग हैं। आपको सोच समझ कर काम करना चाहिए। आप लोग सत्ता की तरफ भागते हैं। हरियाणा प्रान्त की जनता ने आपको दो बार सत्ता दी। एक बार आप को 1981 में सत्ता दी और उस समय आपको जनता ने 77 सीटें दी लेकिन आप अढ़ाई साल भी राज नहीं कर सके। दूसरी बार आपको 90 में से 85 सीटें दी और आपने लड़ झगड़ कर चार साल बड़ी मुश्किल से निकाले। आपको जनता ने देश के विकास के लिए सत्ता दी थी लेकिन आप राज नहीं चला सके। राज चलाने की बजाये आपने जनता के सामने एक बहुत बड़ा खतरा खड़ा कर दिया।

इसलिए मेरा आपसे एक सुझाव है कि आप एक अच्छे नेता होने के नाते यदि अच्छा बनना चाहते हैं तो जनता के लिए अच्छे-अच्छे काम करें, लोगों को बहका करके इस देश को खड्डे में ले जाने की कोशिश न करें। आपसे यही मेरा निवेदन है और मुझे पूरी आशा है कि आप इस पर जरूर अमल करेंगे। स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने इस साल के अन्दर 800 करोड़ रुपए की लागत से इरीगेशन का जो प्रोग्राम बनाया है वह एक बहुत ही अच्छा काम है। इस वक्त नहरों के अन्दर खेती-बाड़ी के लिए जो पानी आता है उसके अन्दर वृद्धि हुई है। हमने देखा है कि हरियाणा के अन्दर पानी काफी है और वह पानी सुचारु रूप से किसानों के खेतों तक पहुंचा दिया जाए तो उससे पैदावार बढ़ सकती है। कच्ची नहरें होने के कारण काफी सीपेज होती है अगर नहरों को पक्का कर दिया जाए, चैनल्ज को ठीक कर दिया जाए और स्प्रिंकलर सिस्टम से सिंचाई की सुविधाएं किसानों को ज्यादा दे दी जाएं तो सारे देश में हरियाणा प्रान्त एक ऐसा प्रान्त होगा जो अकेला अनाज की ज्यादा से ज्यादा पैदावार करके सारे देश का गुजारा कर सकता है। इसके लिए 800 करोड़ रुपये की लागत से हरियाणा प्रान्त ने वर्ल्ड बैंक की सहायता से यह प्रोग्राम बनाया है। इससे नहरें पक्की की जाएंगी और खेतों तक पानी पहुंचाने का पूरा प्रबन्ध किया जाएगा। सब को पता है कि आज वाटर लेवल काफी नीचे चला गया है। पीने के पानी की भी काफी समस्या हो गई है। पानी नीचे जाने की वजह से किसानों को अपने ट्यूबवैल्ज लगाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। अब ये 800 करोड़ रुपये वर्ल्ड बैंक से मिलने शुरु हो जाएंगे तो यह पानी की समस्या मैं समझता हूं कि हरियाणा प्रान्त में फिर नहीं रहेगी। जहां पर पानी नीचे चला गया है वहां पर सरकार कोशिश कर रही है कि कच्ची नहरें बना कर पानी को री-चार्ज किया जाये ताकि वाटर लेवल ऊपर आ सके। इससे किसानों को खेती के लिए पानी मिल सकेगा। यह सरकार की बहुत अच्छी प्रोग्रेसिव स्कीम है। इसके लिए सरकार हर तरह से मुबारकबाद की हकदार है।

अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से सरकार ने और भी कई नई-नई स्कीमें विभागों के लिए बनाई हैं। सरकार की योजना है कि आठवीं योजना समाप्त होने तक एक परिवार से एक व्यक्ति को रोजगार दिया जाएगा और इस प्रकार तकरीबन 5 लाख लोगों को रोजगार मिल सकेगा। यह कोई छोटी-मोटी स्कीम नहीं है। इस प्रकार की स्कीमें बना कर सरकार लोगों के दुःखदर्द को समझती है और उनकी सुविधा के लिए अधिक से अधिक प्रयत्नशील है। इसके लिए भी मैं सरकार को मुबारकबाद देता हूं।

अध्यक्ष महोदय, गवर्नर महोदय के इस अभिभाषण में साफ लिखा है कि यह सरकार शिक्षा की तरफ विशेष ध्यान दे रही है। आज की सरकार ने शिक्षा का एक बहुत बड़ा ढांचा खड़ा कर दिया है। आज से 6 साल पहले यानी जब आपकी सरकार थी तो उस समय बच्चों को नकल करवाने की प्रथा डलवा दी। यहां तक

[श्री हरि सिंह नलवा]

कि बच्चों को पेपरों के दौरान चाकू चलाना सिखा दिया। यह कोई अच्छी बात नहीं होती। हमारी मौजूदा सरकार ने इस तरफ विशेष ध्यान देकर सख्ती से कदम उठा कर नकल करने की प्रथा को खत्म किया है। हमारी सरकार ने शिक्षा के मामले में बहुत अधिक काम किया है। इस अभिभाषण में बताया गया है कि सरकार अगले साल 500 नए प्राईमरी स्कूल लड़कियों के लिए खोलने जा रही है। यह कोई छोटी-मोटी बात नहीं है। आपके समय में मेरे हल्के में कोई स्कूल अपग्रेड नहीं हुए जबकि अब इस सरकार के आने से इस साल मेरे हल्के में तीन स्कूल अपग्रेड हुए हैं। (विघ्न) आप लोग जात-पात की राजनीति करते हैं। लोगों को भड़काते हैं। जात-पात का नारा देकर और लोगों को भड़काकर देश नहीं चलता। देश चलता है लोगों को साथ लेकर। यदि आप ने सत्ता में आना है तो लोगों को भड़काना बन्द करके उनको साथ लेकर चलना सीखो तब कहीं जा कर आप लोग सत्ता में आ सकोगे। देश नारों से नहीं चलता बल्कि नीतियों से चलता है। लोगों को जोड़ना सीखो, तोड़ना नहीं। हिस्ट्री इस बात की गवाह है कि जिसने भी लोगों को मजहब के आधार पर या धर्म के आधार पर तोड़ा वह ज्यादा दिन तक कामयाब नहीं हो पाया। लोगों को एक साथ लेकर इस भारत को आजाद करवाया गया है। इसको आप तोड़ने का काम न करें तो अच्छा है, लोगों को साथ लेकर चलना सीखो। इस आजाद भारत में सब तरह के धर्म के मानने वाले लोग हैं और इस प्रान्त में भी हर धर्म में विश्वास व्यक्त करने वाले लोग रहते हैं। यहां पर हरेक व्यक्ति को बराबर का हक है। इसलिए आप लोगों से प्रार्थना है कि आप जात-पात का नारा लगा कर लोगों को मत भड़काओ। जात-पात का ढांचा तो इंसान का खड़ा किया हुआ है। आप चौधराहट का खेल न खेलें। आप लोगों की सेवा करना सीखें। यदि इसी प्रकार से आप जात-पात का नारा देते रहेंगे तो यह देश बर्बाद हो जाएगा। यह नारा आपका कुछ समय के लिए तो चल सकता है लेकिन हमेशा के लिए नहीं चल सकता। यदि आपने सत्ता हासिल करनी है तो लोगों के दिल जीत कर सत्ता ग्रहण करो, न कि भड़का कर।

स्पीकर साहब, इसलिए मैं अर्ज करना चाहता हूं कि शिक्षा के अन्दर इस सरकार ने मौरल तथा ऐथिक शिक्षा बच्चों को देने का जो कार्यक्रम इन्ट्रोडयूस करने का फैसला किया है, वह बहुत ही अच्छा काम है। देश की एकता और अखण्डता को मजबूत करने के लिए यह बहुत ही सही कदम है। देश की उन्नति के लिए इस किस्म की नीति अपनानी चाहिए जिससे स्कूलों के अन्दर बच्चों को मौरल और ऐथिक एजुकेशन दी जाए ताकि बच्चे देशभक्त बनें और वे लूटमार और लैण्ड गरबिंग न करें, चाकू मार कर किसी को जान से न मारें, किसी को लूटें नहीं और इस देश की इज्जत, माताएं और बहनें सुरक्षित रह सकें और उनको बेइज्जत न करें (विघ्न) सरकार की ऐजुकेशन की यह नीति देश के हर हिस्से को मजबूत करेगी। समाज के अन्दर जो बुराईयां फैली हुई हैं, उनको दूर करके देश की एकता और अखण्डता को

कायम रखने के लिए यही एक हल है कि बच्चों को स्कूलों के अन्दर ही मौरल और ऐथिक शिक्षा दी जाए जिससे वे अच्छे करैक्टर के लोग बनें, जुबान के पक्के बनें, काम करके और कमा कर खाएं देश में लूटखसोट को बढ़ावा न दें। अच्छी शिक्षा ही समाज में अच्छे काम करवा सकती है और गलत शिक्षा डाकू और लुटेरे पैदा करेगी। पोलिटिक्स में केवल नारे लगाने से ही काम नहीं चलता अगर राज करना है तो लोगों की सेवा करें। सेवा करने से ही मेवा मिलता है, सरकार को गालियां देने से कोई सरकार में नहीं आ सकता है। (विघ्न) इस सरकार ने शिक्षा के विकास के लिए जो कदम उठाए हैं मैं उनके लिए सरकार की बड़ी भारी प्रशंसा करता हूं। इस सरकार ने तीन कालेज और मन्जूर कर दिए हैं। (विघ्न) आपके ध्यान के लिए बताना चाहूंगा हूं कि आपके लीडर को इसराना के लोगों ने 7 लाख, रुपये इकट्ठे करके कालेज बनाने के लिए दिए थे लेकिन वहां पर कालेज नहीं बना जब कि इस सरकार ने तीन कालेज, अम्बाला, पानीपत और हिसार में एप्रूव किए हैं।

श्री सतबीर सिंह कादयान : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। जो इन्होंने इसराना में कालेज खोलने के लिए राशि का जिक्र किया है, वह वास्तव में 6 लाख रुपये इकट्ठे करके दिए गए थे और 27-3-1991 को वह मैचिंग ग्रान्ट के लिए भरे थे। (विघ्न) * * *

* * * * * * * *

* * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : इसकी यह बात रिकार्ड न की जाए। (विघ्न) कादयान साहब, कोई कवैश्चन न करें और आप अपनी जगह पर बैठें। (विघ्न) नलवा साहब, आप अपनी स्पीच जारी रखिए।

श्री हरि सिंह नलवा : अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने ऐजुकेशन को बढ़ावा देने के लिए सराहनीय पग उठाए हैं। टैक्नीकल एजुकेशन की तरफ सरकार ने विशेष रुप से ध्यान दिया है जिसकी वजह से इण्डस्ट्रियलाईजेशन में बड़ी भारी तरक्की हुई है। बड़े-बड़े इण्डस्ट्रियलिस्टस आज सारी दुनिया से हरियाणा प्रान्त की ओर आकर्षित हुए हैं। उन बड़े बड़े इण्डस्ट्रियलिस्टस की वर्कज और इंजीनियर्ज देने के लिए इस सरकार ने बड़े बढ़िया प्रोग्रामज और स्कीमें बनाई हैं और कई पोलिटैक्नीक और इंजीनियरिंग कालेज खोले हैं। इसके साथ ही स्पीकर साहब, इस सरकार ने मैडिकल शिक्षा की तरफ भी ध्यान दिया है और मैडीकल कालेज खोलने का फैसला लिया है। इसलिए मैं सरकार को बार-बार मुबारिकबाद देना चाहता हूं। जब तक प्रान्त में टैक्नीकल और मैडिकल शिक्षा का विस्तार नहीं होगा, तब तक लोग गरीबी की रेखा से ऊपर नहीं उठ सकेंगे। अगर किसी व्यक्ति को नौकरी न मिले तो टैक्नीकली एजूकेटिड होने की वजह से कोई भी व्यक्ति अपना रोजगार खोल सकता

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री हरि सिंह मलवा]

है और अपना काम-धन्धा शुरु करके बेरोजगारी से बच सकता है। आज साईंस के जमाने में टैक्नीकल शिक्षा के बिना तरक्की करना बहुत मुश्किल है। इस स्कीम से हरियाणा को बहुत शक्ति मिलेगी और लोगों को रोजगार देने में काफी सहायता मिलेगी।

इसी प्रकार हमारी सरकार "2000 ए0डी0 तक सभी के लिए "स्वास्थ्य" के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए चिकित्सा सेवाओं के विस्तार, विकास और उनमें सुधार लाने का प्रयास कर रही है और इसके लिए काफी पैसा लगाने का प्रावधान है। इस परियोजना के अन्दर 250 सब-सैन्टर्ज का निर्माण हो चुका है और 200 सब-सैन्टर्ज के भवनों का निर्माण पूरा हो जाने की संभावना है। पहले जहां पर कोई मैडीकल फैसिलिटी नहीं थी और लोगों को शहरों में जाकर मंहगी दवाईयां लेनी पड़ती थीं और कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। यह सरकार के बहुत ही सराहनीय कदम हैं। इनके लिए मैं सरकार को बधाई देता हूं।

अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से स्पोर्टस के लिए सरकार ने बहुत अच्छे कदम उठाए हैं। खेलों में अधिक लोगों की भागीदारी को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार स्कूलों तथा कालेजों में शारीरिक शिक्षा को अनिवार्य विषय के रुप में रखने के लिए विचार कर रही है। इससे एक तो स्कूलों में बच्चों की सेहत ठीक रहेगी और दूसरे बच्चों में मिल-जुल कर रहने की भावना पैदा होगी जिससे देश की एकता बढ़ेगी।

इसी प्रकार हमारे हरियाणा की महिला संतोष यादव दो बार हिमालय पर चढ़ने वाली सबसे कम उम्र की महिला हैं। इससे हरियाणा का और हमारे भारत-वर्ष का नाम सारे संसार में सबसे ऊंचा हुआ है और हरियाणा के श्री कपिल देव ने 432 टैस्ट विकेट लेकर सर रिचर्ड हैडली के विश्व कीर्तिमान को तोड़ा है जिस पर हरियाणा को गर्व है। इसी प्रकार से हमारी सरकार ने हरियाणा में क्रिकेट अकेडमी बनाने का विचार किया है। सरकार ने लड़कियों के स्कूलों में कई प्रकार की फिजीकल ट्रेनिंग देने का विचार किया है ताकि जब लड़की अकेली सड़क पर जाती है तो वह अपने आप को बचा सके। यह सरकार ने बहुत ही बढ़िया कदम उठाया है। मैं समझता हूं कि इससे बढ़िया और कोई काम नहीं हो सकता है।

अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार हरियाणा में पानी की बहुत ही दिक्कत थी। कई जगह पर पानी का लेवल बहुत ही नीचे था। जिस कारण से लोगों को पानी निकालने में बहुत ही दिक्कत आती थी। इन बातों को ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार ने 6547 गांवों में पेयजल की सुविधा उपलब्ध करवाने का लक्ष्य प्राप्त किया है। 1992-93 में 334 गांवों में पीने के पानी की सप्लाई में सुधार हुआ है। आशा है कि चालू वित्त वर्ष और वर्ष 1994-95 में 800-800 गांवों की जल वितरण की स्थिति में सुधार कर दिया जाएगा। बड़े-बड़े गांवों में 110 लिटर

प्रति व्यक्ति प्रतिदिन जल मुहैया करवाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं यह बहुत ही बड़ा कदम है । जिस के लिए मैं सरकार की सराहना करता हूं । पीने का पानी मुहैया हो जाने से इस प्रान्त के लोगों का जीवन बड़ा सुखमय बन जाएगा । इसी तरह से सरकार ने छोटे-छोटे गांव में और छोटी-मोटी ढानियों में भी पानी देने का प्रावधान किया है । लोग इस अपौरचुनिटी का फायदा उठा सकेंगे । अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से टूरिज्म में हरियाणा सरकार ने दुनिया के अन्दर और सारे देश के अन्दर बहुत अच्छा काम किया है । 1972 में जब मैं पहली बार एम0एल0ए0 बनकर आया था तब मैंने देखा था कि हरियाणा में कहीं पर भी चाय पीने तक के लिए जगह नहीं मिलती थी लेकिन आज हरियाणा में बढ़िया से बढ़िया खाना बड़े बड़े फाईव स्टार होटलों की तरह मिलता है । जैसा खाना आज आपको बड़े शहरों में मिलता है वैसा ही खाना आज हरियाणा में मिलता है । साथ ही यहां पर खाने का दाम बड़े शहरों के खाने के मुकाबले में दस गुना कम है । इतना अच्छा टूरिज्म सिस्टम हरियाणा सरकार ने बनाया है । जिससे हरियाणा में बेरोजगारी तो दूर होगी ही साथही, जो साधन सम्पन्न लोग हैं और जो लोग सफर करते हैं उनको जब कभी भी खाने की जरूरत पड़ती है तो अच्छे से अच्छा खाना यहां पर मिल जाता है । इस तरह से हरियाणा प्रान्त का नाम बहुत बड़ा होता है । अध्यक्ष महोदय, पौष्टिक खाने से दिमाग सुन्दर बनता है और जब लोगों का दिमाग सुन्दर होगा तभी लोग सुन्दर कार्य कर सकेंगे । अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से मकानों की प्राब्लम है । हरियाणा सरकार ने हाउसिंग बोर्ड तथा हुड्डा बनाकर लोगों की मकानों की प्राब्लम दूर की है । इससे गरीबों, हरिजनों व अन्य बैकवर्ड लोगों को सस्ते मकान मिल सकेंगे । जो लोग महंगे प्लाट नहीं खरीद सकते सरकार ने ऐसे लोगों के लिए यह सिस्टम बनाया है । सरकार की जो नो प्रोफिट-नो लौस बेसिज पर मकान देने की नीति है वह एक बहुत अच्छी स्कीम है । इस स्कीम से हरियाणा प्रान्त के अन्दर रहने वाले गरीब व बैकवर्ड भाईयों की रहने की समस्या दूर करने में बड़ी भारी सहायता मिलेगी । इसी प्रकार से फोरैस्ट और पोल्यूशन का जो जिक्र आज क्वैश्चन आॅवर में हो रहा था कि इंसानी जिन्दगी के लिए प्रान्त में अच्छा वातावरण पैदा करने की जरूरत है । इंडस्ट्रियलिस्ट्स और बिजनैस मैन को अपने प्रान्त में अटरक्ट करने के लिए यह जरूरी है कि यहां का वातावरण पौल्यूशन फ्री हो । अगर यहां पर पोल्यूशन होगा तो लोग यहां आना पसन्द नहीं करेंगे । स्पीकर सर, पोल्यूशन खत्म करने के लिए सरकार ने जो स्कीम बनायी है और बजट के अन्दर इसके लिए जितना पैसा रखा है इससे हरियाणा की उन्नति में चार चांद लगेंगे । इसी प्रकार से सरकार की हरियाणा में दरख्त लगाने की स्कीम है । दरख्त लगाने से प्रान्त में हरियाली ही हरियाली नजर आएगी । गर्मियों में इनसे ठंडी हवा आएगी और सर्दियों में ठंडी हवा रुकेगी । इसके अलावा अगर ओले पड़ेंगे तो भी वह दरख्तों पर ही पड़ेंगे । नेताओं के सिर पर ओले नहीं पड़ेंगे (हंसी) स्पीकर सर, इस तरह से यह सरकार हर सैक्टर में जो उन्नति के कार्य कर रही है वह बहुत सराहनीय है ।

[श्री हुरि सिंह बलवा]

कोई भी सैक्टर ऐसा नहीं छोड़ा है जहां पर सरकार ने काम न किया हो तथा इस प्रान्त के लोगों की गरीबी व बेरोजगारी दूर करने में क्रियाशील न हो । इस तरह से स्पीकर सर, सरकार ने जो हर सैक्टर में पैसे लगाने का इरादा किया है वह बहुत ही नेक काम है और प्रान्त के लोगों की बड़ी भारी सेवा का काम है । ट्रांसपोर्टेशन के बारे में मैं कहना चाहूंगा कि जिस प्रान्त में ट्रांसपोर्टेशन अच्छा नहीं होगा, वहां इंडस्ट्रियलिस्ट नहीं आएगा इसलिए ट्रांसपोर्ट की फैसिलिटी देना बड़ा जरूरी है क्योंकि गांव में रहने वाले लोगों को शहर और दूसरी जगहों पर जाना होता है । पैसे की कमी की वजह से सरकार इतनी बसें तो खरीद नहीं सकती इसलिए सरकार ने प्राइवेट लोगों को परमिट देने का सिस्टम बनाकर बहुत अच्छा काम किया है इससे जो नौजवान बेरोजगार हैं उनको रोजगार तो मिलेगा ही, साथ ही साथ प्रान्त के गांव के अन्दर बसे हुए लोगों को, जिनकी ओर पिछली सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया उनको ट्रांसपोर्टेशन की फैसिलिटी भी मिलेगी । सरकार ने को-आपरेटिव सोसायटी बनाकर प्राइवेट लोगों को परमिट देने का जो फैसला लिया है, यह बहुत बड़ा कदम है । इससे गांधी जी का गांव के अन्दर छोटे-छोटे उद्योग लगाने का जो सपना था वह भी साकार हो सकेगा । इससे लोगों को बड़ी भारी सहूलियत मिलेगी इसके लिए मैं अपनी सरकार को मुबारकबाद देता हूं ।

इसी प्रकार से सरकार ने को-आपरेटिव बैंक बना दिए हैं । इसमें बैकवर्ड क्लासिज, शिडयूल्ड कास्टस के लोगों के लिए एवं औरतों के उत्थान एवं उनको रोजगार देने के लिए 123 करोड़ रुपया रखा गया है । हरियाणा में जो भाई गरीबी की रेखा से नीचे निर्वाह कर रहे हैं, उनको गरीबी की रेखा से ऊपर लाने के लिए यह एक बहुत बड़ा कदम है । अब कोई भी लैन्डलैस, कोई भी भाई लोन ले सकता है । खेती करने वाले किसानों को यदि बीज और खाद सही समय पर मिल जाए तो उनकी उपज में काफी बढ़ोतरी होती है और जब पैदावार बढ़ती है तो न सिर्फ किसानों को बल्कि पूरे प्रान्त के लोगों को फायदा होता है और सरकारी खजाने में भी अधिक पैसा आता है । सरकारी खजाने में अधिक पैसा आएगा तो और अधिक उन्नति के कामों पर लगेगा । दूसरे, देश के किसी हिस्से में यदि अनाज कम पैदा होता है वहां अनाज पहुंचाने में भी मदद मिलेगी । इसके अलावा, सरकार ने जो सबसे बड़ा काम किया है वह है फूड एण्ड सप्लाई का डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम । हरियाणा प्रान्त के अन्दर कई लोग गरीबी की रेखा से नीचे रहते हैं। हरियाणा में 6745 गांव हैं और फेयर प्राइस शाप 7354 हैं । वहां बसने वाला गरीब आदमी अगर सस्ते दाम पर अच्छा माल खरीदना चाहे तो वह फेयर प्राइस शाप से ले सकता है और अपनी जो मेहनत की कमाई है, उसको ध्यान में रखते हुए आराम से गुजारा कर सकता है। अगर ये फेयर प्राइस शाप न हों तो गरीब आदमी के लिए अपनी आमदनी के अन्दर निर्वाह करना कठिन हो जाता है ।

इसी प्रकार से सरकार ने सेल्ज टैक्स बैरियर और octroi इन सबको खत्म

कर दिया है । माल प्रैक्टिस होती थी इसको सरकार ने देखा कि पब्लिक को बड़ी तकलीफ हो रही है बैरियर समाप्त होने से ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने में भी काफी मदद मिलेगी । यह एक बहुत ही क्रान्तिकारी कदम है और इस कदम के लिये मैं हरियाणा की सरकार को तेहदिल से मुबारिकबाद देता हूं । इसी प्रकार से चाहे गरीब लोगों की बात हो । जो बच्चे इंजीनियरिंग कालेज में नहीं पढ़ सकते उनके लिए 140 आई० टी० आई० सारे प्रान्त में खोल दिये गये हैं ताकि गरीब आदमी का बच्चा भी वहां पर जाकर आराम से टैक्नीकल शिक्षा लेकर किसी कारखाने वगैरह में नौकरी प्राप्त कर सकता है या अगर वह नौकरी प्राप्त नहीं कर सकता है तो किसी कोआप्रेटिव बैंक से कर्जा लेकर अपना काम-धन्धा शुरू कर सकता है क्योंकि उसके पास आई० टी० आई० होने के नाते बेसिक टैक्नीकल नो-हाऊ तो है । इस तरह से वह अपना जीवन निर्वाह कर सकता है । तो इस तरह से यह सरकार चारों तरफ से हर सैक्टर में जागरूक है कि किस प्रकार से लोगों के लिये काम किया जाये । मुझे पूरा विश्वास है कि हरियाणा की जनता भी इस सरकार को मजबूत करना चाहती है । वह इसे इतनी मजबूत कर देगी कि जितने भी लोग यहां पर बैठे हैं, वह इसे महसूस करेंगे । इस साल की नीतियों की वजह से विकास की गति तेज होगी और इस के लिये हरियाणा की जनता इस सरकार के हाथ मजबूत करेगी । हरियाणा सरकार के हाथ मजबूत होने से भारतवर्ष की एकता और अखंडता मजबूत होगी । इन्हीं शब्दों के साथ अन्त में मैं गवर्नर महोदय ने यह जो इतना अच्छा अभिभाषण दिया है, जिसमें सरकार की उन्नति और विकास की नीतियां दर्शायी गयी हैं, उसके लिये धन्यवाद प्रस्ताव करते हुए मैं अपना स्थान लेता हूं ।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला (बल्लभगढ़) : अध्यक्ष महोदय, सदन में राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर हमारे वरिष्ठ सदस्य श्री हरि सिंह नलवा जी ने जो धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया है, मैं उसका अनुमोदन करने के लिए खड़ा हुआ हूं । राज्यपाल महोदय ने हमारे सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देकर हरियाणा प्रदेश की समस्त जनता के उज्जवल भविष्य की कामना की है । अध्यक्ष महोदय, पाकिस्तान और अन्य भारत विरोधी ताकतों ने राष्ट्रीय एकता और अखंडता को एक गम्भीर चुनौती दी है । इस चुनौती का सामना करने के लिये हमारे देश की जो आर्म्ड फोर्सिज हैं, वह पूर्ण रूप से सक्षम हैं । देश की और राष्ट्र की एकता और अखंडता और गौरव की रक्षा करने के लिए प्रान्त के लोग ही नहीं बल्कि देश की आर्म्ड फोर्सिज इतने सक्षम हैं कि सारी दुनिया के देश उसको एक सक्षम आर्म्ड फोर्स मानते हैं । आज जहां राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में देश की आर्म्ड फोर्सिज के बारे में विचार रखे हैं, वहां अध्यक्ष महोदय, हम सभी हरियाणा-वासियों के लिये भी यह बड़े ही फख्र और गौरव की बात है । हरियाणा एक कृषि प्रधान प्रदेश है । कृषि के उत्पादन में हरियाणा का सारे देश में नाम है । कृषि के बारे में देश में हरियाणा को रीढ़ की हड्डी माना जाता है । इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है । लेकिन जहां तक देश की आर्म्ड फोर्सिज की बात है, जहां तक

[श्री राजेन्द्र सिंह बिसला]

देश में लड़ने की शक्ति की बात है, यह हमारी गौरवशाली परम्परा रही है । इस बारे में यदि मैं यह कहूं कि हरियाणा देश की एक रीढ़ की हड्डी रहा है तो इसमें भी कोई अतिशयोक्ति नहीं है यह हमारे लिए बड़े ही गौरव की बात है । आजादी के बाद चाहे 1962 में चायना ऐग्रैशन हो और पाकिस्तान के तीन हमले हों, राष्ट्रीय स्तर पर जहां सेना की लड़ने की ऊंची परम्परा रही है और जहां सेना में सिख हैं, मराठा हैं, राजपूत हैं और गोरखा हैं जिनको कि बहुत अच्छा फाइटर माना जाता है वहां दूसरी तरफ युद्ध के इतिहास में हरियाणा के जाट की, अहीर की, गूजर की, रोड़ की और बिश्नोई की बहुत अच्छी भूमिका रही है । इन्होंने साबित किया है कि they are one of the best fighters against the enemies. यह बहुत ही फख्र की बात है । हरियाणा के हमारे बहुत से नौजवान इन युद्धों में प्रिजनर आफ वार रहे हैं और बहुत लोग जख्मी हुए हैं । हमारे परिवार के बहुत लोग इन युद्धों में शहीद हुए हैं । हमारे यहां के एक ब्रिगेडियर होशियार सिंह 1962 की लड़ाई में शहीद हुए थे । वे सारवोल गांव के थे । स्पीकर साहब, हमारी सेना का इतिहास बताता है कि हरियाणा का नौजवान चाहे वह किसी भी परिवार का हो वह युद्ध से कभी नहीं भागा और उसने कभी भी युद्ध में पीठ नहीं दिखाई । हमारा इतिहास रहा है कि हरियाणा का नौजवान युद्ध में पीठ दिखाकर नहीं भागता । उन्होंने हमेशा राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अपना खून बहाया है और अनेकों परिवारों के बच्चे शहीद हुए हैं । 1962 की लड़ाई में हमारे क्षेत्र के ही जो एक आफिसर थे और जिनका नाम छत्रपति था, शहीद हुए थे । वे गूजर परिवार से थे । स्पीकर साहब, जहां तक राष्ट्र की अखंडता और एकता को बचाने की बात है वहां हम कोई भी कुर्बानी देने से पीछे नहीं रहेंगे । आज पाकिस्तान विदेशियों से मिलकर हमारे देश को तोड़ना चाहता है और अपने स्वार्थों को पूरा करने के लिए अस्थिरता पैदा करना चाहता है, इस बात को मद्देनजर रखते हुए सेना के प्रति हमारे प्रदेश का जो योगदान है उसका हरियाणा के लोगों को बड़ा भारी गर्व है । स्पीकर साहब, हर हरियाणवी को इस बात का फख्र है कि देश की रक्षा करने में हरियाणवी लोग हमेशा आगे रहते हैं और तन मन धन से देश के लिए न्यौछावर करने में कभी पीछे नहीं रहते । हमारी संसद ने पाकिस्तान की गतिविधियों के विरुद्ध सर्वसम्मति से जो प्रस्ताव पारित किया है हरियाणा की जनता उसका समर्थन करती है । स्पीकर साहब, आज चाहे हम किसी भी पार्टी से ताल्लुक रखते हों और किसी भी पार्टी की सरकार हो उसको जानने के लिये कि वह कितनी अच्छी सरकार है और क्या उसकी प्राथमिकताएं हैं उसको मानने का जो मापदण्ड है, उसको जानने का जो तरीका है और जो मेयरमैंट है वह यह है कि उस प्रदेश के अन्दर कितना भाई-चारा है, कितनी आपस में सदभावना है और कितना ला एण्ड आर्डर उस प्रदेश के अन्दर है । अध्यक्ष महोदय, बहुत ही फख्र की बात है कि आज काश्मीर से लेकर कन्या कुमारी तक हिन्दुस्तान में सारे प्रदेशों में सब से बढ़िया ला एण्ड आर्डर अगर किसी प्रदेश के अन्दर है और बढ़िया ला एण्ड आर्डर माना जाता है तो वह हरियाणा प्रदेश का है और इस का

श्रेय चौधरी भजन लाल को जाता है, इसका श्रेय चौधरी भजन लाल के नेतत्व को जाता है । अध्यक्ष महोदय, चाहे हम अपने प्रदेश के इर्द गिर्द देखें और चाहे हम केरल को देखें सब से अच्छा ला एण्ड आर्डर हमारे यहां पर है । अभी कुछ दिन पहले हमारी पी०ए०सी० कमेटी आपकी इजाजत से बाहर के प्रदेशों में गई थी जिसमें सभी पार्टीज के यानि एस० जे० पी० के और बी० जे० पी० के तथा कांग्रेस के सदस्य थे और जब हम सभी लोग राजनीति से हटकर बैठते हैं और बात करते हैं तो पता लगता है कि काश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक जितना भाई चारा, जितना कुशल प्रशासन और अमन चैन तथा शान्ति हमारे प्रदेश के अन्दर है उतनी किसी भी प्रदेश के अन्दर नहीं है । इस बात को दूसरे प्रदेशों के लोग भी मानते हैं । वे यह मानते हैं कि हरियाणा ने सभी क्षेत्रों में तरक्की की है । हमारा आप का भाई चारा दूसरे प्रदेशों से सब से अच्छा है । यह हमारे लिए बहुत ही फख्र की बात है । स्पीकर साहब, इस सब का श्रेय चौधरी भजन लाल को जाता है ।

अध्यक्ष महोदय, आप अच्छी प्रकार से जानते हैं कि जब हमारे हरियाणा का इस बार चुनाव हुआ था तो सारा हरियाणा जात-बिरादरी, धर्म शहर और देहात और अलग अलग गोलों में बंटा हुआ था, बिखरा हुआ था और आज बहुत ही खुशी की बात है कि हरिजन, बैकवर्ड क्लासिज हो चाहे कोई स्वर्ण जाति का हो, चाहे किसी भी दूसरी जाति का हो, सब को एक समान समझा जा रहा है । यह एक बहुत अच्छा लक्षण हमारी सरकार का है । किसी भी प्रकार का कोई जात पात का भेदभाव नहीं है। (शोर) अध्यक्ष महोदय, इन लोगों को इस तरह से बीच में उठकर नहीं बोलना चाहिये लेकिन मैं आदरणीय चौटाला साहब को इस बात के लिये धन्यवाद देता हूं कि जब से वे सदन के सदस्य बने हैं, उन्होंने सदा ही यह कोशिश की है कि इन सभी साथियों को यह बताया जाए कि इस सदन में चुने हुए प्रतिनिधियों का क्या रोल होता है और इस महान सदन में हमारी सब की क्या-क्या ड्यूटीज हैं, क्या-क्या कर्तव्य हैं लेकिन फिर भी भाई राम कुमार कटवाल जैसे माननीय सदस्य को अभी और ट्रेनिंग की आवश्यकता है, हालांकि सुना है कि चौटाला साहब रोजाना कई कई घण्टों इन भाईयों को समझाने बुझाने के लिये क्लास लेते हैं । उनको इन सभी बातों के बारे में बताते हैं । पर मेरे ख्याल में भाई कटवाल जी शायद इनके काबू से बाहर प्रतीत होते हैं । (शोर) इन को यह बताने की अभी आवश्यकता है कि इस हाउस में बैठने के बाद यह देखना अत्यन्त जरूरी है कि इस महान सदन की कोई मान मर्यादाएं हैं कि किस तरीके से इस हाउस में बोलना चाहिये। (शोर)

अध्यक्ष महोदय, इससे आगे मैं यह बताना चाहता हूं कि आप को पता है कि अच्छे एडमिनिस्ट्रेशन के लिये, ला एण्ड आर्डर को मेनटेन करने के लिये सिविल प्रशासन को चलाने के लिये पुलिस फोर्स का बड़ा भारी रोल होता है । यह फख्र की बात है कि हमारे हरियाणा के पुलिस के प्रमुख श्री रुद्रा जी, डी० जी० पी० हैं । वे एक ईमानदार व श्रेष्ठ आई०पी०एस० अधिकारी हैं और सारे देश के एक डिसटिंगविशड

[श्री राजेन्द्र सिंह बिसला]

आई0पी0एस0 अधिकारियों में से एक हैं जिन्होंने अपनी मेहनत, ईमानदारी और कर्मठता से हरियाणा की फोर्स को इस तरह से तैयार किया है ताकि हरियाणा की फोर्स अपने प्रदेश का नाम ऊंचा करे। अपनी फोर्स को पूरी तरह से सक्षम करने का पूरा प्रयास किया है। इसके लिये हरियाणा के डायनामिक मुख्य मन्त्री महोदय, चौधरी भजन लाल और पुलिस चीफ श्री रुद्रा जी सचमुच में बधाई के पात्र हैं।

अध्यक्ष महोदय, अभी तलवा साहब ने अपने प्रस्ताव पर बोलते हुए कई एक बातों का यहां पर जिक्र किया है। उन्होंने बोलते हुए नेशनल हाई वे व स्टेट हाईवेज पर बैरियर्ज पर आने वाली दिक्कतों का भी जिक्र किया है और हमारा यह बैटर ऐक्सपीरिऐन्स रहा है कि लोगों को सेल्ज टैक्स व आक्ट्राय बैरियर्ज पर काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ता था, लोगों को उन बैरियर्ज के कारण काफी परेशानी थी। हम ने यह देखा है कि बैरियर्ज पर कई कई घण्टों तक ट्रकों की, दूसरे वाहनों की, व बी0 आई0 पीज0 जिनमें किसान लोग भी शामिल हैं, की लम्बी कतारें लगी रहती थीं, जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था और लोग काफी परेशान थे, समय बरबाद होता था। जो ट्रक वहां पर खड़े होते थे, वे स्टार्ट रहते थे, उनका तेल जलता था जिससे प्रदूषण फैलता था और बड़ा भारी नेशनल लॉस होता था और इस तरह के बैरियर्ज से छोटे छोटे कर्मचारियों को करप्शन करने का भी मौका मिलता था। यह सरकार बधाई की पात्र है कि इसने सभी फिजूल के बैरियर्ज को हटाने का प्रावधान किया है। ऐसा करने से ट्रैफिक की फ्रीली मूवमैंट होगी। जो लोग टैक्स या आक्ट्राय की चोरी करते हैं, उनको एक जगह न रोक कर, उनकी कहीं पर भी चैकिंग की जा सकती है। इन बैरियर्ज को हटाने के लिए लोगों की बहुत समय से डिमांड चली आ रही थी। अब यह बड़ी खुशी की बात है कि ये बैरियर्ज हटा दिए जाएंगे। इससे हरियाणा के लोगों को सुख मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, बिजली और सिंचाई के बारे में हमारे सभी माननीय सदस्य चिन्तित हैं चाहे वे किसी भी पार्टी के हों। चाहे गवर्नर एडरैस पर बहस हो रही हो या बजट पर आम चर्चा हो रही हो, उस समय सभी सदस्य बिजली और सिंचाई के बारे में अपने अपने विचार रखते हैं और हरियाणा के लोगों की चिन्ता को व्यक्त करते हैं। हरियाणा सरकार ने इस बारे में एक बहुत ही अच्छा कदम उठाया है। हमारे बजट में 23 प्रतिशत से ज्यादा बिजली के लिए और 18 प्रतिशत से ज्यादा सिंचाई पर खर्च होगा। बिजली के 220 के0 वी0, 66 के0 वी0 और 33 के0 वी0 के स्टेशन बनेंगे। यमुनानगर में 840 मैगावाट का पावर हाउस बनने जा रहा है और इसी तरह से 400 मैगावाट का गैस बेस्ड थर्मल प्लांट फरीदाबाद में बनने जा रहा है और 210 मैगावाट के छठे यूनिट का निर्माण पानीपत में चल रहा है। इसी तरह से एक हजार मैगावाट का ताप बिजली घर हिसार में बनेगा। अध्यक्ष महोदय, बिजली का जो संकट है वह बात से या भाषण से समाप्त नहीं हो सकता बल्कि इसका समाधान तो तभी हो सकता है जब हम पावर जनरेट करेंगे। हमारे विपक्ष के लोग भाषण

देते हैं कि बिजली के बिल मत दो । ये लोगों को भड़काते हैं कि बिल न देने की वजह से अगर आपकी बिजली कट जाती है तो आप अपने घरों में लम्बी तारें रखें और सीधी पोल के साथ जोड़ लें । आज की सरकार बिजली की सभी स्कीमों को प्राथमिकता दे रही है । चौधरी भजन लाल ने इस समस्या को न केवल एक जाति, बिरादरी या एक वर्ग को मानते हुए लिया है बल्कि सारे हरियाणा को एक मान कर लिया है । जिस तरह से खून के बगैर आदमी का शरीर नहीं चल सकता उसी तरह से बिजली के बगैर हरियाणा नहीं चल सकता । हरियाणा की जो स्टैबिलिटी है या जो हमारा स्तर है, उसको मान कर ये बड़ी भारी स्कीमें बनाई गई हैं । इन सब स्कीमों पर वर्ल्ड बैंक से या दूसरी फाइनैंशियल एजेंसीज से धन उपलब्ध करवा कर शीघ्र काम चालू किया जा रहा है । मैं तो यह कहूंगा कि राजनीति में हमेशा एक ही आदमी पावर में नहीं रहता लेकिन कुछ नेता ऐसे होते हैं जो अपनी जनता के लिए कुछ ऐसे निर्णय कर जाते हैं जिन्हें आने वाली जनरेशन याद रखती है । मैं इस बारे में चौधरी भजन लाल जी की जितनी प्रशंसा करूं उतनी थोड़ी है । इन कामों में थोड़ा समय लगेगा क्योंकि कोई पावर हाउस एक दिन में तो बन नहीं सकता । ये सारे टैक्नीकल काम हैं बड़े प्रोजैक्ट्स हैं इन सबको यह सरकार चौधरी भजन लाल जी के नेतृत्व में पूरा करवाएगी । मैं कहता हूं कि आगे आने वाले 20 साल तक हरियाणा के अन्दर बिजली की कोई समस्या नहीं होगी । इसके लिए सरकार बहुत सिंसियर एफर्ट्स कर रही है । सरकार ने बिजली की समस्या का जो समाधान किया है उसके लिए मैं सरकार को बधाई देता हूं । इसके अलावा स्पीकर साहब, मैं एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि हमारे प्रदेश में शिक्षा के अन्दर भी विशेष उन्नति हुई है । अध्यक्ष महोदय, मेरे कई साथियों ने कौपिंग के बारे में बड़ी भारी चिन्ता व्यक्त की है । हमारे प्रदेश के अन्दर एग्जामिनेशन के दौरान नकल करने की बहुत बीमारी है । उसमें विशेष कर बड़े दुर्भाग्य की बात है कि हमारे गावों के अन्दर जितने भी एग्जामिनेशन सैंटर्ज हैं उनमें जाने अनजाने में उन बच्चों के पेरेन्टस या उनके बड़े भाई बच्चों को नकल कराने के लिए जाते हैं । वहां पर ऐसा लगता है जैसे कोई लड़ाई लड़ी जा रही हो । वे लोग सैंटर्ज पर लाठियां ले कर जाते हैं । लेकिन हमारे माननीय मुख्य मंत्री चौधरी भजन लाल जी और हमारे शिक्षा मंत्री मुलाना साहब ने हमारे एजुकेशन बोर्ड का एक बहुत ही अच्छे आदमी श्री गक्खड़ साहब को चेयरमैन लगाया है । वे बहुत ही बड़े और उच्चकोटि के एजुकेशनिस्ट हैं । उन्होंने कहा है कि हम सरकार के हर विभाग से और हर हरियाणवी से सीधा सहयोग ले करके जो नकल करने की बीमारी है, जो हरियाणा प्रदेश के माथे पर एक कलंक है इसको मिटाएंगे और शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाएंगे । अध्यक्ष महोदय, शिक्षा के बारे में हमारे प्रदेश में एक बहुत अच्छी योजना है जो हमारी सरकार ने चालू की हुई है । सारे देश में हरियाणा प्रदेश एक ऐसा प्रदेश है जहां पर महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा शिक्षित करने के लिए विशेष कार्यक्रम और विशेष नीति बनाई गई है । हमें इस बात का फख्र है कि हमारी सरकार ने बी० ए०

[श्री राजेन्द्र सिंह बिसला]

और एम0ए0 तक लड़कियों की शिक्षा फ्री की है। सारे देश में हरियाणा प्रदेश एक ऐसा प्रदेश है जहां पर लड़कियों को बी0 ए0 और एम0 ए0 तक की शिक्षा फ्री दी जाती है। इस बात के लिए हमारी सरकार की जितनी प्रशंसा दूसरे प्रदेशों में की जाती है वह हमारे लिए बड़े फख्र की बात है। अध्यक्ष महोदय, आप स्वयं भी बहुत बड़े एजुकेशनिस्ट हैं और हरियाणा प्रदेश की जितनी भी आर्य समाज की व अन्य शिक्षा संस्थाएं हैं उन सब के साथ आप जुड़े हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, जब तक बच्चों को शारीरिक और नैतिक शिक्षा नहीं देंगे तो नौजवानों को कोई लाभ नहीं होगा। जहां तक पहली कलास का संबंध है उसके लिए नये सिरे से बच्चों के लिए पाठ्यक्रम तैयार किया जा रहा है। इन पाठ्यक्रमों में राष्ट्र की, महा पुरुषों की और जो हमारा पहले का इतिहास है इन सबको उसमें जोड़ा जा रहा है। उससे हरियाणा प्रदेश की और सारे देश की युवा पीढ़ी को काफी फायदा होगा। आज सारे देश की युवा पीढ़ी जिस तरीके से अपराधीकरण की तरफ बढ़ रही है उसको तभी रोका जा सकता है जब उनका अच्छा चरित्र और सही राष्ट्रीय दृष्टिकोण होगा तथा वे जात-बिरादरी और संकुचित दृष्टिकोण से ऊपर उठेंगे। यदि ऐसा हो जाएगा तो हरियाणा प्रदेश निश्चित रूप से एक बहुत ही विकास का कार्य करेगा। अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ साथ मैं कृषि के बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। कृषि के बारे में हमारे लिए यह एक बहुत फख्र की बात है कि आज पंजाब के बाद सारे देश में हरियाणा प्रदेश सबसे ज्यादा खाद्यान्न उत्पन्न करता है। हरियाणा प्रदेश एक कृषि प्रधान प्रदेश है। हरियाणा प्रदेश ने कृषि के क्षेत्र में काफी प्रगति की है। खेती को उन्नत और आधुनिक बनाने के लिए हमारी सरकार ने अनेकों प्राथमिकताएं तय की हैं। हमारा कृषि विभाग बहुत अच्छी नीतियां और प्रोजक्ट्स तैयार कर रहा है जिनसे सारे के सारे किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ हो। जैसे प्रमाणित बीज है, खाद है, कीट नाशक दवाईयां हैं। ऐसी साईंटीफिक स्कीमों के तहत किसानों को जरूरी चीजें उपलब्ध करवाई जाती हैं।

12.00 बजे | इस तरीके का बढ़िया सिस्टम सिवाय हरियाणा प्रदेश के, किसी और प्रदेश में नहीं है। इसके लिए जितनी बधाई सरकार को दी जाये, कम है। अध्यक्ष महोदय, हमारे विपक्ष के साथी जो किसानों के बारे में, देहात के बारे में बोलते हैं और भाषण देते हैं, इनके भाषणों में कोई ठोस नीति लोगों की भलाई के लिए नजर नहीं आती। अध्यक्ष महोदय, सरकार बधाई की पात्र है कि डाइवर्सिफिकेशन आफ एग्रीकल्चर जो एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है, आप स्वयं भी जानते हैं क्योंकि आप भी किसान हैं। आज किसान एक एक या दो दो एकड़ जमीन का मालिक रह गया है। इतनी कम जमीन में गेहूं या गन्ने की फसल पैदा करके वह अपना गुजारा नहीं कर सकता। इस फसल से उसको बहुत कम बचता है और इस आमदनी से गुजारा नहीं हो सकता। हमारी सरकार ने बड़ी अच्छी नीति बनाई है। इस बारे में मैं आपको एक व्यवहारिक बात जो प्रैक्टिकल रूप में मेरे जिले में हो रही है, बताना चाहता हूं। हार्टिकल्चर

विभाग ने बागबानी और फूलों की स्कीम बनायी है उससे लोगों को बहुत अधिक फायदा हो रहा है । मिसाल के तौर पर दिल्ली के आसपास के जिलों, जैसे फरीदाबाद, गुड़गांव, सोनीपत के जिले हैं, उनके किसानों के बच्चे फूलों को इकट्ठा करके उनकी गठड़ी बांध कर, रेल में बैठ कर, दिल्ली जाते हैं । मेरे हल्के में ऐसे 25–30 कार्यक्रम चल रहे हैं । मैंने उन बच्चों से पूछा कि आप इन फूलों आदि को बेच कर दिन में कितना कमा लेते हो । उन्होंने बताया कि इन फूलों को वे 400–500 रुपये में, एक दिन में बेच जाते हैं । इतनी अच्छी स्कीम जो सरकार ने चलाई हुई है, इसके लिए हमारी यह सरकार बधाई की पात्र है । अध्यक्ष महोदय, आज सारे देश में ही नहीं, बल्कि विश्व में हमारे प्रान्त ने मशरूम की फसल में नाम कमाया है । यह खुम्बी की जो फसल है, इससे भी किसानों को काफी फायदा हो रहा है । इतनी अधिक यह फसल सिवाय हरियाणा के, और कहीं पर नहीं होती । इस फसल की देख रेख के लिए हरियाणा सरकार ने मूरथल के पास एक लैबोरेटरी भी स्थापित की है ताकि किसानों को अच्छे बीज आदि मिल सकें । इसी प्रकार से हरियाणा एग्रो-इण्डस्ट्रीज कार्पोरेशन, इस फसल के लिए एक्सपोर्ट ओरियएन्टिड प्रोजैक्ट, तकरीबन 11–12 करोड़ रुपये का बनाने जा रही है । यह भी अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि होगी । हरियाणा ने यह फसल न केवल दिल्ली में भेजी है बल्कि बम्बई, कलकत्ता और दूसरे दूर-दूर के प्रदेशों में भेज रहा है । हमारे यहां पर बहुत ही अच्छी क्वालिटी की मशरूम पैदा होती है और दूसरे प्रदेशों में भेजी जा रही है । हरियाणा सरकार ने जो ऐसी ऐसी स्कीमें बनाई हैं, उससे किसानों को काफी फायदा पहुंच रहा है । मैं फिर कहना चाहता हूं कि बागबानी और फूल वगैरह का जो व्यापार है यह छोटे छोटे किसानों के लिए बहुत ही लाभदायक है । क्योंकि नौकरी तो हम हरेक को दे नहीं सकते लेकिन छोटे छोटे किसानों को जो दिल्ली के आस पास के जिले हैं, उनको ऐसी-ऐसी स्कीमें बना कर दे रहे हैं ताकि उनको अधिक से अधिक फायदा हो सके । यह एक बहुत अच्छी बात है । इसी प्रकार से हमारी सरकार ने किसानों और मजदूरों का ध्यान रखते हुए पशु धन की तरफ भी विशेष ध्यान दिया है । यह बड़ी खुशी की बात है कि हमारी सरकार ने पशु धन के सुधार के लिए बहुत अच्छे अच्छे निर्णय लिए हैं । स्पीकर साहब, हर पटवार सर्कल में पशु डिस्पैंसरियां खोली जा रही हैं, यह बहुत ही अच्छा निर्णय सरकार ने किया है । यहां पर बताया गया है कि जिला स्तर पर पोली-क्लीनिक खोले जा रहे हैं, यह बहुत ही जरूरी चीज है । अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि आज बहुत ज्यादा महंगाई है और अच्छी गाय या भैंस 25–30 हजार रुपये से कम नहीं आती । जब पशु बीमार होता है और उस समय अगर मैडिकल ऐड पशु को उपलब्ध न हो सके तो पशु मर सकता है जिसकी वजह से गरीब किसान को बड़ा भारी नुकसान होता है । 25–30 हजार रुपये का पशु एक किसान के लिए दोबारा खरीद पाना बहुत ही मुश्किल है । यह बहुत ही खुशी की बात है कि हर जिला स्तर पर पोलीक्लीनिक खोले जाएंगे । जिस प्रकार इन्सान की बीमारी के लिए हर प्रकार के उपकरण हैं, उसी

[श्री राजेन्द्र सिंह बिसला]

प्रकार पशुओं की बीमारी के लिए भी उपकरण हैं और बीमारी में उनका एक्स-रे वगैरा लिया जा सकेगा । (घण्टी) इस प्रकार पशुओं को चिकित्सा सुविधा दिए जाने की योजना बहुत ही अच्छी है । अध्यक्ष महोदय, यह बड़े ही फख्र की बात है कि हरियाणा प्रदेश स्वर्गीय राजीव गांधी जी के स्वप्न को साकार करने जा रहा है । श्री राजीव गांधी जी का यह स्टैंड था कि पावर को डि-सैंट्रेलाईज किया जाए । श्री राजीव गांधी जी ने आजीवन संघर्ष किया । गरीब हरिजन, किसान, चाहे कोई पहाड़ पर रहने वाला हो, चाहे कोई गरीब समुद्र के किनारे पर रहता हो, मछली पकड़ने वाला है । उनकी कठिनाईयों के बारे में उन्हें बड़ा भारी ज्ञान था । अपने जीवन के अन्त में वे इस निर्णय पर पहुंचे कि जब तक हम सत्ता का डि-सैंट्रेलाईजेशन नहीं करेंगे तब तक देश का उद्धार नहीं हो सकता । 85 करोड़ का यह देश जब सारे का सारा सत्ता के साथ जुड़ेगा, तभी सब का कल्याण हो सकेगा । केवल एम0 पीज0, एम0 एल0 एज0 और औफिसर्ज ही देश के सभी वर्गों का भला नहीं कर सकते हैं, इस पावर को जब तक नीचे के स्तर के आदमी तक डि-सैंट्रेलाईज नहीं करेंगे, चुने हुए प्रतिनिधियों को पावर नहीं देंगे तब तक देश के अन्दर प्रजातन्त्र मजबूत नहीं होगा और प्रजातन्त्र का भविष्य उज्जवल नहीं होगा । स्वर्गीय राजीव गांधी जी का स्वप्न संविधान का 73 वां संशोधन था, जिसको लागू करने के लिए हरियाणा सरकार ने मन बना लिया है । इसी ऐक्ट के मुताबिक चुनाव वगैरा होंगे, यह श्री राजीव गांधी जी को बहुत ही अच्छी श्रद्धांजलि है और इससे प्रजातन्त्र मजबूत होगा । इससे महिलाओं, अनुसूचित जातियों और पिछड़ी जातियों के लोगों को प्रतिनिधित्व मिलेगा । अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही फख्र की बात है कि इसकी शुरूआत हरियाणा प्रदेश से होने जा रही है । अध्यक्ष महोदय, जहां तक प्रदेश में उद्योग लगाने की बात है, आज हरियाणा में देश का सर्वोत्तम औद्योगिक ढांचा है । अध्यक्ष महोदय, आप जब फरीदाबाद या गुड़गांव जाएंगे तो आप यह महसूस करेंगे कि आप जापान, जर्मन या यूरोप में जा रहे हैं । जब आप गुड़गांव हाईवे पर जाते हैं तो जापान के सहयोग से उद्योग लगाया गया है और फरीदाबाद में जर्मन के सहयोग से उद्योग लगाए गए हैं । इतनी बढ़िया और शानदार स्कीमें और प्रोजैक्ट हमारे प्रदेश में आए हैं, उसके लिए हमारे आदरणीय मुख्य मन्त्री जी बधाई के पात्र हैं । उनके सफल प्रयासों से ही यह सब सम्भव हो सका है । उनका यह प्रयास है कि हरियाणा बसी, चाहे वह शहर का रहने वाला है, चाहे देहात का रहने वाला है, कैसे इस की आय को बढ़ाया जाए और किस तरह से हर हरियाणवी के लिविंग स्टैंडर्ड को ऊपर उठाया जाए । गुड़गांव आज इलैक्ट्रानिक सिटी बनता जा रहा है । कितना बड़ा कन्सैप्ट जापान के लोगों ने दिया है । जापान के लोगों की जो सोच है, वही सोच हमारे हरियाणवी नौजवान की भी होगी । जब हमारा हरियाणा का नौजवान जापान और जर्मन की इलैक्ट्रानिक सोच का बनेगा तो स्पीकर साहब, आप स्वयं अनुभव कर सकते हैं कि हमारे प्रदेश का कितना विकास होगा । हरियाणा प्रदेश के नौजवानों को रोजगार मिलेगा और भयंकर बेरोजगारी से प्रदेश को छुटकारा मिलेगा । स्पीकर

साहब, एक परिवार एक रोजगार स्कीम के तहत, 5 लाख व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाने की स्कीम है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार का यह बहुत ही अच्छा निर्णय है। हर परिवार में कोई न कोई एक आदमी ऐसा होना चाहिये जिसकी इन्कम अच्छी हो।

अध्यक्ष महोदय, खेलकूद के क्षेत्र में हमारी सरकार ने बहुत अच्छी स्कीमें बनाई है और प्रदेश ने बहुत तरक्की की है। हमारे लिए बहुत ही गर्व की बात है कि हमारे प्रदेश की सन्तोष यादव विश्व में सबसे कम उम्र की लड़की है जो हिमालय की चोटी पर दो बार चढ़ गई है और श्री कपिल देव बहुत ही बढ़िया अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी है, जिन्होंने विश्व रिकार्ड तोड़ा है और नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह हमारे लिए बहुत ही फख्र की बात है। आज हमारी सरकार कपिल देव को सम्मानित करने जा रही है। यह बहुत ही सराहनीय बात है।

अध्यक्ष महोदय, नेशनल और स्टेट हाई-वे जो हैं और दिल्ली को जितने भी रास्ते जाते हैं, वे ज्यादातर हमारी स्टेट में से हो कर गुजरते हैं। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पंजाब का जितना भी ट्रैफिक है, वह हमारी स्टेट से होकर निकलता है, जिस के कारण हमारे प्रदेश में बहुत पोल्यूशन है और बहुत ही ज्यादा दुर्घटनाएं होती है जिस के कारण लोगों की मृत्यु होती है। बल्लबगढ़ में कंक्रीट की जो सड़क है, वह सारे देश में सबसे बढ़िया किस्म की है। अध्यक्ष महोदय, जो रुके हुए कार्य-क्रम थे, मुख्य मन्त्री जी ने उनको चालू करवाया है। आज फोर लेनिंग का काम चालू है। यह हमारी सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि है। जैसा कि भाई हरि सिंह नलवा ने एक्सप्रेस सर्विस की बात की है, इस पर लाखों रुपया खर्च होगा। लेकिन इससे हमारे यहां के लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा। (घन्टी) अध्यक्ष महोदय, मैं दो मिनट में खत्म करता हूं। अध्यक्ष महोदय, प्रदेश में जो चहुंमुखी विकास हुआ है, वह इस सरकार ने चौधरी भजन लाल जी के नेतृत्व में किया है।

महर्षि दयानन्द एक बहुत बड़े आर्य समाजी थे। उन्होंने अपनी पुस्तक "सत्यार्थ प्रकाश" में लिखा है कि मनुष्य के पूर्ण विकास के लिए मनुष्य का, समाज का सर्वांगीण विकास तभी माना जाता है जब मनुष्य का सामाजिक, शारीरिक और आत्मिक विकास हो। इनमें से अगर एक भी कम हो तो मनुष्य का पूरा विकास नहीं माना जाता। आज हमारी सरकार ने जो बहुत से निर्णय लिये हैं, उसकी जो नीतियां हैं, वे महर्षि दयानन्द की बातों से प्रेरणा लेकर बनाई हुई हैं। हमारी सरकार ने विशेष रूप से चौधरी भजन लाल जी ने हरियाणा के अन्दर ऐसी अनेकों नीतियां चलाई हैं, जिनसे हर हरियाणवी का सामाजिक और आर्थिक विकास हो। विकास के जो भी कार्यक्रम हैं, वह हर स्तर पर चलाए गए हैं। महर्षि दयानन्द जी की बातों से प्रेरणा लेकर हमारी सरकार ने जो प्रदेश के अन्दर लोकप्रिय कार्य किए हैं या कर रही है, इन सबके लिए मैं सरकार को और चौधरी भजन लाल जी को धन्यवाद देता हूं, और यह जो धन्यवाद प्रस्ताव नलवा जी ने रखा है, मैं उसका अनुमोदन करता हूं।

Mr. Speaker : Motion moved—

That an Address be presented to the Governor in the following terms :—

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 28th February, 1994."

Hon'ble Members, I have received a notice of amendment from Sarvshri Bansi Lal, Om Parkash Jindal, Chhattar Singh Chauhan, Attar Singh, Ram Bhajan Aggarwal, Karan Singh Dalal and Smt. Janki Devi Mann, M.L.As. This notice of amendment will be deemed to have been read and moved.

"That in the motion, the following be added at the end, namely:-—

"but regret that no mention has been made of:

1. Concrete steps which the Government proposes to take to arrest price-rise and bring back the price-line to January 1993-level.

2. Concerete steps proposed to be taken by the Government to streamline the deteriorating Public Distribution system.

3. To facilitate the formation of Co-Operative Societies of the unemployed educated youth in the State which would be preferred for the allotment of Bus-route permit, Agencies like Gas, Petrol Pump, Tractors, Four Wheelers, Motor Cycles, Scooters, Cars, Trucks, Cement Kerosin Oil etc. and contracts for developmental works like digging/desilting canals, construction work of Govt. and all the corporations and autonomous bodies only be allotted to the Cooperative Societies of the educated youth of the State.

4. Declaration of Government intention to nationalise all the mines in the State to prevent looting of precious resources of the State by the vested interests.

5. Intention of the Government to allow police personnel to form Association.

6. Declaration of the intention of the Government to ban colonization by private parties and to have it done only through HUDA, Cooperative Societies of unemployed educated youth. Housing Board to put a step to exploitation of the public by the private colonisers.

7. Scheme for giving employment to the members of each family in the State even though he or she may be unfortunate to have remained uneducated by a definite date.

8. Concrete steps which the Government proposes to take to complete SYL canal to facilitate the farmers to irrigate their fields in the State.

9. Eradication of un-cleanliness in villages by a definite date."

प्रो० सम्पत सिंह (भट्टूकलां) : स्पीकर सर, मैं गवर्नर ऐड्रेस पर धन्यवाद के प्रस्ताव पर कुछ कहने से पहले एक बात कहना चाहता हूं कि जिन दो खिलाड़ियों का जिक्र गवर्नर साहब ने अपने ऐड्रेस में किया है, उनके बारे में पार्लियामैंट की तरह ही एक प्रस्ताव इस हाउस को भी पास करना चाहिए। संतोष यादव और कपिल देव को उनकी उपलब्धियों के लिए इस हाउस को भी उनको मुबारिकबाद देने के लिए एक रैजोल्यूशन लाना चाहिए। इनको जो उपलब्धि रही है, यह सराहनीय है। इससे हरियाणा का नाम ऊंचा हुआ है क्योंकि ये दोनों ही खिलाड़ी हरियाणा से बिलौंग करते हैं। जिस तरह से पार्लियामैंट के प्रस्ताव

में कहा गया है कि इन्होंने देश का नाम ऊंचा किया है, उसी तरह से इस हाउस को भी उनके बारे में एक रैजोल्यूशन लाना चाहिए।

स्पीकर सर, अब मैं गवर्नर ऐड्रस पर कहना चाहता हूं कि कल गवर्नर साहब यहां पर आए थे और हमने जो गवर्नर ऐड्रैस का बायकाट किया था, उसके कई कारण थे। गवर्नर ऐड्रैस जो तैयार किया गया था वह ऐसी सरकार के द्वारा तैयार किया गया था जो हरियाणा में ऐग्जिसटैंस में नहीं है। आज हरियाणा में कानून नाम की कोई चीज नहीं है, आज सारे हरियाणा में जंगल राज है। आज हरियाणा प्रदेश में रोजाना हत्या, अपहरण, बलात्कार, चोरी, डकैती और इस तरह के अन्य कार्यों की झड़ी सी लगी हुई है। स्पीकर सर, आज चोरी का माल भी थानों में बरामद हो रहा है। थाने तो माल की बरामदगी किया करते हैं लेकिन हरियाणा में थानों में चोरी का माल बरामद हो रहा है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि हांसी में थाने में चोरी का माल बरामद किया गया है। किसी भी आदमी के जानमाल की सुरक्षा नहीं है। पता नहीं आज हरियाणा में किसका राज है। एक सी0 एम0 विद-इन हाउस अरैस्ट हैं, एक सी0 एम0 विद इन ब्रैकिट (सी0एम0) में है। अगर टैलीफोन जाता है तो दोनों यह कहते हैं कि सी0एम0 साहब बात करेंगे। अधिकारी बड़े अचम्भे में रहते हैं कि किसकी बात को माने और किसकी बात को न माने। एक डिज्यूरो 'सी0एम0' है, एक डी-फैक्टो 'सी0एम0' है।

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, आप ही बता दें कि आपमें से डिज्यूरो कौन है और डिफैक्टो कौन है ?

प्रो0 सम्पत सिंह : स्पीकर सर, मैं तो डिज्यूरो हूं और डिफैक्टो चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी हैं। मैं इसको ऐडमिट करता हूं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि वह हमारे लीडर हैं। तो स्पीकर सर, मैं कह रहा था कि हरियाणा में किस तरह के हालात हैं। फाईनैंशियल क्राइसिज है। आज कोई डिवलैपमैंट के काम नहीं हो रहे हैं। सरकार के पास कर्मचारियों को तनख्वाह देने के लिए पैसा नहीं है। इसी तरह से दस परसैन्ट की कटौती प्लानिंग में की गई। (विघ्न)

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं (विघ्न)—

श्री अध्यक्ष : बीरेन्द्र सिंह जी, इस तरह से इन्ट्रप्ट न करें।

Chaudhri Birender Singh : I want your ruling, Sir. The Leader of the opposition has himself said, "I am not the Leader of the Opposition, I am the leader". This is what he has said.

Prof. Sampat Singh : I have not said that, I am not the Leader of Opposition. I am the Leader of Opposition. I have said that Ch. Om Parkash Chautala is my leader outside the House. आपकी तरह से नहीं कि जिलों में कुछ कहेंगे और चंडीगढ़ में कुछ कहेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, मेरी आपसे गुजारिश है कि बीच में दखलंदाजी न हो। (शोर)

Chaudhri Birender Singh : To straighten the record, I want to know whether the Leader of Opposition has said that I am not the Leader of Opposition, I am the leader only on the papers and my leader is Ch. Om Parkash Chautala.

श्री अध्यक्ष : बीरेन्द्र सिंह जी, आप बैठ जाइए।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, इसी तरह से फाईनैंशियल क्राइसिज आई है। प्लान का 10 परसैंट कट करना पड़ा है। न बिजली है, न पानी है महीने में एक सप्ताह भी पीने का और नहरों का पानी नहीं मिल रहा है, उत्पादन प्रभावित हो रहा है। खाद, बीज और कीटनाशक दवाइयां गायब हो चुकी हैं। लैन्ड ग्रैबिंग मूवमैंट की तरह चल रही है। हर जगह से सस्ते अनाज के डिपो गायब हो चुके हैं, उनके जो दरों के बोर्ड लगे थे, उन पर आज कल लिखा होता है—Jobs are for sale on such and such prices. इस तरह के हालात हो रहे हैं, साथ में मिनिस्टर क्या कहते हैं ? आज बैठे हैं, चेहरे बुझे हुए हैं, सारे के सारे कहते हैं कि हमारी कोई चलती नहीं है, हमें कोई चपरासी पूछता नहीं है, हमारा कोई जिक्र नहीं है, सबके ऐसे हालात हैं, इस तरह की इनकी पोजीशन हो रही है।

दर्जन * * * * एस हालात आज आपके सामने हैं, इम्पलौयीज के हालात आपने देखे.....(विघ्न)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सम्पत सिंह जी ने जो क्रिमिनल केसिज वाली बात कही है, यह रिकार्ड पर नहीं आनी चाहिए। यह बिल्कुल बेसलैस और बे-बुनियाद बात है।

श्री अध्यक्ष : क्रिमिनल केसिज वाली बात रिकार्ड पर न लाई जाए।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, हमने तो यह सोचा था कि गवर्नर साहब कोई लम्बा भाषण करने के बजाए 2-3 लाइन का भाषण करके कहेंगे कि इस सरकार की संविधानिक मशीनरी फेल हो चुकी है, इसलिए मैं इस सरकार को डिसमिस करता हूं, असैम्बली डिजौल्व करता हूं for fresh elections लेकिन स्पीकर सर, 23 पेज का जो गवर्नर ऐड्रेस हो गया, इसलिए हमें उस पर बोलना पड़ रहा है। स्पीकर सर, इनकी जितनी मीटिंग्स, जितनी सभाएं हैं, बिना सरकारी मशीनरी के सारी फ्लौप हो रही हैं। चाहे कहीं भी मीटिंग करें, सरकारी कर्मचारी और लेबर, मजदूर, फैक्टरी से लाने पड़ते हैं, उन्हें हरियाणा रोडवेज की बसों में ढो-ढोकर लाते हैं और मीटिंग करते हैं। एक मिनिस्टर के हल्के में मीटिंग हो रही थी। मुख्य मंत्री जी वहां गए थे वहां बच्चे

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

बैठे थे, इन्होंने पूछा बच्चों को क्यों बैठा रखा है ? इनके अधिकारियों ने कहा कि अगर इनको उठा दिया गया तो यहां सुनने वाला कोई नहीं बचेगा। यहां सुनने के लिए या तो सरकारी अधिकारी हैं या बच्चे हैं।

स्पीकर सर, यह सरकार लोगों का कौन्फीडैन्स लूज कर चुकी है। मेरे काबिल साथी नेहरा साहब बसंत पंचमी के अवसर पर सर छोटू राम जयन्ती के एक समारोह में बहादुरगढ़ गए थे। वहां इनकी सभा में सिर्फ 50 आदमी गए थे। सर छोटू राम की जयन्ती हो और उनके नाम पर सिर्फ 50 आदमी इकट्ठे होते हैं। उनका नाम बदनाम करते हैं। लोग तो इसलिए नहीं आए क्योंकि लोग इनकी शक्ल नहीं देखना चाहते। इसलिए लोग वहां पर नहीं गए थे। लेकिन यह लोग नाम लें छोटू राम का, यह गलत बात है। स्पीकर साहब, इसी तरह से श्री आनन्द सिंह डांगी मिनिस्टर हमारे सामने बैठे हैं। इनकी हालत जो है, वह आपके सामने है। यह भी रोहतक में चौधरी छोटू राम जयन्ती के मौके पर बोल रहे थे। बोलते हुए यह चौधरी देवी लाल की शान में कुछ कह गए। लोगों ने उसी टाईम खड़े होकर इनको रीबफ किया और सतब किया। स्पीकर साहब, लोगों ने इनको न बोलने के लिए मजबूर कर दिया। ऐसी पोजीशन इन मिनिस्टर्ज की हो रही है। एक मेरे साथी चौधरी छतर पाल सिंह जी भी यहां पर बैठे हैं। उन्होंने हाल ही में अपने हल्के में बोलते हुए एक बात कही है। जब ये हसनगढ़ में जाते हैं, तो वहां जाकर क्या भाषण करते हैं ? कहते हैं कि चौधरी देवी लाल देवता समान आदमी हैं। चौधरी देवी लाल किसानों के मसीहा हैं। (व्यवधान व शोर)

तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री (प्रो0 छतरपाल सिंह) : इस बारे में टेप-रिकार्ड भी है और वीडियो भी है। आप टेप देख लेना, सब पता चल जाएगा।

प्रो0 सम्पत सिंह : वह तो मंगवा लिया होगा। (व्यवधान व शोर) वह तो सी0 एम0 साहब ने मंगवा लिया होगा। तो स्पीकर साहब, मैं यह कह रहा था कि यह चंडीगढ़ में आये। जाट महासभा की तरफ से एक फंक्शन हो रहा था। जो उसके अध्यक्ष थे, जब इनका गुणगान करने के बाद वे बोल रहे थे तो उन्होंने इनसे क्या कहा ? वे इनको सम्बोधित करते हुए यह कहते हैं कि हरियाणा प्रदेश के अन्दर यह बड़े ही दुर्भाग्य की बात है कि जो जाट अफसर हैं, उनकी फाईल पर 'जे' लिख दिया जाता है ताकि अनुकूल फैसला न किया जाए। इनकी प्रेजैन्स में यह बात कही गयी है। इससे फालतू कोई अनफार्चूनेट बात और कोई नहीं हो सकती। इनकी एकाउन्टेबिलिटी कोलैक्टिव होती है। यह बात इनकी प्रेजैन्स के अन्दर हुई है। (व्यवधान व शोर)

वैयक्तिक स्पष्टीकरण—

तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री (प्रो0 छतरपाल सिंह) द्वारा—

तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री (प्रो0 छतरपाल सिंह) : आन ए प्वायंट आफ पर्सनल

[प्रो० छत्तरपाल सिंह]

एक्सप्लेनेशन, सर । स्पीकर साहब, मेरे साथी प्रोफैसर सम्पत सिंह जी ने दो संदर्भों में मेरा जिक्र किया । एक तो इन्होंने हसनगढ़ का जिक्र किया कि मैंने चौधरी देवी लाल को देवता और मसीहा कहा । अब मैं इनको सदन में साथी कहने लग रहा हूं । इसका मतलब यह नहीं है कि यह बहुत बढ़िया आदमी हैं । यह तो विधान सभा की मर्यादा है । हसनगढ़ में जो बात हुई है, वह मैं बताना चाहता हूं । मैंने यह कहा था कि छोटू राम जी किसानों के सम्बन्ध में दीनबन्धू इसलिए कहलवाये क्योंकि उनके साथ गरीब और मजदूर आदमी थे । छत्तीस बिरादरियों के वह मसीहा थे । इसके बाद मैंने चौधरी चरण सिंह का और जगजीवन राम का जिक्र किया क्योंकि उन्होंने रूरेलाईट्स या देहातियों के लिए काफी काम किया । जब मैंने चौधरी देवी लाल की बात शुरु की तो मैंने यह कहा कि हालांकि चौधरी देवी लाल ने विपक्ष से चुनाव लड़े थे, उम्र का तकाजा यह है कि मैं उनके बारे में ज्यादा चर्चा न करूं और उनके बारे में कोई अपशब्द न कहूं । वह किसानों के देवता बनने के लिए चले थे । किसानों ने उन पर यकीन करके उनको बहुत ऊंचा बिठा दिया था लेकिन उसके बाद जितना कुछ चौधरी देवी लाल को किसानों की शक्ति के आधार पर मिला था, वह सारा उन्होंने श्री-श्री 1008 श्री ओम प्रकाश चौटाला के कदमों में डाल दिया । उसके बाद जो नवभारत टाईम्ज में छपा कि "ओम प्रकाश देवता और सबसे बड़ा अपराधी छत्तरपाल" उसका जिक्र सम्पत सिंह जी ने इस सदन में नहीं किया । वह इसलिए नहीं किया क्योंकि उन सारी बातों का बखान करना पड़ेगा । हसनगढ़ के बाद चण्डीगढ़ की जाट सभा का जिक्र किया । यह कहते हुए चर्चा करी कि "जे" शब्द लगा दिया जाता है । मैंने बड़े फख्र के साथ एक बात कही थी । यहां पर भी फिर कहता हूं । मैं सरकार का एक मंत्री हूं । मैं अपने समाज की मीटिंग में आया हुआ हूं । मैंने तो "जे" शब्द किसी फाईल पर लिखा हुआ नहीं देखा । रोजाना हजारों फाईलें आती-जाती हैं । हमने जो शपथ ली है कि हम किसी जाति-विशेष , वर्ग-विशेष या व्यक्ति विशेष के साथ या खिलाफ बायस्ड एटीच्यूड से काम नहीं करेंगे, वह गलत होगी । अगर हम ऐसा करते तो यह सरकार पलट गई होती, यह सरकार नहीं रही होती । इस तरह के शब्द हमारे किसी भी साथी ने नहीं कहे । हमारा कोई भी साथी इस मंशा से काम नहीं करता । मैंने यह कहा था कि जो सुनने में आता है और अपोजीशन के जो लोग बार-बार इस बात को उछालना चाहते हैं और हमारी सरकार पर ब्लेम लगाना चाहते हैं, इस बारे में हम कांसटैन्टली विजिलैंट हैं कि हमारा कोई साथी या कोई मन्त्री ली गई शपथ के विपरीत तो काम नहीं कर रहा है । आज यह सरकार चौधरी भजन लाल के नेतृत्व में शानदार काम कर रही है । जाति विशेष और व्यक्ति विशेष के खिलाफ कोई बात सामने रखकर हमारी सरकार द्वारा कोई फैसला नहीं किया जाता ।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, यह ठीक बात है । चीफ मिनिस्टर के चैम्बर में सफाई देने के लिए यह बात कही होगी लेकिन बाकी बातें जो इन्होंने कहीं, वे तो वही कहीं थीं जो मैंने कहीं हैं ।

प्रो० छत्तरपाल सिंह : स्पीकर साहब, हमारे कार्यकर्ता, हमारे विधायक और हमारे मन्त्री जो बात चैम्बर में करते हैं, वही बात स्टेज पर करते हैं। हम किसी बात को ओन करने से कभी नहीं डरते।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, जो मैंने कहा है वह ठीक है। पहले अखबार में बाकायदा बयान आ गया और बाद में इन्होंने अपनी सफाई में बयान दिया। ऐसा बयान क्यों दिया गया, स्पीकर साहब, इसके लिए बाकायदा एक नौजवान साथी खुद मुख्य मन्त्री ने इनके पास भेजा कि मामला क्या है ? छत्तरपाल क्यों नाराज हैं। पता लगा कि कोई सर्विस का मामला था। किसी मन्त्री का तो आदमी लग गया और इनका आदमी नहीं लगा। स्पीकर साहब इसी तरह से हमारे एक और काबिल मन्त्री हैं। उनके पास होम डिपार्टमैंट है। उनका बयान अखबार में आया कि मुझे वायरलैस नहीं मिला, मुझे हवलदार और सिपाही नहीं मिले और मुझे कन्टैसा गाड़ी नहीं मिली।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री सुभाष बतरा) : स्पीकर साहब, इस किस्म का कोई बयान अखबार को मैंने नहीं दिया। मुझे उस आदमी की तलाश थी जिसका इस बयान के पीछे हाथ था। आज मुझे पता लग गया कि सम्पत सिंह का हाथ उस बयान के पीछे है। मैं इनको बताना चाहता हूं कि होम डिपार्टमैंट में मेरी पावर क्या है, इससे इनको पता लग जाएगा अगर ये कोई कानून तोड़ने की बात करें। प्रो० सम्पत सिंह कानून तोड़ कर दिखाएं और फिर देख लें कि मेरे क्या अख्तियार हैं। इनको पता लग जाएगा। आप कानून और व्यवस्था को तोड़कर दिखाएं और फिर देख लें कि मेरे क्या अख्तियारात हैं।

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, अभी होम डिपार्टमैंट की बात यहां हो रही है। यह अच्छी बात है कि मेरे साथी श्री बतरा जब जाएं तो बैंड बिगुल न बजें, बिल्कुल सन्नाटा रहे। अगर इनको वायरलैस नहीं चाहिए तो हमें क्या एतराज हो सकता है। इनको कन्टैसा कार नहीं चाहिए तो अच्छी बात है। इन्होंने यह बात कही है कि मुझे कुछ नहीं चाहिए, हमें क्या एतराज हो सकता है। अब स्पीकर साहब, मैं दूसरी बात करता हूं।

अब मैं विशेषकर इरीगेशन और पावर के बारे में कहना चाहता हूं। जहां तक इरीगेशन का सवाल है, आज हरियाणा प्रदेश में इसके तीन सोर्स हैं। पहला सोर्स यमुना, दूसरा सोर्स भाखड़ा और तीसरा सोर्स रावी व्यास का पानी। जहां तक यमुना के पानी का सवाल है, इसका बंटवारा वन्स फार आल डिसाइडिड हो चुका है। इसका 2/3 पानी हरियाणा का है और 1/3 यू०पी० का है। पिछले दिनों सैन्ट्रल वाटर रिसोर्सिज मिनिस्टर ने एक मीटिंग बुलाई थी जिसमें चीफ मिनिस्टर साहब गए थे।

[प्रो0 सम्पत सिंह]

तब हमने ब्यान दिया था कि अगर यह मीटिंग यमुना वाटर शेयरिंग के बारे में है तो आप उसमें मत जाएं। अगर यह मीटिंग हथनी कुंड बैराज को बनाने के बारे में है तो आप जरूर जाएं। उस मीटिंग का एजेंडा ही वाटर शेयरिंग के बारे में था कि कितना-कितना शेयर होगा ? इन प्रिंसिपल मान लेना कि हिमाचल का इतना शेयर होगा, दिल्ली का इतना होगा और राजस्थान का इतना होगा यह भी गलत बात है। आज पंजाब के मुख्य मन्त्री भी बार-बार अैट करते हैं, उनके ब्यान आते रहते हैं कि एस0 वाई0एल0 नहर का निर्माण यमुना वाटर के साथ लिंकड है जबकि पंजाब का इसमें कोई हिस्सा नहीं बनता। इसके बावजूद भी इनका उस मीटिंग में जाना यह सिद्ध करता है कि इन्होंने उसको मान लिया है। हमारी सरकार के समय एक बार मुझे ऐसी मीटिंग में जाने का मौका मिला था। मैंने एक मिनट में मीटिंग कनक्लूड कर दी और मैं मीटिंग छोड़ कर आ गया था। मैंने कहा था कि इसमें इनका हिस्सा नहीं है इसलिए यह मीटिंग बुलाने का कोई मतलब नहीं है। ये यमुना के पानी को खोते जा रहे हैं। स्पीकर साहब, जब भाखड़ा मेन लाइन बनी थी तो उसकी कैपेसिटी साढ़े बारह हजार क्यूसिक्स की थी। उसके बाद उसके किनारे कमजोर होने और सीपेज की वजह से उसकी कैपेसिटी घटती चली गई। हमारी सरकार ने 1990 के अन्दर पंजाब सरकार को उसकी रिपेयर के लिए 1 करोड़ 90 लाख रुपए दिए थे। उन्होंने उसमें से 1 करोड़ 70 लाख रुपए खर्च कर दिए और आज तक 20 लाख रुपए खर्च किए बिना उनके पास पड़े हैं। आज उस नहर की रिपेयर का एस्टीमेट 8 करोड़ रुपए का है और आज पंजाब सरकार ने उस पर काम बन्द कर रखा है। मुख्य मंत्री जी कहते हैं कि बेअंत सिंह मेरे दोस्त हैं। ठीक है हमें कोई एतराज नहीं कि वे इनके दोस्त हैं लेकिन ये उनसे अपना काम तो करवाएं। आज उस नहर की कपेसिटी सात हजार क्यूसिक से ज्यादा नहीं रह गई है। अगर रैजरवायर के अन्दर पानी होगा तो भी वह इस नहर के अन्दर पूरा कैसे आएगा ? उसकी कैपेसिटी आज खत्म होती जा रही है और इस सरकार का उस तरफ कोई ब्यान नहीं जा रहा है। इसी तरह से राजी ब्यास के पानी की बात थी। जब से एस0वाई0एल0 नहर पर काम शुरु हुआ है तब से लेकर हर गवर्नर एड्रैस में उसका जिक्र आता रहा है। स्टेट गवर्नमैंट गवर्नर का एड्रैस तैयार करती है और उसमें दर्शाती रही है कि पिछले साल सरकार की क्या परफारमैंस रही और आने वाले साल में क्या होगी ? लेकिन इस एड्रैस में एम्ज एंड आबजैक्टस के अन्दर कहीं भी एस0 वाई0एल0 नहर का जिक्र नहीं है। मैंने इस एड्रैस को रात देर तक पढ़ा लेकिन मुझे एस 0 वाई0एल0 का नाम कहीं नजर नहीं आया तो इससे शर्मनाक बात क्या हो सकती है ? क्या यह सरकार एस0वाई0एल0 के नाम से भाग रही है। ऐसे लगता है कि पंजाब के मुख्य मंत्री से इनका गुप्त समझौता हो चुका है कि ब्यान-बाजी करते जाओ और करना कुछ भी नहीं। मुख्य मंत्री जी ने माना है कि जब चन्द्र शेखर जी प्रधान मन्त्री थे तो उन्होंने उस समय इस नहर का काम 21-2-91 को बी0आर0ओ0 को दिया था। मुख्य मन्त्री जी ने यह भी माना था कि चूंकि उस समय चन्द्र शेखर जी को कांग्रेस

की स्पोर्ट थी और हमने उनको इसके लिए परसुएड किया था। अच्छी बात है आपने उसको परसू कर लिया लेकिन आज इनकी अपनी सरकार क्या कर रही है। सैंटर में कांग्रेस पार्टी की सरकार है, पंजाब में कांग्रेस पार्टी की सरकार है और हरियाणा में भी कांग्रेस पार्टी की सरकार है उसके बावजूद भी ये लोग उसकी तरफ ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसका मतलब यह है कि इनके एजेन्डे से एस0वाई0एल0 नहर खत्म हो चुकी है। अब ये ब्यान देते हैं कि एस0वाई0एल0 नहर एक साल में पूरी हो जाएगी। स्पीकर साहब, एक साल में 365 दिन होते हैं। अब इन्होंने पी0एच0डी0 की हुई है, हो सकता है इनके हिसाब से एक साल में 365 से फालतू दिन हों। इस बारे में भी इन्होंने कोई नई रिसर्च कर ली होगी। आज अढ़ाई पौने तीन साल हो गए लेकिन इनके अभी तक 365 दिन पूरे नहीं हुए हैं। अब कहते हैं कि एस0वाई0एल0 नहर 6 महीने में पूरी हो जाएगी। अब इन्होंने 6 महीने की मियाद लगा दी। मैं कहता हूं कि ये 6 महीने एस0वाई0एल0 नहर की मियाद नहीं है यह इनकी अपनी मियाद है। जिस तरह से 1986 में ये मरा हुआ सांप चौधरी बंसी लाल जी के गले में डाल कर चले गए थे उसी तरह से ये अब नेहरा साहब, अरोड़ा साहब या ए0सी0 चौधरी के गले में डाल कर चले जाएंगे और बाद में कह देंगे कि क्या करूं मेरी टर्म 6 महीने से पहले चली गई वरना मैं इसको पूरी कर लेता। स्पीकर साहब, अब आने वाले समय में एस0वाई0एल0 नहर को पूरा करने का खर्चा 500 करोड़ रुपए से कम नहीं होगा। उसको बनाने का काम आज स्टार्ट कर लें आने वाले तीन साल से पहले उसका काम पूरा नहीं होगा। उसके अन्दर 263 ब्रिचिज आई हुई हैं और जो लाईनिंग की डैमेज है वह अलग है। इसके अलावा सिरसा एक्वाडैक्ट के काम बाकी हैं उसके सारे मैटीरियल को रीकलैक्ट करने में आप कम से कम एक साल लगा देंगे। मेरे कहने का मतलब यह है कि आप एस0वाई0एल0 नहर को कम्पलीट करवाने के लिए सीरियस नहीं हैं। स्पीकर साहब, 21 सितम्बर को मुख्य मंत्री बेरी में गए थे। वहां पर इन्होंने बयान दे दिया कि 2 अक्तूबर को प्रधान मन्त्री जी सोनीपत आएंगे और वहां पर उस दिन वे एस0वाई0 एल0 नहर का काम स्टार्ट करने की घोषणा करेंगे। हमने सोचा यह बहुत अच्छी बात है। हमने इनकी उस बात का वैलकम किया कि पी0एम0 साहब सोनीपत आएंगे और एस0वाई0एल0 नहर का काम स्टार्ट करने की घोषणा करेंगे। हमने उस समय यह सोचा कि सबसे पहली हमारी पार्टी होगी जो इस काम की घोषणा के लिए पी0एम0 साहब को थैंक्स भेजेगी। स्पीकर साहब, अनफार्चुनेटली पी0एम0 साहब वहां नहीं आए। क्यों नहीं आए, इस बारे में मुख्य मंत्री जानें? हो सकता है उनकी मंशा भी एस0वाई0एल0 को कम्पलीट न करवाने की हो। इस वजह से नहीं आए हों। यदि और कोई कारण है तो उसके बारे में मुख्य मंत्री स्वयं बता देंगे।

इसके अलावा स्पीकर साहब, जहां तक पावर का सवाल है कहा गया कि पावर की स्थिति सुधर गई है। मेरे साथी राव बंसी सिंह जी जो इस समय हाउस में नहीं हैं, वे खुद नांगल सरोही गए थे। वहां पर उनका लोगों ने दो घंटे तक घेराव किया और कहा कि 15 दिन से बिजली नहीं आ रही

[श्री० सम्पत सिंह]

है । पावर मिनिस्टर साहब कहते हैं कि मैंने वहां पर दो महीने लगा दिए । मैं कहता हूं कि चाहे आपने 6 महीने लगा दिए हों लेकिन पावर की हालत बहुत खराब है । आप इस बारे में राव बंसी सिंह जी से पूछ सकते हैं । बिजली के रेटस का जिक्र आया । स्पीकर साहब, एक तरफ बिजली नहीं है और दूसरी तरफ डौमैस्टिक कंज्यूमर्ज और कौमर्शियल कंज्यूमर्ज से फ्यूअल चार्जिज लेने की बात है । पहले डौमैस्टिक कंज्यूमर्ज और कौमर्शियल कंज्यूमर्ज से फ्यूअल चार्जिज नहीं लिए जाते थे, अकेले इंडस्ट्रीयल कंज्यूमर्ज से लिए जाते थे लेकिन इस सरकार ने डौमस्टिक कंज्यूमर्ज और कौमर्शियल कंज्यूमर्ज दोनों कैटेगरीज पर फ्यूअल चार्जिज लगा दिए । इसके अलावा, मैं एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि अब कोई किसान ट्यूबवैल तो लगा ही नहीं सकेगा क्योंकि इस सरकार ने ऐडीशनल लोड का ट्रांस्फार्मर लगाने के लिये एक हजार रुपए पर हार्स पावर रेट बढ़ा दिया है । यदि कोई किसान ट्यूबवैल लगाना चाहे तो उसको एक हजार रुपया पर हार्स पावर देना पड़ेगा । यदि 10 हार्स पावर की मोटर लगेगी तो उसको 10 हजार रुपए देने पड़ेगें और 2 हजार रुपए सिक्योरिटी के देने पड़ेंगे । ट्रांस्फार्मर से ट्यूबवैल तक की तारों का खर्चा 50 रु० प्रति मीटर लगेगा, यदि दूरी 500 गज है तो एक ट्यूबवैल पर 30—35 हजार रुपए कुल खर्चा आएगा । इसी तरह से डौमैस्टिक कंज्यूमर्ज को 85 रुपये की बजाए 300 रुपये देने पड़ेगें और दुकानदार को 500 रुपये से एक हजार रुपए तक देने पड़ेगें । शायद मुख्य मन्त्री जी को मालूम होगा कि निंगथला गांव में 300 हरिजन परिवार मणियों की माला बना कर बेचते हैं और अपना गुजारा करते हैं, उनको भी यह कह दिया गया है कि आप कौमर्शियल सैक्टर में आते हैं । स्पीकर साहब, वे गरीब हरिजन परिवार मणियों की माला बना कर बेचते हैं, उनको कहते हैं कि ये कौमर्शियल सैक्टर में आ रहे हैं अतः एक हजार रुपये प्रति कनैक्शन उनसे पैसे मांगे जा रहे हैं, नोटिस दिये जा चुके हैं । इस तरह के ये हालात कर रहे हैं और फिर कह रहे हैं कि हम बिजली का सुधार कर रहे हैं । पानीपत थर्मल प्लांट की चारों यूनिट 23 तारीख से कोयले की कमी की वजह से बन्द पड़ी हैं । इनके पास पैसे की कमी है जिस कारण ये कोल इण्डिया को पैसे देकर कोयला नहीं उठा पा रहे । कोल इंडिया कंपनी इनसे 100 करोड़ रुपये मांग रही है । जहां तक यूनिट नं० 1 की बात है, उसकी रिपेयर का काम हमारे समय शुरू हुआ था । उस समय थोड़ा बहुत रिपेयर का काम बाकी रह गया था । उस समय इस यूनिट पर 5 करोड़ रुपये का प्रावधान करके रिपेयर का काम शुरू किया गया था । अब पिछले डेढ़ साल से इस यूनिट नं० 1 ने 10—12 मैगावाट से ज्यादा बिजली पैदा नहीं की है । जब तक 10—12 मैगावाट से ज्यादा बिजली पैदा नहीं हो जाती, उस समय तक ग्रिड में बिजली ही नहीं जा सकती । जहां तक 5वीं यूनिट की बात है, उसकी जनरेशन का काम भी हमारे समय में पूरा हुआ था । छठी यूनिट लगाने की स्कीम भी हमारे समय में तैयार हुई थी । अब इस

छठी यूनिट के बारे में कभी मुख्य मन्त्री जी का और कभी ए0सी0 चौधरी जी का ब्यान आता है कि इसको हम शुरू कर रहे हैं। लेकिन मैं हाउस की जानकारी के लिये बताना चाहता हूं कि इस यूनिट के लिये इन्होंने पैसे का कोई प्रावधान अभी तक नहीं किया है । न ही कोई फाईनैंस कम्पनी इस काम को करने के लिये आगे आई है। इस यूनिट पर 350 करोड़ रुपये का खर्चा आएगा, लेकिन अभी तक इसके लिये पैसे का कोई प्रोवीजन सरकार की तरफ से नहीं हुआ है । बी0एच0ई0एल0 ने पानीपत थर्मल प्लांट के लिये जो हैवी मशीनरी भेजी हुई है वह पानीपत रेलवे स्टेशन पर पड़ी हुई डैमेज हो रही है । उसको वहां से उठाने के लिये भी इनके पास पैसे नहीं है। अब ये उनके साथ कोई सौदा करके ही उस सामान को उठाएंगे । स्पीकर साहब, खुद ए0सी0 चौधरी जी ने माना है कि बिजली के मामले में हमारी स्थिति बहुत खराब है और हमारी स्थिति इस प्रकार की हो गई है जैसे साहूकार और कर्जदार की होती है । ये जो कोयला अब ला रहे हैं उसमें 40—50 परसैन्ट राख आ रही है । जबकि इसकी रेशो 5—10 परसेन्ट से ज्यादा नहीं होनी चाहिए । जब इतनी अधिक राख कोयले में आएगी तो फिर बिजली कहां से पैदा होगी (विघ्न) इन्होंने 28 मार्च, 1993 को यमुनानगर में थर्मल प्लांट लगाने के लिये फरीदाबाद से ही बटन दबवाकर प्रधान मन्त्री से पत्थर रखवा दिया । इस बारे में मैं आपको बताना चाहता हूं कि आज इस पत्थर को रखे हुए तकरीबन एक साल हो चुका है, वहां पर एक इंच काम भी नहीं हुआ है और न ही इस पर एक पैसा खर्च किया गया है । इतना ही नहीं, इस प्लांट को न तो प्लानिंग कमीशन ने, और न ही सैन्टर कैबिनेट ने मंजूर किया है । भाषण तो देते हैं कि इस पर काम बड़ी तेजी से चल रहा है और बहुत जल्दी ही इस प्लांट से जनरेशन आ जाएगी । अब मैं हाउस की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि जिस जमीन पर यह प्लांट लगाया जाना था, वहां पर अब 30 हजार पौधे लगा दिए गए हैं और कह दिया कि अब इसकी कोई जरुरत नहीं है । वहां से एन0टी0पी0सी0 ने अपना स्टाफ भी हटाना शुरू कर दिया । वहां पर जो डी0जी0एम0 और मनेजर इन्जीनियर आदि स्टाफ था वह जा चुका है । मैं इनकी जानकारी के लिये बताना चाहता हूं कि कहीं पर भी ऐसा कोई बड़ा प्लांट लगाने से पहले एक 33 के0वी0 का सब स्टेशन लगाना पड़ता है । अब तक उस पर भी काम शुरू नहीं हुआ । जब इस पर काम ही शुरू नहीं हुआ तो थर्मल प्लांट पर काम होने का सवाल ही नहीं उठता क्योंकि थर्मल प्लांट पर तो इस सब-स्टेशन के बाद ही काम शुरू होगा इसलिये जो ये ब्यानबाजी करते हैं वे सारी की सारी असत्य हैं, वहां पर कुछ नहीं हो रहा है । स्पीकर साहब, ये फरीदाबाद की बात करते हैं, जो रेलवे के लेनदार हैं वे आते हैं, जो कोल के लेनदार हैं वे आते हैं। जो भी कम्पनी आती है वह इनसे डर कर चली जाती है । क्यों चली जाती है ? वे कर्जदार के पास आते हैं और कर्जदार की पोजीशन को समझ कर वापिस चले जाते

[प्रो० सम्पत सिंह]

हैं हिसार थर्मल पर भी कोई काम नहीं हो रहा है। इस तरह तीनों यूनिट कैसे काम करेंगे, इन पर कोई काम नहीं हो रहा है।

स्पीकर सर, इसी तरह से सोशल वेल्फेयर में भी सरकार की हालत खराब है। चौधरी देवी लाल की सरकार ने सोशल वेल्फेयर की कई स्कीमें चलाई थीं। 60—65 साल के वृद्धों को मान-सम्मान देने के लिये बुढ़ापा पैंशन दी गई थी। उसमें कोई आर्थिक स्थिति की बात नहीं थी हरेक आदमी को चाहे वह आई० ए० एस० का बाप था या आई० ए० एस० की मां थी हर किसी को बराबर पैंशन मिलती थी लेकिन इनकी सरकार ने सामाजिक मान-सम्मान की बात को दरकिनार करके उसमें दसियों शर्तें लगा दी हैं जिसकी वजह से वह स्कीम लगभग समाप्त हो गई है। जुलाई मास के बाद 8 महीने हो गए हैं किसी भी व्यक्ति को एक नया पैसा भी पैंशन का नहीं मिला चाहे वह बुढ़ापा पैंशन है, चाहे वह विडो पैंशन है और चाहे वह हैंडीकैप्ड पैंशन है, किसी को कोई पैंशन नहीं मिली। भांगे राम गुप्ता जी मेरे सामने बैठे हैं उनको इस बात का पता है कि सोशल वेल्फेयर महकमे ने किसी को पिछले 8 महीने से एक पैसे की पैंशन नहीं दी है। आज लोगों को उल्टे नोटिस दिए जा रहे हैं कि जो पैंशन उनको दी गई है वह वापिस करें। स्पीकर साहब, यह बड़े ताज्जुब की बात है कि लोगों को पैंशन वापिस करने के लिये नोटिस दिए जा रहे हैं। यह एक नोटिस मेरे पास है लाख सिंह सन आफ मुन्शी राम धोबी करनाल, उसको नोटिस मिला है कि 17—6—1987 से 88 तक आपने 846 रुपये की पैंशन ली है, वह वापिस करें क्योंकि आपकी उम्र पैंशन योग्य नहीं है। स्पीकर साहब, वह वृद्ध 99 वर्ष का था और करीब 4 साल पहले वह मर चुका है (विघ्न) सरकार चाहे तो इस बारे में इन्क्वायरी करवा ले। यह नोटिस इनकी सरकार का है, जो इनकी ऐफिशियैंसी को जाहिर करता है। स्पीकर साहब, अगर आप चाहें तो मैं इस पत्र को टेबल आफ दि हाउस पर भी रख सकता हूं। इसी प्रकार से दूसरा नोटिस इस आदमी की पत्नी लेखवती के नाम से है जिसकी उम्र करीब 94—95 साल थी और जिसको मरे हुए करीब दो साल हो गये हैं, उसको भी नोटिस गया कि 446 रुपये की जो पैंशन उसको मिली है वह वापिस करे। स्पीकर साहब, आज इस सरकार के हालात बहुत ही खस्ता हो चुके हैं और इस सरकार ने फर्टिलाईजर्ज, सीड्ज और पैस्टिसाईडज की हालत खराब कर रखी है। आज हर प्रकार से महंगाई बढ़ रही है। फसलों के भाव कम बढ़ाए जा रहे हैं जिसका फायदा किसानों को नहीं हो रहा है। गन्ने का भाव 60 रुपये निर्धारित किया गया और ये कहते हैं कि 10 रुपये क्विंटल बढ़ा दिया लेकिन उससे शुगर मिल को कितना फायदा हुआ। चीनी जो कन्ज्यूमर आईटम है पिछले 6 महीने के अन्दर उसकी दरें कितनी बढ़ी हैं। उपभोक्ता को, किसान को उसके लिये सवा दो

सौ रुपये फालतू देने पड़ेंगे। केन्द्र सरकार ने कहा है कि शीरे को टोटली डि-कन्ट्रोल करें। हमारी सरकार ने आधे शीरे पर कन्ट्रोल समाप्त किया है और आधा शीरा कन्ट्रोल पर रखा है। कन्ट्रोल्ड और डि-कन्ट्रोल्ड में 10 गुना मार्जिन है और उस मार्जिन का पैसा भी शुगर मिलों को मिल रहा है। सरकार को चाहिये था कि वह पैसा फारमर्ज को मिलता। कन्ट्रोल का शीरा आज डिस्टिलरीज में शराब बनाने के लिये जा रहा है और मैडीसिन और कैमिकल्ज बनाने वाली फर्में और फैक्टरियां डि-कन्ट्रोल का शीरा ले कर अपना काम चला रही हैं। स्पीकर सर, आपने देखा है कि आज इस सरकार ने गेहूं का रेट बढ़ा दिया इससे 418 रुपये प्रति क्विंटल गेहूं आम उपभोक्ता को पड़ेगी। इसी तरह से डिपो वालों के लिए चावल का 130 रुपये रेट बढ़ा दिया इसी तरह से कोआपरेटिव सैक्टर की भी बहुत ही बुरी हालत है। इन्फैड, कान्फैड, हरकोफैड में जबरदस्त घाटा चल रहा है और उसकी वजह से मुलाजिमों की छंटनी की जा रही है। कान्फैड के 283 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया है। जो घाटा है उस को किस तरीके से रोका जाए, इम्पलाईज को निकालने से घाटा पूरा नहीं हो सकता है। हरकोफैड की यह पोजीशन है कि इन्होंने पोलिटिकल आदमी को वहां पर चेयरमैन लगा रखा है। हरकोफैड तो घाटे में है, अगर नफे में होता तब तो पोलिटिकल आदमी लगाते। लेकिन आज वह घाटे में है। कार खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं, एम0डी0 ने किराए पर कार ले रखी है। चेयरमैन को कार हरकोफैड दे रही है। चेयरमैन के घर दफ्तर और टैलिफोन पर काफी खर्चा हो रहा है और दूसरी तरफ हरकोफैड घाटे में है क्यों न इनकी छुट्टी कर दी जाए। अध्यक्ष महोदय, सरकार सोई रहती है। ऐडीशनल रजिस्ट्रार रैंक के इनके अफसर थे जो पहले एम0डी0 भी रहे हैं। मुख्य मन्त्री जी के नोटिस में शायद न हो लेकिन अब तक अफसरों ने उनके नोटिस में भी ला दिया होगा कि वह एक रात जेल में रहकर आया है और सरकार को मालूम ही नहीं है। उसके खिलाफ विजिलैन्स केस रजिस्टर्ड था, वह सस्पैन्ड था। सरकार ने उनको बहाल किया और उसको एम0डी0 भी लगाया। कैथल के अन्दर उसी केस में कोर्ट ने उसकी जमानत रद्द कर दी। अध्यक्ष महोदय, अगर कोई जेल जाता है तो उसको सस्पैन्ड किया जाता है लेकिन अभी तक सरकार ने कोई कार्यवाही नहीं की है।

अध्यक्ष महोदय, ट्रांसपोर्ट की जो हालत है, वह आप जानते ही हैं। इन्होंने यह कहा है कि प्राईवेटाईजेशन कर दिया है। प्राईवेट परमिट दे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मुझे भी एक बार किसी वर्कशाप में जाने का मौका मिला। वहां पर मैंने देखा कि एक आदमी परमिट लिए हुए आ रहे हैं और उनसे वर्कशाप मालिक पूछ रहे हैं कि कितने कितने में लिये हैं। वे सिर्फ मुस्करा देते हैं और कह देते हैं कि हमसे यह न पूछें कि हमने कितने में लिए हैं। लेकिन स्पीकर साहब जो सीरियस बात है वह मैं आपको बता देता हूं। आज हरियाणा रोडवेज

[प्रो0 सम्पत सिंह]

की बाडी बिल्डिंग का जो काम चल रहा है, यह इन्होंने जालन्धर में न्यू माडल वर्कशाप को दिया है । और दो सौ से ज्यादा बसों की बाडी का काम दिया है । जबकि हरियाणा रोडवेज की अपनी भी वर्कशाप है और हरियाणा में प्राईवेट वर्कशौप्स भी हैं । अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात में नहीं जाता कि किस रेट पर काम दिया है, बाडी बिल्डिंग पर तकरीबन 2 लाख रुपया खर्च आ जाता है । दो लाख पर चार परसैन्ट जो सेलटैक्स है वह पंजाब को जाएगा, हरियाणा को नहीं आएगा । अगर ये उसी रेट पर अपने लोगों को काम दे देते तो इनको भी उससे फायदा हो जाता । लेकिन मुझे यह नहीं पता कि किस कारण से और किस किस्म की डील इन्होंने की है । लेकिन मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि इससे नुक्सान हमारी गवर्नमैंट को हो रहा है, अगर सरकार चाहती तो उसे बचा सकती थी । अध्यक्ष महोदय, उस नुक्सान को पूरा करने के लिये रोज भाड़े बढ़ाए जा रहे हैं । दो बार तो भाड़ा बढ़ चुका है । एक नया तरीका इन्होंने निकाल लिया है । ये 12 परसैन्ट, 15 परसैन्ट और 20 परसैन्ट तो करेंगे लेकिन कई बार तो 100 परसैन्ट बढ़ा देते हैं। जैसे पहले लोकल बस में टिकट 50पैसे थी, उसको बढ़ा कर एक रुपया कर दिया, यानि की 100% इन्क्रीज कर दिया ।

इसी तरह से मैं सेल टैक्स की बात करना चाहता हूं । आज सेल टैक्स की बुरी हालत है । बैरियर हटाए जाने के लिए मैं मन्त्री जी को बधाई देता हूं यह अच्छी बात है क्योंकि बैरियर्ज पर करप्शन हो रहा था । स्पीकर साहब, सेल टैक्स की रिकवरी की पोजिशन बहुत ही दयनीय है और बहिन करतार देवी जी पैसे इकट्ठे करके गुप्ता जी के महकमे में भेजती है तो गुप्ता जी को बड़ी परेशानी होती है । स्पीकर साहब, मैं आपको चार-पांच जिलों के आंकड़े बता देता हूं। 31 दिसम्बर तक जींन्द में 1.2 भिवानी में 3.3 सोनीपत में 4.5 करनाल में 6.7 और रोहतक में 7.31 इन्क्रीज आई है । स्पीकर साहब, इससे अधिक अलार्मिंग की कोई और बात नहीं हो सकती । एक तरफ तो महंगाई होती जा रही है और दूसरी तरफ सेलटैक्स की रिकवरी गिरती जा रही है । इसका क्या मतलब है ? इसका मतलब यह है कि कहीं न कहीं पर खोट है । अध्यक्ष महोदय, करतार देवी जी के पास नया महकमा आया है और ये उस खोट को निकालेंगी । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं इंक्रीज की कह रहा हूं और 22-23 परसैन्ट आन एन एवरेज रहती थी बाईचांस कोई ऐसा ईयर हो जाए कि 15—16 परसैन्ट पर आ जाए वैसे प्रायः 25—26 परसैन्ट की इन्क्रीज होती है । मैं यह कह रहा हूं कि मुख्यमन्त्री जी सिर्फ घोषणाएं कर आते हैं, पत्थर रख आते हैं 13.00 बजे | लेकिन पैसा न होने की वजह से काम उन पर होता नहीं है । मैं आपको एक कंक्रीट ऐग्जाम्पल देना चाहता हूं । मुख्य मंत्री जी ने डिप्टी स्पीकर साहब के अम्बाला कैन्ट में 28 जून 1992 को बस स्टैन्ड का एक पत्थर रखा था लेकिन सर, डिप्टी स्पीकर साहब गवाह हैं जो मेरे पास ही बैठे हुए हैं, वहां

पर आज तक एक पैसे का भी काम नहीं हुआ है। इसी तरह से ये 11 दिसम्बर 1992 को सिरसा भी गए थे। उस समय लक्ष्मण दास अरोड़ा जी बड़े खुश हुए थे। इन्होंने (मुख्य मन्त्री जी ने) वहां पर कहा था कि बेगू रोड और फतेहाबाद का रास्ता फोर लेनिंग कर दिया जाएगा, रीजनल सैन्टर खोल दिया जाएगा, फलाना कर देंगे (शोर) स्पीकर सर, मैं पुरानी बात कह रहा हूं। इस बार की बात मैं नहीं कर रहा हूं। जब पहले की घोषणाओं पर कुछ नहीं हुआ तो अब की घोषणाओं पर क्या होगा? मैं आपको बताऊं इन्होंने क्या किया। ये फिर पंजाबी सम्मेलन का बहाना ढूंढने लगे। इन्होंने वहां पर फिर पंजाबी सम्मेलन करवाया। लेकिन उसके बाद भी ये कहते हैं कि पंजाबी सम्मेलन से कोई जातपात की बात नहीं हुई।

उद्योग मंत्री (श्री लक्ष्मण दास अरोड़ा) : स्पीकर सर, पंजाबी सम्मेलन से कोई जातपात की बात नहीं हुई। (शोर)

प्रो0 सम्पत सिंह : स्पीकर सर, तो ये इस तरह की घोषणाएं वहां पर डेढ साल पहले कर के आये कि सिरसा को 'ए' क्लास सिटी कर दिया जाएगा। अब फिर ये डेढ साल बाद वहां पर जाकर घोषणाएं करके आएं हैं। स्पीकर सर, इसका मतलब तो यह हुआ कि हर काम के लिये ये दो-दो बार जाएंगे स्पीकर सर, इसी तरह से ऐक्स सर्विस मैन का जो 17 परसैन्ट रिजर्वेशन था, उसको घटा कर 12 परसैन्ट कर रहे हैं।

सिंचाई मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा) : स्पीकर सर, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। सर, मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि जिस-जिस पार्टी के जितने-जितने मैम्बर्ज हैं, उसी के हिसाब से आप टाईम अलाट कर दें। चूंकि हमारी पार्टी के मैम्बर ज्यादा हैं इसलिये हमारी पार्टी को ज्यादा टाईम मिलना चाहिए। आप 90 मैम्बरों में से 17 मैम्बरों के हिसाब से टाईम निकालकर अलाट कर दें। यदि सम्पत सिंह जी ही अपनी पार्टी का सारा टाईम ले लेंगे तो फिर इनकी पार्टी के बाकी मैम्बर को आप नहीं बोलने देना। इसके अलावा मेरा आपसे यह भी कहना है कि यह कोई मतलब की बात नहीं कर रहे हैं। हाउस में लिखा है कि जो बोलें वह सत्य ही बोलें। गलत बोलने से या सही न बोलने से दोनों ही स्थितियों में पाप का भागीदार बनना पड़ेगा। स्पीकर सर, ये गलत बोल रहे हैं इसलिये ये पाप के भागीदार हो रहे हैं। इन्होंने कोई भी बात सत्य नहीं कही है। इसलिए मेरी आपस रिक्वैस्ट है कि इनको इररैलेवन्ट बोलने के लिये समय नहीं दिया जाए। मैं शुरू में ही आपको आब्जैक्ट करना चाहता हूं।

प्रो0 सम्पत सिंह : स्पीकर सर, अभी नेहरा साहब कह रहे थे कि इनको बोलने के लिए समय न दिया जाए क्योंकि हमें तकलीफ हो रही है। You will have to listen. It is my constitutional right to speak. यह मेरा कानूनी अधिकार है। (शोर) स्पीकर सर, मैं यह कह रहा था.....।

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, आपको बोलते हुए पौना घंटा हो गया है ।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, जो टाईम आप मुझे बोलने के लिये अलाट करेंगे, मैं उतने में ही बोलूंगा ।

तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री (प्रो० उत्तर पाल सिंह) : स्पीकर सर, मेरी सबमिशन यह है कि सम्पत सिंह जी बार-बार कह रहे हैं कि बोलना मेरा कांस्टीच्यूशनल राइट है । इनकी पार्टी के और 12 या 13 मैम्बर हैं, क्या उनका कोई कांस्टीच्यूशनल राइट नहीं है (शोर)

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, यह हमारा अपना मामला है । तो मैं कह रहा था कि एक तरफ तो यह बड़ाई करते हैं कि हमारे सोल्जर्स ने हमारी शान रखी है, हमारे देश की सीमाओं की हिफाजत रखी है और दूसरी तरफ उनके लिए जो 17 पर्सेन्ट रिजर्वेशन है, उसको ये घटा रहे हैं ।

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, आप और कितना टाईम लेंगे ?

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, अभी मैं आधा घंटा तो और लूंगा । सर, जहां तक कानून और व्यवस्था की बात है, मैंने पहले ही कहा था कि हालात बहुत खराब हैं । क्यों खराब हैं क्योंकि खुद सरकारी लोग ही कानूनों को हाथ में ले रहे हैं । स्पीकर सर, पता नहीं मेरे बोलने से इनको क्यों तकलीफ हो रही है । स्पीकर सर, एक एम०एल०ए० को फरीदाबाद के एक होटल में वेटरों ने पीटा इससे फालतू कोई शर्म की बात नहीं हो सकती । (विघ्न)

चौधरी जगदीश नेहरा : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है । ये इस तरह की गलत बात कहकर हाउस को गुमराह कर रहे हैं, जब कि रिकार्ड में है कि होम मिनिस्टर होते हुए भी सम्पत सिंह जी पीटे गए, सम्पत सिंह जी चारपाई के नीचे घुसे नाले के अन्दर घुसे, सम्पत सिंह को कच्छे और बनियान में बाहर निकाला गया । (विघ्न)

प्रो० सम्पत सिंह : यह बिल्कुल असत्य है । हमारी परफौर्मैंस का अनुमान तो आप लगा सकते हैं कि मैं री-इलैक्ट हो कर आया हूं । (शोर एवं व्यवधान) वह भी एक बार नहीं, कन्टीनुअसली तीन बार इलैक्ट हो कर आया हूं, परफौरमैंस होगी, तभी लोगों ने जिताकर भेजा है । स्पीकर सर, इसी तरह से एक मिनिस्टर के नाम नॉन-बेलेबल वारंट जारी हुआ था । एक एम०एल०ए० जो एसोशिएट है, आज मेरी उनसे बात हुई । समेत बच्चे के बहू उनके घर के अन्दर आई है । स्पीकर सर, आज क्वैश्चन मार्क लग रहा है । इस तरह से हाईअप फैमिलीज में जो लड़कियों के साथ यूं ज्यादती होती है । इस मामले में से कुछ न कुछ स्मैल आ रही है और वह एम०एल०ए० मजबूर हो रहे हैं कि मैं सच नहीं बता सकता । इसका मतलब क्या

है? अगर इनकी इंक्वायरी करवायो तो मजबूरी का पता लगे कि मजबूर क्यों हैं ? बाद में उनकी शादी करवाई गई है, उसके बावजूद वे मजबूरी का इजहार कर रहे हैं, आपके एसोशिएट मैंबर हैं, आपकी सपोर्ट करते हैं, सुरजीत सिंह जी हैं। इसी तरह से स्पीकर सर, आयुर्वेदिक बोर्ड के चेयरमैन श्री महेन्द्र प्रताप जी लुद्धेश्वर के थे उनकी उम्र 60 साल थी, मुख्यमन्त्री जी ने अब तो उनको चेयरमैनी से हटा दिया। 13-14 साल की लड़की से उन्होंने शादी की है (शोर एवं व्यवधान)।

श्री मनी राम केहरवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। इस मामले में बात यह है कि यह सब-जुडिस मैटर है और अदालत में 25 मार्च इसकी तारीख लगी हुई है। 19 तारीख को सब-ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट, सिरसा के यहां यह केस लगा है जिसका ये यहां हवाला दे रहे हैं। दूसरे, जिस चीज का यहां ये जिक्र करना चाहते हैं कि रामकला लड़की का नाम है और वह लड़की नहीं, उससे पहले लड़के का नाम था रामकला। उसकी उम्र 22 साल है।

प्रो0 सम्पत सिंह : स्पीकर सर, स्कूल डेट ऑफ बर्थ में बदली नहीं की जा सकती। यह तो मान लिया कि रामकली का रामकला हो गया। स्कूल सर्टिफिकेट में 5 मई, 1980 उसकी डेट ऑफ बर्थ है। हमारे कहने का मतलब यह है कि उनको (चेयरमैन को) अरैस्ट करना चाहिए था, उनके खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए थी।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : यह मामला कोर्ट में है और इसकी इंक्वायरी हो रही है।

प्रो0 सम्पत सिंह : एक तरफ तो आप उनको चेयरमैनी से हटा रहे हैं, यह मान के कि उसने कुछ गैर कानूनी काम किया है, दूसरी तरफ, आप उसको गिरफ्तार नहीं कर रहे हैं। (विघ्न) स्पीकर सर, जब मैं फिरोजपुर-झिरका में पानी बिजली की कमी के विरुद्ध गया तो एक मंत्री खुद फिरोजपुर-झिरका में ट्रालियों की हवा निकलवाते हैं, गांव के अंदर लोगों को जब्त करते हैं, एक दिन के बाद पुलिस से उनको छुड़ाया जाता है। इसका अर्थ हुआ एक तरह से मिलिटैन्ट का काम मिनिस्टर करेगा। मास्टर अजमत खां जी इसका सुबूत है, इस किस्म के हालात होते जा रहे हैं। डांगी साहब बैठे हैं, इनके हल्के में फरमाना बादशाहपुर गांव पड़ता है। वहां बलवान सिंह नाम के सरपंच ने अपने गांव की तीन लड़कियों का अपहरण करवाया। (शोर एवं व्यवधान) उसके बाद एक की जबरदस्ती शादी की गयी और तीनों के साथ रेप किये गये। उसके ऊपर माननीय सदस्य पर हैबियस कौरपस की सुप्रीम कोर्ट में रिट डाली गयी। उस केस में खुद आनंद सिंह डांगी को नोटिस हुआ है। इनके ऊपर यह इलजाम है कि बलवान सिंह ने जो किडनैपिंग की है, उसमें इन्होंने बलवान सिंह की मदद की है। इसलिये आप वहां पर पेश हों। इस बात के लिये बाकायदा सुप्रीम कोर्ट से इनको नोटिस आया हुआ है। उस नोटिस के जवाब में ये वहां पर गये नहीं हैं। अब उसकी अगली तारीख 7 मार्च डाल दी गयी है। ऐसे लोगों की ये मदद करते हैं।

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मन्त्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी) : जो बात माननीय साथी ने फरमाना के केस के बारे में कही है, वह बिल्कुल निराधार और तथ्यों से दूर की बात है । इसमें जो सही बात है, वह यह है कि बीरमती फरमाना गांव में ब्याही हुई है। वह बलवान सिंह की चाची है। बलवान सिंह के चाचा की दूसरी शादी हुई है। उसकी 8 लड़कियां हैं। तीन पहली से हैं और 5 इससे हैं । इनमें से दो शादी-शुदा हैं । वह अपने बाप के घर बहादुरगढ़ चली गयीं । एक लड़की की शादी शमशेर सिंह नाम के किसी आदमी के साथ कर रखी है । उसके खिलाफ 25 केस राजस्थान में दर्ज हैं । वह और उसके भाई, दोनों मिलकर दो लड़कियों को किडनैप करके ले गये । जो महिला दक्षता समिति दिल्ली में है, वहां पर जाकर बीरमती ने फरियाद की । उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के आर्डर्ज से उनको बरामद किया । उसके बाद महिला दक्षता समिति की जो सैक्रेट्री हैं, मिसिज विनय भारद्वाज, उसने बलवान सिंह सरपंच को एक लैटर डाला कि इस-इस तरह से यह परिवार की बात है । आप इस बारे में क्या करना चाहते हैं। आपकी इस बारे में क्या सलाह है ? वह मेरे पास दिल्ली हरियाणा भवन में आ गये । हमने विनय भारद्वाज को कान्टैक्ट किया और मैंने यह कहा कि इस परिवार के साथ बातचीत कराओ और इनकी बातचीत के जरिये इनको अपने घर ले जाने का मौका दो ताकि यह मामला ठीक हो सके । हमने उनसे बातचीत की लेकिन श्रीमती विनय भारद्वाज ने उस परिवार के साथ बलवान सिंह की बातचीत नहीं होने दी जो उनकी सगी चाची और सगे चाचा हैं । उसके बाद दोबारा हमने विनय भारद्वाज से रिक्वैस्ट की कि हमारी बहिन बेटियों की इज्जत का सवाल है । उनकी इज्जत लूटी जा रही है । इनको कहां-कहां पर रखा जा रहा है । इसलिये यह हमारी शान के खिलाफ है क्योंकि समाज इस बात को अलाऊ नहीं करता । हमारा निवेदन यह है कि आप इस परिवार को हमें दे दो ताकि हम इनको अपने गांव में ले जाकर बसा सकें और इनकी इज्जत की सुरक्षा कर सकें । इस बात के अलावा और कोई बात हो, तो यह साबित कर दें । बेशक आप इसके लिये कोई इन्कवायरी कमेटी बिठा कर इसकी जांच करा लें । जहां तक नोटिस की बात का ताल्लुक है, मैं मानता हूं कि नोटिस आया है । (व्यवधान व शोर) नोटिस किस बात पर आया है, यह तो सुन लो । नोटिस की बात को लेकर हमने विनय भारद्वाज से बात की । दोनों बार उन्होंने उस परिवार को मिलने नहीं दिया । उसमें हमने यह कहा कि यह हमारी सामाजिक बात है, इसको खत्म करने के लिये हमारे साथ इस परिवार को भेज दें । उन्होंने इसके लिये इन्कार कर दिया । फिर हमने यह कहा कि हमारे इन व्यक्तियों के नाम 18 एकड़ जमीन है । उन्होंने यह कहा कि लड़कियां उस जमीन को बेच कर आयेंगी । उसमें बलवान सिंह ने कहा कि यह हमारे परिवार का जाति मामला है । इस तरह से हम उस जमीन को नहीं बेचने देंगे । उस बात पर विनय भारद्वाज ने मुझे पार्टी बनाकर सुप्रीम कोर्ट में रिट डाल दी । यह सरासर गलत बात कह रहे हैं । सारी बात को तोड़-मरोड़ कर कह रहे हैं । इनके लड़कों के खिलाफ होटलों में केस नहीं बनते हैं । अपने घर में बहू को कत्ल करके सब कुछ करते हैं । और फिर इस तरह की घटिया बात करके हमें बदनाम करने के लिये यह बात करते

हैं। यह बात इनके लिये अच्छी नहीं है। यह तो सदन को गुमराह करने वाली बात है और प्रदेश की जनता को गुमराह करने वाली बात है।

प्रो० सम्पत सिंह : आपने एडमिट तो किया है कि आपको नोटिस आया है। मेरा तो इतना ही एलीगेशन था कि आपको नोटिस आया है। इसी तरह से टोहाना के अन्दर एक डाक्टर श्री भगवान दास भाटिया थे। उस डाक्टर को 23 दिसम्बर को अपने क्लीनिक से घर जाते हुए चार लोगों ने कत्ल कर दिया। जब कातिल पकड़े गये तो उन्होंने यह बताया कि इसके पीछे मार्किट कमेटी के चेयरमैन गुरी का हाथ है। उसने पैसा देकर यह कत्ल करवाया है। इसके पीछे गुरी की कहानी है। उसके साथ एक अर्जुन सिंह खरबी है। वह पी० एल० डी० बी० का चेयरमैन है और नौमिनेटिड है। वह गुरी मार्किट कमेटी का चेयरमैन है और नौमिनेटिड चेयरमैन है और इसी तरह से खर्बी का अर्जुन सिंह है। वह भी पी० एल० डी० बी० का चेयरमैन है। स्पीकर साहब, देखने वाली बात यह है कि इनका लिंक कहां मिलता है। पिछले दिनों रतिया में एक टैरेरिस्ट वारदात हुई थी और उस टैरेरिस्ट वारदात का मुख्य मन्त्री को याद होगा कि उस वारदात में एक ए० एस० आई० सूबे सिंह मारा गया और एक डी० एस० पी० इन्जर हुआ था और उस वक्त बुलैट नाम का उग्रवादी भी मारा गया था और एक उग्रवादी और था निहाला नाम का वह इन्जर्ड हो गया था। इस इन्जर्ड को इन दोनों चेयरमैनों के साथी काहलों के मकान पर लाया गया था और उस डाक्टर को बुलाया गया और उसको कहा गया कि तुम इसका इलाज करो। तब तक उस डाक्टर को पता नहीं था कि यह जो इन्जर्ड है वह टैरेरिस्ट है। उसने उसका इलाज किया। वह ओझल हो गया। फिर लोगों को पता लग गया कि एक टैरेरिस्ट का इलाज गुरचरण सिंह काहलों जो अर्जुन सिंह का पार्टनर है, उसकी कोठी पर यानी काहलों की कोठी पर हुआ है। स्पीकर साहब, जब ऐक्सपोजर हुआ तब उस डाक्टर को रिमूव किया गया कि यह बात खुल जाएगी कि टैरेरिस्टस से, मिलिटैंट्स से सारे के सारे लोग जुड़े हुए हैं। इसलिए उस आदमी को एलीमिनेट कर दिया गया। इससे शर्मनाक बात और कोई नहीं हो सकती। इस तरह से जान और माल की सुरक्षा कैसे रह जाएगी। सारा टोहाना बन्द हुआ और हड़ताल हुई। दो महीने तक हमारे साथी बतरा की पुलिस उसको पकड़ नहीं पाई जो यह कह रहे थे कि अगर गैर कानूनी काम करोगे तो पकड़ेंगे।

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, सारे के सारे आदमी गिरफ्तार कर लिए गए हैं।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, पकड़ा नहीं गया, उसने तो सरन्डर किया है। (विघ्न) स्पीकर साहब, उस आदमी ने सरन्डर किया है और मैं चाहता हूं कि टैरेरिस्ट वाली बात की इंक्वायरी की जाए कि इनके उसके साथ क्या लिंक थे, तब पता लगेगा। यह कोई सिम्पल क्राईम नहीं है, यह कोई सिम्पल मर्डर नहीं है। इसके पीछे किसी बड़े आदमी का हाथ है।

[प्रो0 सम्पत सिंह]

इसी तरह से स्पीकर साहब, एक तरफ सरकार कह रही है कि हम पानी की चोरी कम करवा रहे हैं, यह बात नेहरा साहब कह रहे हैं, पानी की चोरी रोकने के लिए आपका एस0डी0ओ0 पुलिस के साथ दड़बा के अन्दर जा रहा था। वह नहर की गश्त कर रहा था और दड़बा से जो कांग्रेस-आई का उम्मीदवार इलैक्शन लड़ा था, उसके परिवार के लोगों ने उस एस0डी0ओ0 को बहुत बुरी तरह से पुलिस के सामने पीटा और उसके बाद उस एस0डी0ओ0 ने कम्पलेंट की तो उस एस0डी0ओ0 से फोर्सीबली दरखास्त वापिस दिलवाई कि मेरे साथ कोई वाकया नहीं हुआ। स्पीकर साहब, अगर इस तरह से कानून अपने हाथ में ये लोग लेंगे तो कैसे काम चलेगा ? इस तरह के हालात, स्पीकर साहब, हो रहे हैं। इसलिए मैं कह रहा था कि आज कानून नाम की कोई चीज नहीं है। आज रोज लोगों को मारा जा रहा है। किलावड़ में दो नौजवानों को मार दिया गया। निसिंग में मार दिया गया और नारनौल में लोगों को मार दिया। स्पीकर साहब, कर्मगढ़ (नरवाना) में बाल्मीकी को मार दिया।

श्री अध्यक्ष: सम्पत सिंह जी, बोलने के लिए टाईम प्रोपोर्शनेटली दिया जाएगा।

चौधरी जगदीश नेहरा: आन ए प्वाएंट आफ आर्डर। स्पीकर साहब, यह हर बात में असत्य बोलते हैं। मेरी आपसे प्रार्थना है कि इन्होंने जो कहा कि वहां एस0डी0ओ0 को पीटा गया, यह असत्य बात है। इसका कोई मतलब नहीं है। हर बात में असत्य कहना या गलत बात कहना ठीक नहीं है। मैं आपसे निवेदन करूंगा कि आप इसको रोकें। मेरी एक और सबमिशन है कि ये हर बात में हमारे एक मम्बर का नाम ले लेते हैं। फिर हमको इसके लिए ऐक्सप्लेनेशन देना पड़ता है। स्पीकर साहब, यह कोई अच्छी बात नहीं है कि ये किसी का नाम लें और फिर हम यहां से उसका ऐक्सप्लेनेशन दें। इससे तो और डिस्टरबैंस होगी। मेरा आपसे निवेदन है कि इनको असत्य न बोलने दिया जाए और बगैर मतलब के किसी सदस्य का नाम भी न लेने दिया जाए। इनको गुरेज किया जाए कि ये ऐसा न करें।

श्री अध्यक्ष: ऐसे कैसे पता लगेगा। यह तो आप ही बताओगे तब ही पता लगेगा।

प्रो0 सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, डेमोक्रेसी में इनको इतना माद्दा होना चाहिए कि प्लेजैन्ट या अनप्लेजैन्ट चाहे कोई बात हो, उसको सुनें, आपको प्लेजैन्ट न लगे, उसको बरदाश्त करें। आप उसको सुनें। स्पीकर साहब, मैं कह रहा था कि रोज इसी तरह से पुलिस ऐन्काउंटर में लोगों को मारा जा रहा है। किलावड़ में दो नौजवानों को मारा गया, नारनौल में मारा गया और कर्मगढ़ में तो नरवाणा थाने का जो बाल्मीकी ज्ञानी राम था उसको पीट-पीट कर बेचारे को मार दिया। कुरुक्षेत्र में रजनीश नाम का एक नौजवान लड़का था, मोहन सिनेमा के आगे पुलिस के आदमी ने गोली मारकर उसको मार दिया। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आपको बोलते हुए एक घंटा से ऊपर हो चुका है जबकि इधर से कुल 40-45 मिनट ही बोले हैं ।

प्रो० सम्पत सिंह : मेरा टाईम तो ये बीच में इंटरप्ट करके ले गए । मुझे बोलने तो दें । इसी तरह से स्पीकर साहब, संगतपुरा चौकी के इन्चार्ज ने भी अपने सिपाही को गोली से मार दिया । पलवल पुलिस थाने की कस्टडी में बड़ोली गांव का नानक बाल्मीकी इसी तरह से पुलिस कस्टडी में मारा गया । और भी इस तरह की एट्रोसिटीज हुई हैं । स्पीकर साहब, इतनी ज्यादतियां हो रही हैं और उनका सबूत यह है कि डबवाली सी० आई० ए० स्टाफ के अन्दर एक 80 साल के बाबू सिंह और 55 साल के भजन सिंह को इल्लीगल कस्टडी में रखा गया । कोर्ट से रिमांड अफसर गया और पुलिस वालों को ताड़ा गया कि ये दोनों आदमी इल्लीगल कस्टडी में मिले हैं । इस तरह से स्पीकर साहब, रोज ही अन लॉ फुल एक्टीविटीज हो रही हैं। जैसे मैं रेप केसिज का जिक्र कर रहा था । न्योली खुर्द कांड हुआ । सीसवाल के अन्दर एक नर्स को कुछ लोग यह कह कर ले गए कि एक औरत आशावान है इसलिए आप हमारे साथ चलें । वह तो रास्ते में एक ट्रैक्टर आ गया और वह उनके चंगुल से बच गई वरना उस नर्स की पता नहीं क्या हालत होती ? इसी तरह से श्रीमती सुशीला हिसार में टीचर थी, अब तक उसका पता नहीं चला कि वह कहां चली गई । मुख्य मन्त्री जी ने कई बार कहा है कि हमने केस सी० बी० आई० को दे दिया है । ठीक है आपने उनको लिख दिया होगा लेकिन सैंट्रल गवर्नमैंट या सी० बी० आई० ने अभी तक उस केस को टेक अप नहीं किया, उन्होंने उस केस को असैप्ट नहीं किया कि हम इसकी इन्क्वायरी करेंगे । इसका मतलब यह हुआ कि आप तो कर नहीं रहे और उनको चिट्ठी लिख कर आपने केस की इतिश्री कर दी । स्पीकर साहब, एक साल हो गया लेकिन अब तक भी सुशीला का पता नहीं लगा है । इसी तरह से रोज डकैतियां हो रही हैं । रोज मर्डर हो रहे हैं । यहां तक कि कांग्रेस (आई) के पंचकूला ब्लाक के प्रधान की मदर का अनफार्चुनेट मर्डर हो गया । इसी तरह से अम्बाला और यमुना नगर में मर्डर हुए हैं । स्पीकर साहब, डकैतियां और मर्डर रोज हो रहे हैं । स्पीकर साहब, पुलिस के लोग जो रेप कर रहे हैं यह सब से ज्यादा अनफार्चुनेट है । आपकी जी० आर० पी० के अन्दर 2-3 केस हो गए हैं, मास रेप के केस हुए हैं । वे लोग जो रक्षक हुआ करते हैं उनको भक्षक नहीं बनना चाहिए । इसलिए सरकार को अपनी कानून व्यवस्था को ठीक करना चाहिए ।

श्री अध्यक्ष : आप वाईड अप करें ।

प्रो० सम्पत सिंह : मैं वाइंड अप ही कर रहा हूं । स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि जब हैबियस कार्पस के केस बढ़ते हैं तो इसका मतलब यह है कि कहीं न कहीं कानून को लागू करने में कमी आ रही है । मुख्य मन्त्री जी को शायद खुद पता होगा कि हिसार के एक केस के अन्दर कलकत्ता का जो व्यापारी उठाया गया था उसके लिए उस व्यापारी ने हैबियस कार्पस डाली थी । अब सुप्रीम कोर्ट ने आर्डर

[प्रो0 सम्पत सिंह]

किया है कि जो पुलिस ले कर आई थी और जो पार्टी शामिल थी, उन सब के खिलाफ सी0 बी0 आई0 इन्कवायरी करे । सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस आनन्द के बैंच ने कल ही आर्डर किया है कि एस0पी0, सी0 बी0 आई0 इसकी इन्कवायरी करे और उस हैबियस कार्पस में जो एलीगेशन लगाए गए हैं उनकी रिपोर्ट दो मई तक दी जाए । तो स्पीकर साहब, इसका मतलब यह है कि यह बहुत सीरियस मैटर है । इस तरह से हैबियस कार्पस होना और उसके साथ ऐसे लोगों का जुड़े रहना जिनका पोलिटिकल लोगों से और हाई अपस से लिंक हो, यह मोस्ट अनफार्चुनेट बात हो रही है । जहां तक लैंड ग्रैबिंग का सवाल है इसकी बहुत बुरी हालत है । आप कहीं भी चले जाएं आपको ऐसे केस मिलेंगे । सरहाल गांव में 16 कनाल जमीन जो 8 करोड़ रुपए की है, यादविन्द्र सिंह नाम का आदमी 25-1-93 को उस जमीन को ले उड़ा । कोई विडो उस जमीन की 27-1-93 को स्टे लेती है और दो दिन पहले यानी 25-1-93 को कागजों में दिखा कर वह उस जमीन को ले उड़ा । सरकार को इस केस की इन्वायरी करनी चाहिए कि इसमें किस का हाथ है ? यह सरहाल गांव गुड़गांव जिले के अन्दर है । कोई लाल सिंह नाम का आदमी था, वह मर गया । उसकी विडो की यह जमीन थी । इसी तरह से स्पीकर साहब, कैथल के अन्दर चिक्का डेरा जात की पांच करोड़ रुपए की जमीन थी । पिछली बार भी हमने इसका जिक्र किया था तो आपने इस बारे में हमारा मोशन डिस अलाऊ कर दिया था । स्पीकर साहब, इस केस में बी0 डी0 ओ0 और जजिज तक के इनवाल्व होने के रैफरैंसिज आए हैं । यह कई करोड़ रुपए की जमीन है और उस जमीन को खुर्द-बुर्द कर दिया । बक्षी साहब बैठे हैं और ये वहां की बार के मैंबर रहे हैं । रोहतक के अन्दर कोर्ट के सामने जमीन थी । (विघ्न)

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री सुरेन्द्र कुमार मदान) : स्पीकर साहब, उस आदमी ने उस जमीन की जो भी हेराफेरी की थी . . . . . (शोर) हां मैं मानता हूं कि उस आदमी ने जो भी हेराफेरी की थी, उसके बारे में सरकार को भी उसने धोखा दिया था । उस आदमी ने उस जमीन की गिरदावरी अपने नाम करवा ली थी लेकिन सरकार ने उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया और उसको अंदर करवा दिया । उस जमीन की फिर दोबारा पंचायत के नाम गिरदावरी हो चुकी है । उसका केस कोर्ट में चल रहा है । सरकार ने इस बारे में कोई नर्मी नहीं बरती है ।

प्रो0 सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, रोहतक में कोर्ट के सामने वकीलों के कार और स्कूटर्ज के स्टैण्ड के लिए खुद सरकार ने लैंड अलाउंस की थी । मुख्य मंत्री जी, आप जानते होंगे कि उस जमीन पर एक टेक राम नाम के पहलवान ने कब्जा कर लिया । वह एच0 एम0 एल0 का चेयरमैन भी रहा था । जब वह आदमी उस जमीन पर कब्जा कर रहा था तो शुक्र है उस समय बतरा जी वहां पर पहुंच गए और इन्होंने कोशिश करके उस जमीन का कब्जा छुड़वाया ।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री सुभाष बतरा) : स्पीकर साहब, मैंने पहले भी चौधरी सम्पत सिंह को यह कहा था कि जहां भी कानून और व्यवस्था की बात होती है, उसके बारे में मैं पूरी तरह से सतर्क हूं क्योंकि होम डिपार्टमैंट मेरे पास है। रही बात सरकार की, इस बारे में मैं स्पष्टीकरण इसलिए दे रहा हूं क्योंकि ज्यों ही यह बात मुख्य मंत्री जी के नोटिस में आई, इन्होंने उसी वक्त अधिकारियों से कहा कि आप फौरन कार्यवाही करें और इस जमीन पर किसी तौर पर कब्जा न होने दें।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, इन पर सारी बार का प्रैशर डला और वकीलों ने हड़ताल की, तब जा कर, उस जमीन का कब्जा रुका। स्पीकर साहब, वह बार आज भी उस जमीन पर काम नहीं कर रही है क्योंकि वहां पर काम करने पर बैन है। मौका मिलते ही सरकार उस जमीन को उस आदमी के हवाले कर देगी। इसी तरह से स्पीकर साहब अम्बाला के अन्दर म्यूनिसिपल कमेटी की 18 एकड़ जमीन, जौन साहब की डिग्गी के नाम से है, वह 20 करोड़ रुपए की जमीन है। उस पर कुछ लोग आज धड़ा-धड़ कब्जा कर रहे हैं। अम्बाला में चर्च लैंड है, उसको बेच नहीं सकते और उसकी रजिस्ट्री भी नहीं करवा सकते। वह जमीन जिस परपज के लिए दी गई है, वह परपज खत्म हो गया। वह जमीन गवर्नमैंट में ही दोबारा वैस्ट करेगी। एक तहसीलदार ने इसकी रजिस्ट्री किसी प्राइवेट आदमी के नाम करने से इन्कार कर दिया कि मैं इस जमीन की रजिस्ट्री नहीं करता तो उसको वहां से बदल दिया। दूसरा तहसीलदार आ गया और उसकी रजिस्ट्री कर दी। वह चर्च की लैंड है लेकिन उसको सस्ते में प्राइवेट हाथों में बेच दिया गया है। इसी तरह से अम्बाला में एक सुधा गुप्ता नाम की लेडी है। उसकी बिल्डिंग डिमोलिश की जा रही है। उसका सारा सामान बाहर फेंक दिया गया है। वह लेडी अम्बाला कैंट की है। उसकी बिल्डिंग की जगह पर कम्पलैक्स बनाने की तैयारी की जा रही है। वह लेडी एफ० आई० आर० दर्ज करवाती है, दफ्तरों के चक्कर काटती है। कोर्ट में जाती है लेकिन कोई ऑफिसर या कोई कर्मचारी उसकी नहीं सुनता। इसी तरह से स्पीकर साहब, डी० एल० एफ० के पास नाथुपुर में जमीन है। वह पंचायत की जमीन है, उसको डी० सी० ने बेचने से इन्कार कर दिया। उस डी० सी० को वहां से बदल दिया। दूसरा डी० सी० आ गया। उसने उस जमीन को आक्शन करवा दिया। अकेला एक बीडर था। उसको वह 18 एकड़ जमीन 5.10 लाख रुपए पर-एकड़ के हिसाब से दे दी जबकि वह करोड़ों रुपए की जमीन है। इसी तरह से उसी बीडर को मारुति के नजदीक 32 एकड़ जमीन और दे दी। इसी तरह से चौंगा गांव का एक हरिजन सरपंच है, उसके पास 1965 से अढ़ाई एकड़ जमीन है। उस जमीन को एक बाबूलाल नाम के आदमी ने पुलिस की सहायता से खुदबुर्द कर दिया और खुद ने उस जमीन पर कब्जा कर लिया। इसी तरह से जींद के अन्दर इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट की जमीन है। जींद से मांगे राम जी एम० एल० ए० हैं, वित्त मंत्री भी हैं। वहां पर इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट की जमीन है और उसका दफ्तर है। सरकार ने वह सारी जमीन 23 लाख रुपए में बेच दी जो करोड़ों रुपए की जमीन थी। उस जमीन को

[प्रो0 सम्पत सिंह]
बेचने के लिए डी0 सी0 ने भी मंजूरी नहीं दी । वहां की म्यूनिसिपल कमेटी के चेयरमैन, वह चेयरमैन म्यूनिसिपल कमेटी कौन हैं, उसको सारे जानते हैं । पहले वाले चेयरमन के साथ जो सलूक हुआ, उसके बारे में भी सभी जानते हैं । (विघ्न)

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय 5 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाये ।

आवाजें : ठीक है जी ।

श्री अध्यक्ष : हाउस का समय 5 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है ।

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

वित्त मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता) : अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी को तो एक फोबिया हो गया है कि कोई मंत्री कहीं बार बगैरा में बैठ जाये तो उसके खिलाफ ये बोलने लग जाते हैं । लेकिन अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह बात कह रहा हूं कि हमने न तो किसी के खिलाफ कोई गलत एलीगेशन लगाए हैं और न ही लगाते हैं । इस बारे में मैं इनसे कहना चाहता हूं कि कोई बात कहने से पहले इनको पता कर लेना चाहिए था कि वह जमीन किसने बेची है ? कोर्ट की तरफ से वह जमीन कुर्क हो गई थी । उस जमीन की कोर्ट ने औक्शन करा दी और जब हमको यह पता लगा कि वह जमीन बहुत सस्ती गई है, तो उसी वक्त हमने सारे पैसे देकर उस जमीन को बकेट कराया है और अब वह जमीन किसी व्यक्ति को बेची नहीं गई है । आप यह बात गलत कह रहे हैं कि वह जमीन किसी व्यक्ति को बेची गई है ।

प्रो0 सम्पत सिंह : क्या कार भी नहीं बिकी ? वहां की एम्बैसडर कार 14 हजार रुपये में बिकी है ।

श्री मांगे राम गुप्ता : कार भी नहीं बिकी । पैसा हमने अपनी तरफ से भर दिया है ।

प्रो0 सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, फरीदाबाद कॉम्पलैक्स अथॉरिटी है । वहां पर सूर्या रैजिडेंशियल प्रोजैक्ट पर काम चल रहा था । वहां पर डढ़ करोड़ रुपये के प्लाट काटे जा चुके थे । वह 70 एकड़ जमीन थी । वहां पर कोई एम0पी0 का भाई आ गया और कहने लगा कि यह जमीन तो मेरी है । आज उस जमीन पर कन्स्ट्रक्शन का काम रुका पड़ा है । अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से थानेसर म्यूनिसिपल

कमेटी के पास जमीन थी जहां पर तांगे वगैरा खड़े होते थे । स्पीकर साहब उस जमीन पर भी धावा बोल दिया गया । इसी प्रकार से, कलानौर में रविदास मन्दिर पर भी अटैक बोला गया और एक औरत का तो हाथ काट दिया गया । उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई । स्पीकर साहब वहां पर कोई सरदार अजीत सिंह है, उन्होंने यह काम करवाया है । इसी प्रकार से डूण्डा हेड़ा में 80 एकड़ जमीन टूरिज्म की थी ।

आबकारी तथा कराधान मन्त्री (बहिन करतार देवी) : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से माननीय भाई को बताना चाहती हूं कि जिस रविदास मन्दिर की ये बात कर रहे हैं, उस बारे में अखबारों में भी खबर आई थी । इस बारे में पता लगाने के लिए बी0एस0पी0 और विकास पार्टी के भाई भी गए थे । असल बात यह है कि वहां पर दो हरिजन ग्रुपों का झगड़ा है । म्यूनिसिपल कमेटी की जमीन है और उस जमीन पर दोनों ने अपनी-अपनी चार दिवारी अब निकाली है । इससे पहले वहां पर सारा कलानौर अपना कूड़ा-करकट डालता था । वहां पर कभी भी रविदास मन्दिर नहीं था और न ही है । रविदास मन्दिर तो भिवानी रोड पर है । अभी हमने वहां पर 27 तारीख को रविदास जयन्ती मनायी है । मैं अपने माननीय भाई से यह कहती हूं कि इस मन्दिर निर्माण में 95 प्रतिशत पैसा चौधरी भजन लाल जी की सरकार की तरफ से किसी न किसी रूप में दिया गया है । चाहे मुलाना साहब दे कर आए हैं या मैं खुद देकर आई हूं । रविदास मन्दिर का नाम लेकर लोगों में झगड़ा कराना यह कोई अच्छी बात नहीं है । आपको ऐसी गलत बात नहीं कहनी चाहिए । वहां पर सिर्फ दो हरिजन ग्रुपों का ही आपस में झगड़ा है और इसमें किसी का हाथ नहीं है ।

प्रो0 सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, मैं जो बात कह रहा था, उसको य मन्दिर न माने तो न माने, ये इनकी मर्जी है । स्पीकर साहब, डूण्डा-हेड़ा गांव में टूरिज्म की जमीन का भी झगड़ा है । उस बारे में मैं कुछ नहीं कहना चाहता क्योंकि इससे इनकी तकलीफ और बढ़ जाएगी ।

स्पीकर साहब अब मैं सरकारी मुलाजिमों की बात कहना चाहता हूं । हमारे मुलाजिम भाइयों ने स्ट्राइक की । यह स्ट्राइक उन्होंने अपनी कुछ मांगें मनवाने के लिए की थी । इस स्ट्राइक में सरकार ने मुलाजिमों के साथ जो सुलूक किया, वह अच्छा नहीं था । इस स्ट्राइक के दौरान जिस तरह से इन्होंने मुलाजिमों के खिलाफ एक्शन लिया, उस हिसाब से तो इनका नाम गिनीज बुक में आना चाहिए क्योंकि इन्होंने 15 हजार कर्मचारियों को डिसमिस किया, जबकि इतनी अधिक मात्रा में तो ब्रिटिश रूल में भी डिसमिस नहीं हुए थे । हमारी हरियाणा सरकार ने एस्मा लगा कर उनको डिसमिस किया । जेलों में डाला और उनके परिवारों को तंग किया और फिर इनको बाद में थूक कर चाटना पड़ा । इनमें फ्रस्ट्रेशन थी । राजस्थान में चुनाव हो रहे थे और मुख्यमंत्री जी वहां के चुनाव इन्चार्ज थे । चुनाव में ये कहने लगे कि

[प्रो० सम्पत सिंह]

वहां पर सरकार बनाएंगे । (विघ्न) इन्होंने राजस्थान में ही अपना डेरा लगा दिया । इस चुनाव के बारे में मैं आपको बताना चाहता हूं कि जितने भी इनके रिश्तेदार थे, वे सारे के सारे चुनाव में हार गए । (विघ्न) स्पीकर साहब, एक तो इनको यह फ्रसट्रेशन थी और दूसरी फ्रसट्रेशन इनको यह थी कि चौधरी देवी लाल का पोता और चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के बेटे अजय सिंह वहां से थम्पिंग मजोरटी से चुनाव जीत गए । स्पीकर साहब, उसके बाद हमारे माननीय सदन के नेता राजस्थान की कैपिटल जयपुर गए और कहा कि हम वहां पर सरकार बनाएंगे । हमें यह उम्मीद थी कि हमारे सदन के नेता जो कि पी० एच० डी० हैं, वे डी० लिट० हो कर आएंगे और वापिस आने पर हम उनको डी० लिट० के लिए मुबारिकबाद देंगे परन्तु स्पीकर साहब, डी० लिट० तो क्या होना था, जो इनकी पी० एच० डी० की डिग्री थी, वहां जा कर वह भी वापिस हो गई । (हंसी) चौबे जी छब्बे जी बनने गए थे । दूबे जी बनकर वापस घर लौट आए ।

Mr. Speaker : Now, the House stands adjourned till 9-30 a.m. tomorrow.

*13-35 P.M. (The Sabha then adjourned till 9-30 a.m. on Wednesday, the 2nd March, 1994).

25686—H.V.S.—H.G.P., Chd.